शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

केंद्र सरकार राज्य को नहीं दे रही उचित टैक्स हिस्सेदारी: सीएम सिद्धरामैया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 23 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-353

जिसकी जितनी आबादी उसका उतना हक, बोलने से फंसे राहुल

गृहयुद्ध भड़काना चाहते हैं राहुल गांधी : बरेली कोर्ट में तलब

वायनाड/बरेली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में जिसकी जितना आबादी है उसे उतना हक मिलना ही चाहिए। कांग्रेस की सरकार बनी तो संसाधनों, सम्पत्तियों और अवसरों को आबादी के मुताबिक बांट दिया जाएगा। चुनावी रैलियों में यह घोषणा करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब कानून के शिकंजे में फंस गए हैं। दूसरी तरफ इंडी गठबंधन में शामिल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने साफ-साफ कहा है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने लोकसभा चुनाव जीतने के लिए इस्लामी कट्टरपंथियों और भारत विरोधी संगठनों के साथ हाथ मिला लिया है। यह दोनों ही स्थितियां कांग्रेस को परेशानी में डालने वाली हैं। विवादास्पद बयान के मामले में उत्तर प्रदेश के बरेली सत्र न्यायालय ने राहुल गांधी को तलब किया है। अदालत में दाखिल याचिका में कहा गया है कि राहुल गांधी का ऐसा बयान देश में गृहयुद्ध छेड़ने के कुचक्र के तहत दिया गया है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश की बरेली जिला कोर्ट ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए विवादास्पद बयान पर 7 जनवरी 2024 को पेश होने के लिए समन जारी किया है। राहुल गांधी ने वह बयान आर्थिक सर्वेक्षण और जातिगत जनगणना को लेकर दिया था। बरेली सत्र न्यायालय ने पंकज पाठक की याचिका पर समन जारी किया है। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी के बयान को देश में गृहयुद्ध छेड़ने का कुचक्र बताया है। उन्होंने याचिका में कहा है, हमने महसूस किया कि राहुल गांधी ने चुनावों के दौरान जातिगत जनगणना पर जो बयान दिया था, वह देश में गृह युद्ध शुरू करने की कोशिश थी। शुरुआत में यह याचिका एमपी-एमएलए कोर्ट में दाखिल की गई थी, लेकिन वहां इसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद याचिकाकर्ता ने जिला जज कोर्ट में अपील की। पंकज पाठक ने बताया, हमारी अपील वहां स्वीकार कर ली गई और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया गया है।

इस्लामी कट्टरपंथियों के बिना राहुल-प्रियंका वायनाड नहीं जीतते

उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने कांग्रेस का प्रचार करते हुए कहा था कि यदि कांग्रेस केंद्र में सरकार बनाती है, तो वह वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण करेगी। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लाभ पहुंचाने के लिए संसाधनों का पुनर्वितरण करना होगा। राहुल ने कहा था, जिसकी जितनी आबादी है, उसे उतना हक मिलेगा। हैदराबाद की एक रैली में राहुल ने कहा था कि कि कांग्रेस सरकार बनने पर सबसे पहले जातिगत जनगणना कराई जाएगी। इसके बाद आर्थिक और संस्थागत सर्वेक्षण शुरू होगा।

▶10पर

पीएम मोदी को मिला कुवैत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित हुए मोदी

कुवैत सिटी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कुवैत में प्रधानमंत्री मोदी को वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया। कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल सबा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित किया। पीएम मोदी कुवैत के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इससे पहले 19 देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। कुवैत इस लिस्ट में शुमार होने वाला 20वां देश है।

पीएम मोदी को यह सम्मान भारत और कुवैत के बीच अच्छे संबंधों को मजबूत करने के लिए दिया गया है। द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर मित्रता के संकेत के रूप में राष्ट्राध्यक्षों और विदेशी संप्रभुओं और विदेशी शाही परिवारों के सदस्यों को प्रदान किया जाता है। पीएम मोदी से पहले बिल क्लिंटन, प्रिंस चार्ल्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को भी द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर प्रदान किया जा चुका है। इससे पहले पिछले महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुयाना और बारबाडोस ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया था। गुयाना ने पीएम मोदी को सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया था, वहीं बारबाडोस में पीएम मोदी को प्रतिष्ठित ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस सम्मान दिया गया था। डोमिनिका ने भी उन्हें हाल ही में सर्वोच्च सम्मान दिया था। वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता सर्वाधिक है। एक सर्वे में उन्हें सबसे लोकप्रिय नेता करार दिया गया था। इतना ही नहीं कई देश भी उन्हें अपने सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित कर चुके हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उनके नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2014 से अब तक 20 देशों के

▶10पर

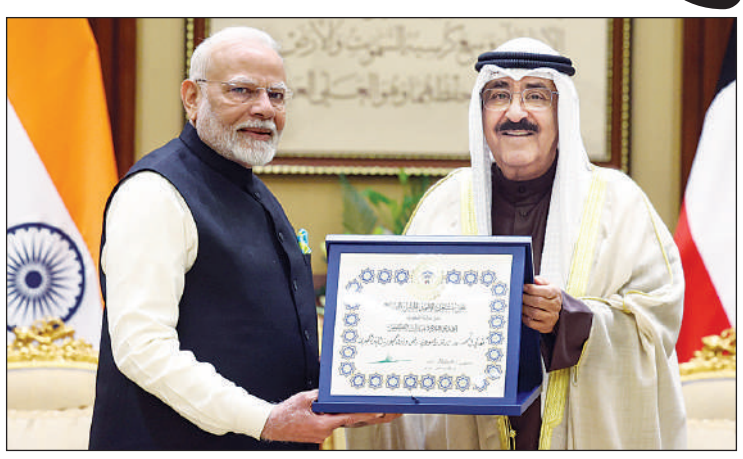

20 देश प्रधानमंत्री मोदी को दे चुके हैं सर्वोच्च सम्मान

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुनिया को दिया स्पष्ट संदेश

हमारे मामलों में बोलने का किसी को हक नहीं

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत कभी भी दूसरों को अपने फैसलों पर वीटो लगाने की अनुमति नहीं देगा और वह किसी डर की परवाह किए बिना राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई के लिए जो भी सही होगा वह करेगा। जयशंकर ने दुनिया को संदेश देते हुए कहा, हमारे मामलों में बोलने का किसी को हक नहीं। भारत कभी भी दूसरों को अपने निर्णयों पर हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं देगा और राष्ट्र हित के साथ वैश्विक भलाई के लिए उचित होगा वही करेगा। हमारी आजादी को तटस्थता के भ्रम में न डालें। हम वही करेंगे जो राष्ट्रहित में होगा। जयशंकर ने कहा कि जब भारत वैश्विक चेतना में अधिक गहराई से अंकित हो जाता है, तो इसके परिणाम वास्तव में बहुत जबर्दस्त होते हैं।

विदेश मंत्री ने अपना यह बयान मुंबई के समारोह में दिया जहां उन्हें 27वें एसआईईएस श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विदेश मंत्री वर्चुअल माध्यम से शरीक हुए। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा राष्ट्र हित और वैश्विक भलाई के लिए बिन डरे वही करेगा जो सही होगा, भारत कभी भी दूसरों को अपने विकल्पों पर वीटो लगाने की अनुमति नहीं दे सकता। विदेश मंत्री ने कहा कि अस्वस्थ आदतों, तनावपूर्ण जीवनशैली या बार-बार होने वाली जलवायु घटनाओं से जूझ रही दुनिया में भारत की विरासत से बहुत कुछ सीखा जा सकता है, लेकिन दुनिया को तभी पता चलेगा जब देशवासी इस पर गर्व करेंगे। जयशंकर ने कहा कि वैश्वीकरण के युग में प्रौद्योगिकी और परंपरा को एक साथ चलना होगा। उन्होंने कहा, भारत अवश्य ही प्रगति करेगा,

▶10पर

हम वही करेंगे जो राष्ट्रहित और वैश्विक हित में होगा

हैदराबाद में फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन के आवास पर तोड़फोड़

स्थानीय लोगों का आरोप: ओवैसी भाइयों के उकसावे पर हुआ हमला

हैदराबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के हैदराबाद स्थित आवास पर उस्मानिया यूनिवर्सिटी के लोगों ने हमला कर दिया और घर में तोड़फोड़ की। पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी के उकसावे पर यह हमला किया गया। अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग के दौरान संध्या थिएटर के बाहर भगदड़ मचने से पिछले दिनों एक महिला की मौत हो गई थी और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हुआ था। इस मामले में अभिनेता को जेल भी जाना पड़ा था। इस हादसे में फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन की कोई गलती नहीं थी, इसके बावजूद उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी। लेकिन अभी भी उनकी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि इस मामले में अब सियासत हो रही है। इस सियासत में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी कूद पड़े हैं। सीएम के सियासत में कूदने से तेलंगाना पुलिस भी अल्लू अर्जुन के खिलाफ बयानबाजी करने लगी है।

▶10पर

मुस्लिम लड़की से प्रेम करने वाले युवक की मां पर कातिलाना हमला

महिला के कपड़े फाड़ डाले और सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

मेदिनीपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में मुस्लिम लड़की से प्रेम करने वाले युवक की मां पर कट्टरपंथियों ने कातिलाना हमला कर दिया। महिला के कपड़े फाड़ डाले, उसके बाल नोंच डाले और सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। कट्टरपंथियों ने यह निर्लज्ज हरकत उस महिला के साथ की जो मुसलमानों की सरपरस्त ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) की सक्रिय सदस्य है। कट्टरपंथियों ने महिला को बुरी तरह पीटने के बाद अर्धनग्न हालत में उसे सड़क पर घुमाया। मुस्लिम तुष्टिकरण की बीमारी से ग्रस्त तृणमूल कांग्रेस अपनी पार्टी कार्यकर्ता के बचाव में भी आगे नहीं आई। न्याय के पीड़ित महिला दर दर भटक रही है।

यह मामला मेदनीपुर के नंदकुमार थानाक्षेत्र में आने वाले गांव श्यामसुंदरपुर का है। मुस्लिमों के बर्बर हमले का शिकार हुई 42 वर्षीया महिला ने बताया कि उनके 23 वर्षीय बेटे का लम्बे समय से 19 साल की मुस्लिम लड़की के साथ प्रेम संबंध है। नवंबर महीने में ही दोनों घर छोड़ कर कहीं चले गए। दोनों ने शादी कर ली।

▶10पर

देश में पेगासस पर फिर छिड़ सकती है बहस

जासूसी के शिकार 1400 लोगों में 300 भारतीय

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय राजनीति में पेगासस जासूसी सॉफ्टवेयर एक बड़ा मुद्दा रहा और अमेरिकी कोर्ट के इज़राइली एनएसओ ग्रुप को लेकर आए फैसले के चलते, भारत में एक बार फिर पेगासस विवाद पर बहस छिड़ सकती है। अमेरिकी अदालत ने एनएसओ ग्रुप को पेगासस के लिए जिम्मेदार ठहराया और कहा है कि कंपनी इस पूरे विवाद के लिए जवाबदेह है। अमेरिकी कोर्ट का यह फैसला व्हाट्सऐप द्वारा एनएसओ ग्रुप के खिलाफ दाखिल केस में आया है। इस केस को सुनने वाले जज फिलिस हैमिल्टन ने कहा है कि इज़राइली स्पाईवेयर निर्माता 1400 वॉट्सऐप यूजर्स को टारगेट करने के लिए आरोपी है। जज ने कहा कि यह अमेरिकी कानून का उल्लंघन करने के लिए एनएसओ ग्रुप भी उत्तरदायी है।

पेगासस के इस्तेमाल के शिकार लोगों में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, पत्रकार, मानवाधिकार कार्यकर्ता, राजनीतिक असंतुष्ट और राजनयिक शामिल हैं। भारत में पेगासस कथित तौर पर पत्रकारों, राजनेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और कुछ सामाजिक सदस्यों के डिजिटल गैजेट्स में लगाया गया था। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने 2021 में एनएसओ समूह को ब्लैक लिस्ट सूची में डाल दिया था और अमेरिकी सरकारी एजेंसियों को इसके प्रोडक्ट्स खरीदने से रोक दिया था। आरोप है कि पेगासस को इस्तेमाल दुनियाभर के

▶10पर

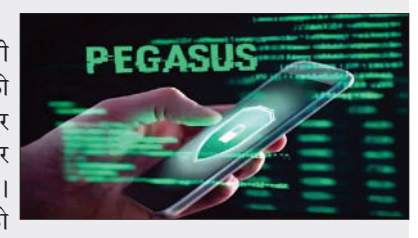

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,620/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 89,200/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 21^0

स्टरलाइट कॉपर प्लांट फिर से शुरू करने की मांग तेज हुई

विदेशी धन पर बौराए एनजीओ एक्टिविस्टों ने बंद कराया था कारखाना

तूतीकोरिन (तमिलनाडु), 22 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तूतीकोरिन में वेदांता के स्टरलाइट कॉपर प्लांट को फिर से खोलने की मांग हो रही है। विदेशी धन पर बौराए एनजीओ एक्टिविस्टों ने आंदोलन करके कॉपर प्लांट बंद करा दिया था। प्लांट बंद होने से भारत को काफी नुकसान झेलना पड़ा। जबकि इस बंदी से चीन और पाकिस्तान खूब फायदे में रहे। यह प्लांट 2018 में तमिलनाडु सरकार के आदेश पर बंद कर दिया गया था। ऐसा ही आदेश कोर्ट ने भी दिया था। लोगों की मांग है कि कॉपर प्लांट और अन्य बंद उद्योगों को दोबारा शुरू किया जाए ताकि क्षेत्र में बेरोजगारी कम हो सके। स्टरलाइट कॉपर प्लांट के बंद होने से 1,500 प्रत्यक्ष और 40,000 अप्रत्यक्ष नौकरियां चली गईं। इससे न केवल स्थानीय लोगों पर असर पड़ा, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी बड़ा प्रभाव हुआ। प्लांट बंद होने के बाद, भारत, जो पहले तांबे का निर्यातक था, अब आयातक बन गया। 2017-18 में भारत शीर्ष पाँच तांबा कैथोड निर्यातकों में शामिल था। लेकिन प्लांट के बंद होने के बाद 2018-19 से भारत तांबे का शुद्ध आयातक बन गया। स्टरलाइट कॉपर देश की 38% तांबे की जरूरत पूरी करता था और हर साल लगभग 4 लाख टन तांबे का उत्पादन करता था। प्लांट के बंद होने का सबसे बड़ा फायदा चीन को हुआ, जो तांबे का मुख्य उत्पादक और निर्यातक है। यह भारत के आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि तांबा ऑटोमोबाइल,इलेक्ट्रिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों के लिए आवश्यक धातु है। भविष्य में यह स्थिति और गंभीर हो सकती है। तांबे की मांग तेजी से बढ़ रही है। साल 2030 तक, भारत को हर साल 2.5-3.5 मिलियन मीट्रिक टन तांबे की जरूरत होगी। यह मांग मुख्य रूप से अक्षय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, शहरीकरण और पावर ग्रिड विस्तार जैसे क्षेत्रों से आएगी।

भारत सरकार के सोलर एनर्जी अभियान के तहत, 2030 तक सोलर और विंड एनर्जी के लिए 1.5 मिलियन टन तांबे की जरूरत होगी। बिजली उत्पादन और वितरण उपकरण, जैसे अल्टरनेटर और ट्रांसफॉर्मर में तांबे का उपयोग होता है। इसके अलावा, सोलर पैनलों में भी तांबा अहम भूमिका निभाता है। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बढ़ती मांग के चलते तांबे की आवश्यकता और बढ़ेगी। एक इलेक्ट्रिक कार में औसतन 83 किलोग्राम तांबा और एक इलेक्ट्रिक बस में 224 किलोग्राम तांबा लगता है।

▶10पर

प्लांट बंद होने से हुआ भारत का नुकसान, चीन-पाकिस्तान रहे फायदे में

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अनुचित इच्छाएं ही हमारे दु:ख का बनती हैं कारण: साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित साध्वी आगमश्री ने रविवारीय विशेष सामायिक साधना प्रवचन में कहा कि संसार के हर व्यक्ति के जीवन में इच्छाओं का निर्माण निरंतर होते रहता है। इच्छाएं आकाश की तरह असीम और अनंत है। हमारी अपूर्ण और अनुचित इच्छाएं ही हमारे दु:ख का मुख्य कारण बनती हैं। कामनाओं के वशीभूत मानव सारा जीवन दु:खी रहता है। जब तक हम अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण नहीं रखेंगे हमारा यह जीवन सार्थक नहीं होगा। इच्छाओं पर ब्रेक नहीं लगा तो भव भव हमारा यह जीवन संसार में भ्रमण करता रहेगा और दुखों को प्राप्त करता रहेगा। उन्होंने कहा कि मनुष्य ज्यों-ज्यों पाता है त्यों-त्यों परेशान होता है। जितना लाभ बढ़ता है उतना ही लोभ भी बढ़ता है। यह क्रम जीवन भर चलता है। एक चाह पूरी करने के बाद नई चाह आ जाती है और यह चाह ही हमारे लिए कांटों की राह बनती है। इस क्षणभंगुर संसार में सांसारिक सुख की प्राप्ति के लिए मनुष्य सदा प्रयत्नशील रहता है। इसके लिए वह सदैव कामना करता रहता है। वह नहीं जानता कि सुख स्वरूप तो वह स्वयं ही है। ये सांसारिक सुख तो क्षणभंगुर ही हैं। इच्छानुसार सब कुछ नहीं होता जैसा नियम होता है वैसा ही होता है। इच्छाओं को हराना है और मनोरथों को जिताना है तभी यह जीवन सफल होगा। जीवन का उद्धार चाहते हो तो इच्छाओं को त्यागना होगा। साध्वी धैर्याश्री ने स्तवन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर भंवरलाल चोरडिया, किशोरकुमार दलाल, ज्ञानचंद लोढ़ा, प्यारेलाल टपरावत, जेवंतराज मुणोत, महेंद्रकुमार धोका, शांतिलाल चाणोदिया, मदनलाल गांधी, महावीरचंद डोसी, जसवंतराज छाजेड़, विपुल डींग, वंदन कटारिया, जयंतीलाल ओस्तवाल, प्रकाश कुंकुलोल, जसवंत दलाल व अन्य उपस्थित रहे। प्रवचन प्रतिदिन प्रातः 9.15 से 10.15 तक रहेगा। संघ उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

करियर उत्सव के 11वें संस्करण की शुरुआत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

करियर उत्सव का 11वां संस्करण शनिवार को प्रिंसेस श्राइन, पैलेस ग्राउंड में शुरु हुआ, जिसमें बेस्टसेलिंग लेखक और प्रेरक वक्ता चेतन भगत ने डू व्हाट यू लव विषय पर एक प्रभावशाली मुख्य भाषण दिया। चेतन भगत ने अपने सत्र के दौरान कहा जीवन की सफलता और शैक्षणिक उत्कृष्टता दोनों शारीरिक फिटनेस, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, प्रभावी संचार और सार्थक संबंधों के निर्माण को समान महत्व देने से आती हैं।

सफलता की कुंजी चुनौतीपूर्ण कार्यों को करने और कठिनाइयों के बावजूद डटे रहने में निहित है।

जिस तरह एक कॉकरोच सभी बाधाओं के बावजूद जीवित रहता है, उसी तरह युवाओं को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुकूलन क्षमता, लचीलापन और दृढ़ संकल्प विकसित करने की आवश्यकता है। करियर उत्सव 2024 के विस्तारित दायरे पर प्रकाश डालते हुए, करियर उत्सव के सीईओ और संस्थापक श्रीपाल जैन ने कहा इस वर्ष, हमने करियर सेमिनार, एक-पर-एक परामर्श सत्र, मॉक टेस्ट और एक विशेष डिजाइन की

विशेषता वाला एक व्यापक कार्यक्रम तैयार किया है। शीर्ष विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति इस संस्करण को विशेष बनाती है, जो छात्रों को भारत और विदेशों में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों और प्रवेश प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी तक सीधी पहुंच प्रदान करती है। इस आयोजन में उद्योग विशेषज्ञों द्वारा कई करियर स्ट्रीम-विशिष्ट सेमिनार, साइकोमेट्रिक परीक्षण सुविधाएं और समर्पित परामर्श क्षेत्र शामिल हैं, जहां छात्र व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रों के पास छात्रवृत्ति के अवसरों तक पहुंच है और वे विभिन्न प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए अपनी तैयारियों का आकलन करने के लिए मॉक टेस्ट में भाग ले सकते हैं। देश भर के 70 से अधिक विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों, 4,000 से अधिक छात्रों और हा-उसफुल सत्रों के साथ, करियर उत्सव का 11वां संस्करण अपने पिछले आंकड़ों को पार करते हुए धमाकेदार शुरुआत कर चुका है। टाइटल पार्टनर के रूप में क्यूएस आई-गेज, प्रजेंटिंग पार्टनर के रूप में आरवी यूनिवर्सिटी और अन्य प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के साथ, करियर उत्सव का यह संस्करण यह परिभाषित करने के लिए तैयार है कि छात्र एक उज्ज्वल और सफल भविष्य के लिए सही और उचित करियर निर्णय कैसे लेते हैं।

श्री मरुधरा जैन संघ के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गोडवाड़ भवन में रविवार को श्री मरुधन जैन संघ के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

संघ के नव नियुक्त अध्यक्ष डॉ. जवरीलाल लूनावत नें 27 मनोनीत सदस्यों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। महिला मंडल अध्यक्ष तारा मोदी व सचिव सुनिता बडेरा ने मंगल-ाचरण से कार्यक्रम की शुरुआत की। शपथ के बाद लूनी के विधायक व राजस्थान के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल व पूर्व विधायक महेंद्र विश्नोई का शुभकामना संदेश पत्र पढ़कर सभी को सुनाया गया।

संघ के उपाध्यक्ष कांतिलाल गुलेच्छा, सचिव प्रवीण भंडारी, कोषाध्यक्ष महावीर संचेती व सहसचिव अमृतलाल सालेचा व नवयुवक मंडल के अध्यक्ष किरण सालेचा व सचिव विक्रम विनायकिया सहित महिला मंडल की अध्यक्ष तारा मोदी व सचिव सुनिता वडेरा व संघ के पूर्व अध्यक्ष डूंगरमल पारख, राजेश गुलेच्छा, केवलचंद सालेचा, रमेश सालेचा, उत्तम बागमार, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल, पदम भूरट, जीतेन्द्र सालेचा, भंवरलाल भंडारी सहित अनेक सदस्यों ने सुझाव दिया कि 2025 के स्नेह मिलन को मरुधरा अमृत महोत्सव के नाम से मनाया जाए व जनहित व लोक कल्याणकारी कार्य किए जाएं। डॉ. लूनावत ने सभी से अनुरोध किया कि हम सभी को संघ की मर्यादा एवं गरिमा को बनाये रखना है व आडंबर रहित कार्य करके सभी को संगठित होकर संघ हित में ऐतिहासिक कार्य करने हैं। प्रत्येक मनोनीत पदाधिकारी व सदस्य अपने कर्तव्यों का सही से पालन करेंगे तो ही हम हर कार्य को करने में सफल हो सकते है।

वार्षिक उत्सव व चरण पादुका महोत्सव की तैयारियां जोरशोर से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दादी सेना के तत्वावधान में आगामी 4 और 5 जनवरी को श्री दादी धाम प्रचार समिति द्वारा जेपी नगर स्थित दो दिवसीय वार्षिक उत्सव व चरण पादुका महोत्सव के आयोजन के लिए रविवार को जेपी नगर स्थित दादी धाम प्रचार समिति की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने आयोजन के बारे में जानकारी दी। सभी के विचार से महोत्सव भव्य सफल हो उस पर चर्चा की। इस महोत्सव में भव्य दरबार सजाया जाएगा। 4 जनवरी को सुबह ठीक 9 बजे पूजन होगा। उसके बाद प्रियंका गुप्ता हैदराबाद, रिया शर्मा भागलपुर द्वारा संगतिमय मंगलपाठ का वाचन किया जाएगा। मंगलपाठ में नृत्य नाटिका की भी प्रस्तुति दी जाएगी। 5 जनवरी को सुबह चरण पादुका का अभिषेक किया जाएगा एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। दोपहर 2 बजे से मेहमान भजन गायक प्रवेश शर्मा बीकानेर व अभिषेक शर्मा कोलकाता भजनों की प्रस्तुति से रिझाएंगे। इस अवसर पर संजय नोपानी, शंकर सुल्तानिया, संजय चौधरी, प्रकाश चौधरी, संजय कयाल, रामसुंदर बगड़िया, माया अग्रवाल, जया चौधरी, गणेश अग्रवाल, गजेंद्र अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने महोत्सव को सफल बनाने पर जोर दिया।

जन जागृति अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के तत्वावधान में जन जागृति अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता की भूमिका विजयनगर पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर सचिन ने निभाई। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए मंडल की अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया तथा वक्ता का परिचय दिया।

सचिन ने अपने विचारों की प्रस्तुति देते हुए कहा आजकल सड़क दुर्घटना की घटनाएं आम होती जा रही हैं। ऐसे में ट्रैफिक के नियमों का पालन करना अति आवश्यक है। हमें हमेशा हैलमेट और गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट का इस्तेमाल अनिवार्य रूप से करना चाहिए। उन्होंने बताया कि चोरी आदि वारदातों से बचने के लिए हमें सतर्क रहना चाहिए। यदि आप अपने घर में कोई हेल्पर या नौकर इत्यादि रखते हैं तो उसकी पूरी जांच पड़ताल करें। कोई भी घटना घटते ही उसकी सूचना पुलिस को अवश्य दें। अनजान व्यक्ति को अपने घर में प्रवेश देने तथा उनसे किसी भी प्रकार की सहायता लेने से बचें। पुलिस अधिकारी प्रेमा ने वर्तमान समय में होने वाले स्कैम घोटालों, डेटा हैकिंग आदि के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए उनसे बचने के उपाय बताएं।

कार्यक्रम में ट्रैफिक हवलदार अनिल, मंडल की परामर्शिका मधु सेठिया, ललिता डागा, मंत्री दीपिका गोखरू, उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया एवं सुमित्रा बरडिया तथा सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। सभी ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला आगे भी होती रहनी चाहिए। इससे जागरूकता बढ़ती है और आए दिन होने वाले अपराधों से बचने में सहायता मिलती है।

29 दिसम्बर को बाबा गंगाराम का सजेगा भव्य दरबार

कलरफुल कैलेंडर का हुआ विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बाबा गंगाराम सेवा समिति के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 29 दिसम्बर को पैलेस ग्राउंड के प्रिन्सेस ग्रीन के सभागार में विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम मनोकामना पूर्ति महोत्सव के आयोजन पर भव्य दरबार सजेगा।

इससे पहले रविवार को जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में दोपहर 3 बजे बाबा गंगाराम के कलरफुल कैलेंडर का विमोचन अग्रवाल समाज कर्नाटक के अध्यक्ष सुभाष बंसल और सचिव सतीश गोयल ने किया। समिति के अध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता ने बताया कि इस मनोकामना पूर्ति महोत्सव में दोपहर 2.15 बजे से कार्यक्रम स्थल पर 101 जोड़ों द्वारा लाल फूल, बेल पत्र, तुलसी पत्र, काजू व मिश्री से झुंझनु वाले विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम, भक्त शिरोमणि देवकीनंदन और परम आराधिका माता गायत्री का मनोकामना पूर्ति अभिषेक किया जाएगा। सायं 4 बजे से विशाल भजन संध्या होगी। जिसमें केशव मधुकर भजनों की प्रस्तुति के साथ अपने कोलकाता के साथी कलाकारों द्वारा बाबा गंगाराम के जीवन चरित्र पर आधारित लीलाओं का नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगे। राकेश बावलिया मुम्बई भी अपने भजनों की प्रस्तुति से रिझाएंगे। इस महोत्सव की तैयारियां शानदार तरीके से की जा रही है। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर सतीश मित्तल, मदन अग्रवाल, प्रमोद गुप्ता, शंकर लाल मोदी, रोहित केडिया, प्रभात किशनपुरिया, दर्शन अग्रवाल, विक्रम अग्रवाल, ललित गुप्ता, संजय अग्रवाल, राजेश सांवरिया, तरुण अग्रवाल, कृष्णा गोयल, अमित मोदी, घनश्याम खेतान, विनय खेतान, अमित मोदी, कमल अग्रवाल, नरेंद्र गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

हर घर गुरुदेव इक्तीसा पाठ का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल की ओर से दादा गुरुदेव इक्तीसा पाठ तिलोकचंद, नितेश कुमार, मनन कुमार, मुन्नी बोहरा के निवास स्थान पर सम्पन्न हुआ। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने पधारे हुए समस्त गुरु भक्तों का स्वागत किया। मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से गुरुदेव इक्तीसा का पाठ प्रत्येक माह के एक रविवार को संघ के एक सदस्य के निवास पर आयोजित किया जाता है। जिसमें संघ के सदस्य गुरुभक्ति के लिए उपस्थित होते हैं। जैन जगत के चार दादा गुरुदेव में प्रथम श्री जिनदत्त सूरी जी, द्वितीय श्री मणिधारी जिनचंद्र सूरी जी, तृतीय श्री जिनकुशल सूरी जी और चतुर्थ श्री जिन चंद्र सूरी जी के नाम से विश्वविख्यात हैं। मान्यता है कि करीब 700 साल पहले श्री जिनकुशल सूरी जी महाराज पाकिस्तान के देराउर में धर्मयात्रा पर गए थे, वहां उनका स्वास्थ्य खराब हो गया और उन्होंने विक्रम संवत् 1389 में फाल्गुन कृष्णा अमावस्या को शरीर त्याग दिया। उनके भक्त उदयराज ने गुरुदेव के स्वर्गवास के बाद अन्न-जल ग्रहण करने से इनकार कर दिया था। गुरुदेव ने स्वर्गारोहण के 15 दिन बाद अपने भक्त उदयराज को दर्शन दिए थे। जिस शिला पर गुरुदेव ने दर्शन दिए थे, उसे आज एक तीर्थ माना जाता है जो मालपुरा में स्थित है। हर साल लाखों लोग चारों दादा गुरुदेव के दर्शन करने अजमेर, महरौली, मालपुरा और बिलाड़ा आते हैं और गुरुदेव के दर्शन करके अपने आपको धन्य मानते हैं। इक्तीसा और भक्ति कार्यक्रम में सनी रांका, नितेश बोहरा, पारस पारख, महावीर पारख, मनन बोहरा ने सुरीले संगीत और गीतों के माध्यम से सभी को झुमाया।

निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ओखलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में अहमदाबाद के सुप्रसिद्ध शेल्बी हॉस्पिटल से पधारे डॉ. वीरल गोरालिया एवं उनकी टीम के संयुक्त तत्वावधान में माहेश्वरी सभा बेंगलूरु द्वारा निशुल्क ऑर्थोपेडिक कैंप का आयोजन किया गया, जिसका लाभ 125 मरीजों ने लिया।

कैंप में मरीजों की जांच के साथ फिजियोथैरेपी एवं आगे ट्रीटमेंट जैसे सर्जरी, एमआरआई, एक्स-रे या दवाइयों समेत अन्य जानकारियां दी गई, जिससे मरीज काफी संतुष्ट हुए। उपाध्यक्ष भगवान दास लाहोटी ने बताया कि कैंप 100 प्रतिशत सफल एवं लाभदायक रहा। रजिस्ट्रेशन से लेकर कैंप के सुचारू रूप से संपन्न होने में

उपाध्यक्ष भगवानदास लाहोटी की अध्यक्षता में सह कोषाध्यक्ष विनीतकुमार बियानी, कार्यकारिणी सदस्य संजय साबू, भगवान जाजू, अशोक भूतड़ा, राजेश झावर, मनमोहन बाहेती, हरीश तापड़िया, गोविंद बियानी, रमेश चांडक, संदीप गांधी एवं रविकांत राठी ने कुशल कर्मठ कार्यकता का परिचय देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में भरपूर सहयोग दिया। कैंप के अंत में उपाध्यक्ष भगवानदास लाहोटी एवं सह कोषाध्यक्ष विनीतकुमार बियानी ने शेल्बी हॉस्पिटल के डॉक्टर विरल गोरालिया एवं उनकी पूरी टीम का धन्यवाद व्यक्त किया।

माहेश्वरी सभा के कैलेंडर का विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

माहेश्वरी भवन में रविवार सुबह 11 बजे माहेश्वरी सभा द्वारा 14वें संस्करण - वर्ष 2025 के कैलेंडर का विमोचन किया गया। कैलेंडर 2025 का विमोचन माहेश्वरी सभा उपाध्यक्ष भगवानदास लाहोटी, माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्षा श्वेता बिहानी, अहमदाबाद के सुप्रसिद्ध शेल्बी हॉस्पिटल के डॉ विरल गौरलिया, कैलेंडर के विज्ञापन दाता श्रीकांत तापड़िया, विनय लड्ढा, विनीतकुमार बियानी एवं संजय साबु की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भगवान महेश की

वंदना से किया गया।

उपाध्यक्ष भगवानदास लाहोटी ने बताया कि माहेश्वरी सभा निरंतर पिछले 13 सालों से कैलेंडर का प्रकाशन एवं वितरण करती आई है। कर्नाटक प्रदेश के समस्त गांवों तक जहां-जहां माहेश्वरी समाज के परिवार निवास करते हैं वहां तक कैलेंडर पहुंचाया जाता है, जिस गांव में एक परिवार है ऐसे गांवों तक भी कैलेंडर पहुंचाया जाता है। इस वर्ष 3500 प्रतियों को वितरित किया जाएगा।

सभी विज्ञापन दाताओं को माहेश्वरी सभा की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यसमिति सदस्य रविकांत राठी ने किया।

कलबुर्गी में जयदेव अस्पताल के 371 बिस्तरों का उद्घाटन

केंद्र सरकार राज्य को नहीं दे रही उचित टैक्स हिस्सेदारी: सीएम सिद्धरामैया

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को एक बार फिर कहा कि केंद्र सरकार राज्य को उचित हिस्सा नहीं दे रही है। वसूले गए टैक्स का आधा हिस्सा वापस किया जाना चाहिए। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि जीएसटी कलेक्शन में कर्नाटक पहले स्थान पर है। कुल कर संग्रह में महाराष्ट्र पहले स्थान पर है, जबकि कर्नाटक दूसरे स्थान पर है।

केंद्र को 4.50 लाख करोड़ रुपये मिल रहे हैं। लेकिन हमें मात्र तेरह पैसे से एक रुपया ही वापस दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर आधा टैक्स लौटाना है तो 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम देनी होगी। केंद्र सरकार शुरू से ही इस तरह का अन्याय करती आ रही है। हाल के वर्षों में पर्याप्त न्याय नहीं मिला है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि भाजपा हमारे साथ हो रहे अन्याय पर बात नहीं कर रही है।

उन्होंने कहा कि आज हमने कल्याण कर्नाटक क्षेत्रीय विकास बोर्ड के फंड से कलबुर्गी में जयदेव अस्पताल के 371 बिस्तरों का उद्घाटन किया। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कई अन्य लोगों ने इसमें भाग लिया है। काफी दिनों से कर्नाटक में अलग कल्याण मंत्रालय बनाने की मांग की जा रही है। हमने उत्तर कर्नाटक मुक्ति दिवस पर ही इस बारे में बयान दिया था। उन्होंने कहा कि इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि तोग-री फसल के लिए अलग से पैकेज दिये जाने की मांग को लेकर रिपोर्ट मिल गई है और इस संबंध में उचित निर्णय लिया जायेगा।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि बेलगावी में होने वाले कांग्रेस महाधिवेशन को भव्य तरीके से मनाया जाएगा। जिसमें देश के प्रमुख नेता भाग लेंगे। उस दिन विस्तारित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक भी होगी।

अगर मैंने गलत किया है तो मुझे कानून के मुताबिक दी जाए सजा: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद सदस्य सीटी रवि, जिन्हें महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद जमानत पर रिहा किया गया था, ने राघवेंद्रस्वामी के दर्शन किए। अपनी पत्नी पल्लवी और कार्यकर्ताओं के साथ मंत्रालय पहुंचकर उन्होंने काफी देर तक राघवेंद्र स्वामी को प्रणाम किया और अपनी श्रद्धा व्यक्त की। सदन में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और रिहा होने के बाद वह शनिवार को चिकमंगलूरु लौट आए। घर लौटने के तुरंत बाद, उन्होंने अपनी पत्नी के साथ मंदिर का दौरा किया। पूजा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कई लोगों ने मेरी रिहाई के लिए भगवान से प्रार्थना की। इसलिए राघवेंद्र स्वामी मठ में आए और जोड़े के साथ विशेष पूजा की। उन्होंने कहा अगर मैंने गलत किया है तो मुझे कानून के मुताबिक सजा दी जाए। विधान परिषद के सभापति होराट्टी पहले ही कह चुके हैं कि मेरे द्वारा अश्लील शब्दों का इस्तेमाल करने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। कुछ लोग कह रहे हैं कि मैंने कुछ गलत किया है। सच एक दिन सामने आएगा और कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

हमारे पास इसके हैं सबूत

रवि ने कर्नाटक विधान परिषद में अपशब्दों का किया इस्तेमाल: सीएम सिद्धारमैया

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को कहा कि ऑडियो और वीडियो सबूत मौजूद हैं, जो साबित करते हैं कि भाजपा एमएलसी सी टी रवि ने 19 दिसंबर को विधान परिषद में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया। सीएम ने कहा कि कई एमएलसी ने इस घटना को देखा। सिद्धरामैया ने आश्चर्य जताते हुए कहा हम मामले की जांच करवा रहे हैं, क्योंकि यह एक आपराधिक अपराध है। फिर वह (रवि) न्यायिक जांच की मांग क्यों कर रहे हैं?

उन्होंने कहा अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के ऑडियो और वीडियो सबूत हैं। कई एमएलसी ने उन्हें सुना। यह आपराधिक अपराध है, है न? सिद्धरामैया ने वरिष्ठ भाजपा नेता के कृत्य को अत्यधिक निंदनीय बताया। भाजपा विधान परिषद सदस्य सीटी रवि ने मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ जिस शब्द का इस्तेमाल किया है, वह बेहद अभद्र है। यहां तक कि यह एक अपराध है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे सीटी रवि के मुंह से ऐसे शब्दों का प्रयोग उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सच है कि सीटी रवि ने विधानमंडल के सत्र में यह बात कही थी। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या पार्टी किसी महिला के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी का समर्थन करती है। गुरुवार को विधान परिषद में हेब्बालकर के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल रवि ने किया था। सदन की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित होने के बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी। क्या वे (भाजपा) किसी महिला के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी का समर्थन करेंगे? वे जो कह रहे हैं, वह झूठ है। सिद्धरामैया ने भाजपा द्वारा विरोध प्रदर्शन करने और रवि द्वारा आरोपों से इनकार करने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा क्या कोई अपनी गलती स्वीकार करेगा और यह स्वीकार करेगा कि उन्होंने लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया है? फिर उन्हें (रवि को) क्यों गिरफ्तार किया गया? उन्होंने कहा आमतौर पर महिलाएं अपने खिलाफ की गई टिप्पणियों के बारे में झूठी शिकायत नहीं करती हैं। मुझे नहीं पता कि सीटी रवि ने ऐसा शब्द क्यों इस्तेमाल किया। यह एक अपराध है। यह देखते हुए कि रवि ने कहा था कि उन्होंने कोई अपमानजनक शब्द नहीं इस्तेमाल किया था और उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया शब्द निराशाजनक था, सिद्धरामैया ने कहा यह बाद में सोचा गया लगता है। मुझे नहीं पता, लेकिन हेब्बालकर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उनके खिलाफ अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया गया था और अन्य लोगों ने भी इसे सुना है।

संपत्ति विवाद में ट्रैक्टर से भाई को कुचला, मौत

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के सुदूर गांव में एक व्यक्ति को अपने छोटे भाई को ट्रैक्टर से कुचलकर मार डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि कथित तौर पर संपत्ति विवाद के चलते ऐसा किया गया। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार को मुरगोड पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत यारागट्टी तालुक में हुई। मारुति बाविहाल (30) ने गोपाल (27) पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई। घटना के पीछे संपत्ति विवाद को कारण माना जा रहा है।

सीटी रवि मामले से जागी भाजपा

राज्य सरकार के खिलाफ एकजुट होकर बना रही लड़ाई की योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद सदस्य सीटी रवि के मामले से जागी भाजपा आने वाले दिनों में राज्य सरकार के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़ेगी। पिछले गुरुवार को बेलगावी के सुवर्णसौधा में हुई घटना के बाद राज्य सरकार की कार्रवाई को लेकर सार्वजनिक क्षेत्र में व्यापक आक्रोश है। केंद्रीय नेताओं ने इसका उपयोग पार्टी संगठन के लिए करने का निर्देश दिया है। मामले को सरकार के गलत तरीके से संभालने की सार्वजनिक क्षेत्र से भी आलोचना हुई है। केंद्रीय नेताओं ने राज्य के नेताओं को इस बात पर जोर देने को कहा कि आने वाले दिनों में पार्टी संगठनों को पार्टी के भीतर सभी मतभेदों और असहमतियों को एक तरफ रख रवि के मामले पर ध्यान केंद्रीत करना चाहिए। इसकी जानकारी होने पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र ने रवि की गिरफ्तारी के बाद पार्टी के भीतर उपजे असंतोष को किनारे कर दिया है और वरिष्ठों और कनिष्ठों को विश्वास में लेने का काम शुरू कर दिया है। रवि के साथ हुए बर्ताव की शिकायत सरकार से करने के बावजूद मंत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं की गई और भाजपा यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि यह घटना एक प्रभावशाली मंत्री के इशारे पर हुई है। भाजपा का आरोप है कि सुवर्ण सौधा में हुई घटना के बाद गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर को कोई जानकारी नहीं थी। कहा जाता है कि जब यह घटना हुई और सदन स्थगित कर दिया गया, तो प्रभावशाली मंत्री अध्यक्ष के कार्यालय में गए और उन पर रवि को सदस्यता से अयोग्य घोषित करने का दबाव डाला। साथ ही, यह भी पता चला है कि जब लक्ष्मी हेब्बालकर के समर्थकों ने सदन में प्रवेश किया और हंगामा किया, तब भी कानून और व्यवस्था विभाग के एडीजीपी हितेंद्र, बेलगावी शहर के पुलिस आयुक्त यादा मार्टिन, जिला पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने परमेश्वर को सूचित करने के बजाय घटना के बारे में प्रभावशाली मंत्री को बताया। प्रभावशाली मंत्री ने कांग्रेस और पार्टी की अत्यधिक आलोचना करने वाले रवि के मामले को तार्किक स्तर पर ले जाने का फैसला किया और गृह मंत्री को बिना कोई जानकारी दिए गिरफ्तारी का आदेश दे दिया। आगे जो कुछ हुआ वह इतिहास है। खुद गृह मंत्री का मीडिया के सामने यह बयान देना कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, भाजपा के लिए एक हथियार है। इसी को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने प्रदेश भर में कांग्रेस के खिलाफ सड़कों पर उतरने का फैसला किया है। हाईकमान ने भी स्पष्ट निर्देश दिया है कि पार्टी के भीतर कोई असंतोष, नेतृत्व परिवर्तन, असंतुष्ट गतिविधियां नहीं होनी चाहिए। प्रदेश प्रभारी मोहन अग्रवाल ने खुद सरकार के खिलाफ लड़ाई का खाका तैयार किया है। जो भी असहमति है उस पर पार्टी के मंच पर ही चर्चा होनी चाहिए। यही कारण है कि बेलगावी सत्र के दौरान मीडिया के सामने चिल्लाने वाले यतनाल, रमेश जारकीहोली और अन्य लोग अब चुप हो गए हैं। इससे पहले कर्नाटक भाजपा नेता सी टी रवि ने शनिवार को दावा किया था कि उनकी जान को खतरा है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कुछ हुआ तो राज्य की कांग्रेस सरकार को जिम्मेदारी लेनी होगी। यहां पत्रकारों से वार्ता में रवि ने कहा मुझे अभी भी जान का खतरा है, इसलिए मैं सरकार से मुझे पर्याप्त सहायता प्रदान करने के लिए कह रहा हूँ। अगर मुझे कुछ हुआ तो सरकार को जिम्मेदारी लेनी होगी। डी के शिवकुमार और लक्ष्मी हेब्बालकर ने कुछ योजना बनाई थी जो मेरे लिए खतरा होगी। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ मानहानि का मामला उन्हें डराने के लिए एक साजिश थी और आरोप लगाया कि उन्हें विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति के बिना गिरफ्तार किया गया था। रवि ने दावा किया कि 15 घंटे तक उन्हें चार जिलों में एक जगह से दूसरी जगह ले जाया गया। मुझे बहुत दुख हो रहा है। मैं पिछले 20 सालों से काम कर रहा हूं। मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगाकर मुझे गिरफ्तार किया गया। विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति के बिना, मेरे खिलाफ मामला दर्ज किया गया और मुझे बिना किसी पूर्व सूचना के गिरफ्तार कर लिया गया। लगभग 15 घंटे तक मुझे चार जिलों में एक जगह से दूसरी जगह ले जाया गया। ऐसा क्यों किया गया। मुझे संदेह है कि कोई छिपा हुआ एजेंडा है। कुछ सुनसान जगहें भी थीं जहाँ मुझे ले जाया गया। अगर वे एक विधायक को सुरक्षा नहीं दे सकते तो वे आम आदमी को कैसे सुरक्षा देंगे?

सीटी रवि की अश्लील टिप्पणी का मामला आचार समिति को भेजा जाएगा: बसवराज होराट्टी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने कहा है कि भाजपा एमएलसी सी.टी. रवि और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर से जुड़े अश्लील टिप्पणी विवाद मामले को आचार समिति को सौंप दिया जाएगा और रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी। मांड्या में पत्रकारों से बात करते हुए होराट्टी ने सी.टी. रवि की अपमानजनक टिप्पणी पर उपलब्ध रिकॉर्डिंग के दावों के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा अभी कुछ भी खत्म नहीं हुआ है। एक आचार समिति है, यह सर्वोच्च समिति है।

यह मामले की जांच करेगी और वे एक रिपोर्ट प्रदान करेंगे और रिपोर्ट के अनुसार, भविष्य की कार्रवाई की जाएगी। होराट्टी ने कहा हमने मंत्री हेब्बालकर और भाजपा एमएलसी सी.टी. रवि द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि की है। जैसे ही हमारा सत्र स्थगित होता है, माइक और चैनल बंद कर दिए जाते हैं। सचिव, उप सचिव, अतिरिक्त सचिव और अवर सचिव की एक टीम ने रिकॉर्डिंग की पुष्टि की। तलाशी के बाद भी हमें कुछ नहीं मिला। अब, यह दावा किया गया है कि कुछ चैनलों ने रिकॉर्डिंग प्रसारित की है, और हम इसकी पुष्टि करेंगे। अभी कुछ भी खत्म नहीं हुआ है। हम इसकी पुष्टि करेंगे और अगर मुझे विश्वास हो जाता है कि आरोप सही हैं, तो मैं जानता हूँ कि इसे अपनी ओर से कैसे आगे बढ़ाया जाए।

जैसे ही सत्र स्थगित होता है, एक सेकेंड के भीतर, हमारे माइक बंद हो जाते हैं। हम अन्य चैनलों के बारे में नहीं जानते। अगर रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराई जाती है, तो आज भी इसकी जांच की जा सकती है। मैंने एक बैठक बुलाई है और नियमों के अनुसार, मामला समिति को भेजा जाएगा। उन्होंने दोहराया इसमें चाहे कोई भी शामिल हो, यह घटना हमारे परिषद में नहीं होनी चाहिए थी। मामले की जांच के लिए समितियां हैं और मामला वहां भेजा जाएगा। होराट्टी ने कहा कि हमारे कानून के अनुसार, गिरफ्तारी की सूचना मुझे दी जानी चाहिए थी और पुलिस ने शुक्रवार को सी.टी. रवि की गिरफ्तारी और उन पर जिन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, उसके बारे में सूचना दे दी है।

ज्ञातव्य है कि गुरुवार को विधान परिषद में गरमागरम बहस के दौरान अराजकता और ड्रामा तब शुरू हुआ, जब सी.टी. रवि ने कथित तौर पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को ड्रग एडिक्ट कहा। टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने रवि की आलोचना की और उन्हें हत्यारा कहा। जवाब में, भाजपा नेता ने कथित तौर पर महिला मंत्री के खिलाफ एक अश्लील शब्द का इस्तेमाल किया। मंत्री लक्ष्मी की शिकायत के बाद पुलिस ने एमएलसी रवि को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में, शुक्रवार को उच्च न्यायालय ने सी.टी. रवि को तत्काल रिहा करने का आदेश देकर अंतरिम राहत प्रदान की।

संलिप्तता न होने की पुष्टि के बावजूद पीएफ अधिकारी कार्यवाही जारी रख रहे: रॉबिन उथप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा, जो कथित कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) धोखाधड़ी के लिए गिरफ्तारी वारंट का सामना कर रहे हैं, ने कहा है कि व्यवसाय के दिन-प्रतिदिन के संचालन में उनकी कोई भूमिका नहीं थी और उनकी संलिप्तता की पुष्टि न करने के बावजूद, पीएफ अधिकारी कार्यवाही जारी रखे हुए हैं।

उन्होंने रविवार को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही, जो केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय के तहत काम करता है, जिसने गिरफ्तारी वारंट जारी करने में सहायता के लिए बेंगलूरु पुलिस को एक पत्र लिखा था। उथप्पा ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा मेरे खिलाफ पीएफ मामले की हालिया खबरों के मद्देनजर, मैं स्ट्रॉबेरी लेन्सेरिया प्राइवेट लिमिटेड, सेंटॉरस लाइफस्टाइल ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड और बेरीज फैशन हाउस के साथ अपनी संलिप्तता के संबंध में कुछ स्पष्टीकरण देना चाहूंगा। 2018-19 में मुझे ऋण के रूप में इन कंपनियों में मेरे वित्तीय योगदान के कारण निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। हालांकि, मेरे पास कोई सक्रिय कार्यकारी भूमिका नहीं थी, न ही मैं व्यवसाय के दिन-प्रतिदिन के संचालन में शामिल था। एक पेशेवर क्रिकेटर, टीवी प्रस्तोता और कमेंटेटर के रूप में मेरे व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए, न तो मेरे पास उनके संचालन में भाग लेने के लिए समय था और न ही विशेषज्ञता।

वास्तव में, मैंने आज तक जिन अन्य कंपनियों को फंड दिया है, उनमें से किसी में भी मैं कार्यकारी भूमिका नहीं निभाता हूं। दुर्भाग्य से, ये कंपनियां मेरे द्वारा उधार दिए गए फंड को चुकाने में विफल रहीं, जिसके कारण मुझे कानूनी कार्यवाही शुरू करनी पड़ी, जो वर्तमान में विचाराधीन है। मैंने कई साल पहले अपने निदेशक पद से भी इस्तीफा दे दिया था। जब प्रोविडेंट फंड अधिकारियों ने बकाया भुगतान की मांग करते हुए नोटिस जारी किए, तो मेरी कानूनी टीम ने जवाब दिया, जिसमें बताया गया कि इन कंपनियों में मेरी कोई भूमिका नहीं थी और कंपनियों से मेरी भागीदारी की कमी की पुष्टि करने वाले दस्तावेज उपलब्ध कराए। इसके बावजूद, प्रोविडेंट फंड अधिकारियों ने कार्यवाही जारी रखी है, और मेरे कानूनी सलाहकार आने वाले दिनों में इस मामले को सुलझाने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। मैं मीडिया से भी आग्रह करना चाहूंगा कि वे कृपया पूरे तथ्य पेश करें और साझा की जा रही जानकारी की प्रामाणिकता की पुष्टि करें। क्षेत्रीय पीएफ आयुक्त और वसूली अधिकारी, आरओ के.आर. पुरम शदक्षरा गोपाल रेड्डी ने बेंगलूरु के पुलिकेशी नगर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर को लिखित अनुरोध किया था, जिसमें रॉबिन उथप्पा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट को निष्पादित करने में उनकी मदद मांगी गई थी। पीएफ आयुक्त रेड्डी ने कहा है कि रॉबिन उथप्पा बेंगलूरु के इंदिरानगर में स्थित मेसर्स सेंटॉरस लाइफस्टाइल ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक हैं।

23.36 लाख रुपये का हर्जाना देने में विफल

कंपनी ईपीएफ और एमपी अधिनियम, 1952 की धारा 7ए, 14बी और 7क्यू के तहत 23.36 लाख रुपये का हर्जाना देने में विफल रही है। पुलिस को संबोधित करते हुए रेड्डी ने आगे अनुरोध किया, इसलिए, आपसे अनुरोध है कि रॉबिन उथप्पा की गिरफ्तारी के लिए संलग्न गिरफ्तारी वारंट को निष्पादित करें। पीएफ आयुक्त ने कहा इस संबंध में, यह सूचित किया जाता है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 एक सामाजिक कल्याण कानून है, जो विशेष रूप से समाज के गरीब वर्ग के लिए स्थापित किया गया है, जो अल्प वेतन पर काम कर रहे हैं और उनके पास सेवानिवृत्ति और अन्य अवसरों पर भविष्य निधि योगदान के अलावा कुछ भी नहीं है। बकाया राशि का भुगतान न होने के कारण, यह कार्यालय गरीब श्रमिकों के भविष्य निधि खातों का निपटान करने में असमर्थ है। उपरोक्त के मद्देनजर, आपसे अनुरोध है कि आप उस निरीक्षक के माध्यम से गिरफ्तारी के संलग्न वारंट को निष्पादित करें, जिसके अधिकार क्षेत्र में रॉबिन उथप्पा रहते हैं।

सरकारी आकड़ों में खुलासा

पिछले पांच सालों में बंद हुए 762 निजी स्कूल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के विभिन्न जिलों में जिन निजी स्कूलों को शुरू करने की अनुमति दी गई थी, उनमें से कम से कम 26 प्रतिशत पिछले पांच सालों में बंद हो गए हैं। सरकारी आकड़ों के अनुसार शैक्षणिक वर्ष 2019-20 और 2023-24 के बीच स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग ने 2,905 निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूल शुरू करने की अनुमति दी, जिनमें से 762 बंद हो गए। हालांकि सबसे अधिक 292 स्कूलों को विजयपुरा जिले में अनुमति दी गई थी, लेकिन उनमें से केवल पांच ही बंद हुए। बेंगलूरु दक्षिण में 255 नए स्कूल खुले, लेकिन उनमें से 85 शुरू होने के पांच साल के भीतर बंद हो गए। बेंगलूरु उत्तर में, अनुमति प्राप्त स्कूलों की संख्या 75 थी, और उनमें से 56 पांच साल के भीतर बंद हो गए। स्कूल प्रबंधन 2018 के बाद विभाग द्वारा लगाए गए कठोर मानदंडों और उन मानदंडों को लागू करने की आड़ में स्थानीय स्तर पर अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न को दोषी ठहराते हैं। कर्नाटक में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के एसोसिएटेड मैनेजमेंट के महासचिव डी. शशि कुमार ने बताया कि 2018 से स्कूल शुरू करने के लिए आधा एकड़ जमीन होना अनिवार्य कर दिया गया था, जिसे बहुत से लोग वहन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा स्कूलों को अब तीन से चार विभागों में जाना पड़ता है।

पहले शिक्षा विभाग ही एकमात्र संपर्क बिंदु था। अग्नि सुरक्षा और भवन योजना अनुमोदन के लिए, हमें संबंधित विभागों से संपर्क करना पड़ता है, जहां काम करवाना कठिन है।

उन्होंने कहा कि उत्पीड़न के बारे में उन्होंने कई बार सरकार को याचिकाएँ दी हैं। निजी स्कूल प्रबंधन के प्रतिनिधियों ने कहा कि बंद होने वाले अधिकांश स्कूल राज्य बोर्ड से संबद्ध बजट स्कूल थे। शशि कुमार ने कहा कोविड महामारी के बाद मांग और आपूर्ति श्रृंखला भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा बेंगलूरु जैसे शहर, जो प्रवासियों का केंद्र है, में प्रवासी आबादी के बाहर जाने के कारण महामारी के बाद कोई छात्र नहीं था, जिसका सीधा असर बजट निजी स्कूलों के नामांकन पर पड़ा। निजी स्कूल प्रबंधन ने कहा कि एक नया स्कूल स्थापित करने के लिए कम से कम 20 करोड़ रुपये की आवश्यकता होती है और न्यूनतम छात्र संख्या बनाए रखना अनिवार्य है। बेंगलूरु के एक निजी स्कूल के प्रबंधन प्रतिनिधि ने कहा माता-पिता अन्य बोर्ड के स्कूलों और तथाकथित कॉरपोरेट और फैंसी चेन स्कूलों की ओर आकर्षित होते हैं। उन्होंने कहा कि सीबीएसई और आईसीएसई स्कूलों की संख्या में वृद्धि ने राज्य बोर्ड के स्कूलों को बंद करने में भी योगदान दिया है, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि अन्य बोर्डों की तुलना में स्थानीय स्तर पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

सुवर्णसौधा में हुई घटना के लिए पुलिस कमिश्नर सीधे तौर पर जिम्मेदार: प्रहलाद जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बेलगावी शहर के पुलिस आयुक्त यादा मार्टिन की इस पद के लिए अयोग्य बताते हुए आलोचना की है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बेलगावी के सुवर्णसौधा में हुई घटना के लिए पुलिस कमिश्नर यादा मार्टिन सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। वे सुरक्षा मुहैया कराने में पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग पद पर रहने के लायक नहीं हैं। वह भूल गये कि वह सार्वजनिक सेवा में हैं और एक प्रवक्ता की तरह व्यवहार करने लगे। सबसे पहले सरकार को कमिश्नर यादामार्टिन को सेवा से निलंबित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे उनके खिलाफ केंद्र सरकार से शिकायत दर्ज कराने पर विचार कर रहे हैं। एक मंत्री के समर्थकों ने सुवर्णसौधा में घुसकर विधान परिषद सदस्य सीटी रवि को धमकी दी, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? ऐसे में उन्हें

फटकार लगाई जानी चाहिए और सेवा से निलंबित कर दिया जाना चाहिए। सत्ता पक्ष की शिकायत दर्ज करने वाली पुलिस ने विपक्षी दल की शिकायत क्यों दर्ज नहीं की? विधानमंडल में घुसकर सदस्य सीटी रवि से मारपीट के बाद उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? क्या पुलिस विभाग कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं की सुरक्षा कर सकता है? क्या कानून व्यवस्था कायम रखी जा सकती है? बेलगावी पुलिस कमिश्नर को सावधान रहना चाहिए। आपने विधान परिषद के एक सदस्य को गिरफ्तार किया और गैरकानूनी तरीके से काम किया। उन्हें खानपुरा, गन्ने के खेत में ले जाया गया। उन्होंने कहा कि कमिश्नर ने इस मुद्दे पर बेहद बचकाना बयान दिया है। पहले बेलगावी कमिश्नर को कानून सिखाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी तरह से मदद करने को तैयार हूं। सुवर्णसौधा की घटना को लेकर आनन-फानन में एफआईआर दर्ज करायी गयी। शिकायत देने वाले लोग मंत्री के करीबी हैं। शिकायत में मंत्री के हस्ताक्षर नहीं थे। क्या मंत्री का निजी सहायक सदन के अंदर था? क्या आयुक्त को सामान्य ज्ञान की आवश्यकता है? उन्होंने बेलगावी कमिश्नर को आईपीएस बनने के लिए अयोग्य बताया।

एमआरपीएल और सीएडी फाउंडेशन ने

दक्षिण कन्नड़ में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, नम्मा क्लीनिकों को 64 ईसीजी मशीनें दान कीं

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) ने कार्डियोलॉजी एट डोरस्टेप्स (सीएडी) फाउंडेशन ट्रस्ट के सहयोग से हाल ही में दक्षिण कन्नड़ जिले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और नम्मा क्लीनिकों को 64 ईसीजी मशीनें वितरित कीं। यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पीएचसी को ईसीजी मशीनों का वितरण जिले में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने की एक पहल थी। 18.8 लाख की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य आवश्यक नैदानिक उपकरणों तक पहुँच में सुधार करना और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी

ढांचे को मजबूत करना है। जिला पंचायत के सीईओ के. आनंद, सीएडी फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष पद्मनाभ कामथ, जिला स्वास्थ्य अधिकारी एच.आर. थिमैया, एमआरपीएल के मुख्य महाप्रबंधक मनोज कुमार और अन्य लोग मौजूद थे। मनोज कुमार ने कहा कि एमआरपीएल सामुदायिक कल्याण को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा स्वास्थ्य सेवा एक मौलिक अधिकार है और हमें जमीनी स्तर पर निदान क्षमताओं को बेहतर बनाने में योगदान देने पर गर्व है। हमें उम्मीद है कि यह पहल स्वास्थ्य कर्मियों को सशक्त बनाएगी और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप सुनिश्चित करेगी। डॉ. कामथ ने भी इसी तरह की भावनाओं को दोहराया, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में हृदय संबंधी स्थितियों का शीघ्र पता लगाने और प्रबंधन में ईसीजी मशीनों के महत्व पर प्रकाश डाला।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह पहल कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति एमआरपीएल के समर्पण और क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसके निरंतर प्रयासों को रेखांकित करती है। पीएचसी और नम्मा क्लीनिकों को ईसीजी मशीनों से लैस करके, एमआरपीएल और सीएडी फाउंडेशन ट्रस्ट का लक्ष्य स्वास्थ्य सेवा वितरण में अंतर को पाटना और सामुदायिक कल्याण पर एक स्थायी प्रभाव पैदा करना है।

लोकायुक्त पुलिस बनकर अधिकारियों से पैसे मांगने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उल्लाल पुलिस ने आंध्र प्रदेश के एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है, जिसने कथित तौर पर लोकायुक्त पुलिस बनकर सोमेश्वर टीएमसी राजस्व अधिकारी और वरिष्ठ स्वास्थ्य निरीक्षकों से पैसे मांगे थे। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति धनंजय रेड्डी थोटा आंध्र प्रदेश के कादिरी तालुक का रहने वाला है। उल्लाल पुलिस ने पहले एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी, जो लोकायुक्त पुलिस बनकर राजस्व अधिकारी से पैसे मांग रहा था। सोमेश्वर टीएमसी में राजस्व अधिकारी के रूप में कार्यरत पुरुषोत्तम को 6 अप्रैल, 2024 को एक व्हाट्सऐप कॉल आया और कॉल करने वाले ने कथित तौर पर खुद को लोकायुक्त पुलिस बताया। कॉल करने वाले ने उन्हें बताया था कि लोकायुक्त को उनके खिलाफ शिकायत मिली है और तकनीकी अधिकारी जल्द ही कार्यालय पहुंचेंगे। टूकॉलर ऐप पर कॉल करने वाले का नाम डी प्रभाकर, लोकायुक्त पीआई दिखाया गया। बाद में, पुरुषोत्तम ने कथित तौर पर मेंगलूरु लोकायुक्त से पूछताछ की और महसूस किया कि डी प्रभाकर नाम का कोई अधिकारी नहीं था। पुरुषोत्तम ने एक शिकायत में कहा सोमेश्वर टीएमसी के वरिष्ठ स्वास्थ्य निरीक्षक लिली नायर और कृष्णा आर को भी इसी तरह की धमकी भरे कॉल मिले थे। मामले की जांच करते हुए, उल्लाल पुलिस उस व्यक्ति को गिरफ्तार करने में सफल रही है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति ने 2019 में इसी तरह की कार्यप्रणाली को अंजाम दिया था, और गौरीबिदनूर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 385, 419,420, 506 और शाबाद पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 342, 352, 115, 120 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

वाहन के लोहे के गार्डर में फंसने से यातायात बाधित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंटवाल के पनेमंगलूरु के पुराने लोहे के पुल पर यातायात उस वक्त एक घंटे से अधिक समय तक बाधित रहा, जब एक टाटा ऐस पिकअप ट्रक भारी वाहनों को जीर्ण-शीर्ण पुल का उपयोग करने से रोकने के लिए लगाए गए लोहे के गार्ड रेलिंग में फंस गया। प्रतिबंधों के बावजूद, पिकअप ट्रक के चालक ने वाहन को गार्ड के माध्यम से जबरन पार करने का प्रयास किया। वाहन के फंसने पर उसका अगला हिस्सा ऊपर उठ गया, जिससे काफी यातायात जाम हो गया। बताया गया कि कुछ माल वाहन चालकों ने प्रतिबंध को दरकिनार करने के लिए पहले गार्ड रेलिंग के मध्य भाग को ऊपर उठा दिया था। टाटा ऐस चालक ने यह सोचकर कि उसका वाहन गुजर सकता है, पुल को अवरुद्ध कर दिया। काफी प्रयास के बाद, वाहन को अंततः लोहे के गार्ड से मुक्त किया गया और यातायात बहाल हो गया।

ब्लैकमेल के जरिए महिलाओं को फंसाने के आरोप में दो गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु की सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) पुलिस ने ब्लैकमेल के जरिए महिलाओं को स्वैपिंग के धंधे में फंसाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के अनुसार आरोपियों की पहचान हरीश और हेमंत के रूप में हुई है, जिनकी उम्र 30 के आसपास है और वे बेंगलूरु के अट्टीबेले के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों स्नातक हैं और निजी फर्मों में कार्यरत हैं। जांच तब शुरू हुई जब शहर की एक 32 वर्षीय महिला ने सीसीबी पुलिस में शिकायत की, जिसमें हरीश पर उनकी निजी तस्वीरों का इस्तेमाल करके ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया। अपने बयान में, उसने आरोप लगाया कि हरीश ने कई साल पहले उससे दोस्ती की थी और आखिरकार वे शारीरिक संबंध बनाने लगे। साथ रहने के दौरान, हरीश ने उसकी सहमति के बिना गुप्त रूप से अंतरंग क्षणों को रिकॉर्ड किया। रिकॉर्ड की गई फुटेज के साथ, हरीश ने महिला को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया, उसे अपने

दोस्त हेमंत के साथ समय बिताने और शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। कथित तौर पर हरीश ने हेमंत से वादा किया था कि वे अपने पार्टनर बदल लेंगे, क्योंकि दोनों कथित तौर पर स्विंगर लाइफस्टाइल में शामिल एक समूह का हिस्सा थे। महिला ने खुलासा किया कि हरीश और हेमंत ने कई मौकों पर उसका यौन शोषण किया। बाद में, हरीश ने उसे एक पार्टी में दोस्त बनाए गए दूसरे आदमी से मिलने के लिए दबाव डाला, जिससे उसकी परेशानी और बढ़ गई। जब पीड़िता पर दबाव डाला गया, तो उसने अधिकारियों से संपर्क करने का फैसला किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, अधिकारियों ने हरीश और हेमंत को गिरफ्तार कर लिया, जिन्हें बाद में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि जांच में संदिग्धों के मोबाइल फोन पर संग्रहीत अन्य महिलाओं के कई वीडियो सामने आए हैं। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने गिरफ्तारियों की पुष्टि की और कहा कि जांच आगे बढ़ने पर मामले के बारे में और जानकारी का खुलासा किया जाएगा। इस मामले ने निजी डेटा के दुरुपयोग और इसी तरह के परिदृश्यों में महिलाओं के शोषण के बारे में चिंताएँ पैदा कर दी हैं। इसी तरह के एक मामले में, केरल पुलिस ने कुछ साल पहले एक पत्नी-स्वैपिंग रैकेट का भंडाफोड़ किया था, जिसने पूरे देश में हलचल मचा दी थी।

15 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी की सीईएन पुलिस ने गोवा में बनी शराब की अवैध बिक्री से जुड़े एक मामले में 15 साल से फरार चल रहे केरल के मूल निवासी दयानंद को गिरफ्तार कर लिया है। उसे केरल के त्रिशूर जिले के चालाकुडी स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। दयानंद को सबसे पहले 2009 में गोवा में बनी शराब बेचने की कोशिश के आरोप में इंस्पेक्टर थिमैय्या के नेतृत्व में जिला आबकारी एवं लॉटरी निषेध दस्ते ने इंद्राली रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया था। हालांकि, जमानत मिलने के बाद वह छिप गया और एक दशक से अधिक समय तक अधिकारियों से बचता रहा और अदालत में पेश नहीं हुआ।

सुप्रीम कोर्ट ने एलिमनी की मांग पर जताई आपत्ति

पत्नी को पति की सम्पत्ति के बराबर दर्जा पाने का हक नहीं

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में पत्नी द्वारा एलिमनी की बड़ी डिमांड पर सख्त नाराजगी जताई है। महिला जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने स्पष्ट किया कि पत्नी को पति की वर्तमान सम्पत्ति और स्टेटस के आधार पर समान दर्जा पाने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि पत्नी को केवल उसी गुजारे भत्ते का अधिकार है, जिसकी वह अपने वैवाहिक जीवन में आदी थी।

यह सुनवाई पत्नी की उस याचिका पर हो रही थी, जिसमें उसने पति की 5000 करोड़ रुपए की सम्पत्ति में से गुजारे भत्ते की मांग की थी। पति ने अपनी पहली पत्नी को एलिमनी के तौर पर 500 करोड़ रुपए दिए थे। कोर्ट ने दूसरी पत्नी को केवल 12 करोड़ रुपए गुजारे भत्ते के तौर पर देने का निर्देश दिया। याचिका में पति की सम्पत्ति और इनकम को आधार बनाकर बड़ी राशि की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बी. वी. नागरत्ना ने पत्नी द्वारा पति की सम्पत्ति के बराबर दर्जा पाने के लिए एलिमनी की

बड़ी मांग पर सख्त नाराजगी व्यक्त की और विस्तृत टिप्पणी की। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, पत्नी को केवल उसी गुजारे भत्ते का हक है, जिसकी वह अपने वैवाहिक जीवन में हकदार थी। अगर पति तलाक के बाद अपनी सम्पत्ति बढ़ा लेता है या उसका आर्थिक स्तर ऊंचा हो जाता है, तो पत्नी को यह अधिकार नहीं है कि वह समान दर्जा पाने के लिए परमानेंट एलिमनी के नाम पर बड़ी डिमांड करे। उन्होंने यह भी कहा कि गुजारे भत्ते का कानून पत्नी को सशक्त बनाने, सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने और व्यक्ति की गरिमा बनाए रखने के लिए है। यह पति पर अपनी पत्नी का भरण-पोषण करने का कानूनी दायित्व स्थापित करता है।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा, हमें इस प्रवृत्ति पर गंभीर आपत्ति है कि पत्नियां पति की वर्तमान सम्पत्ति और स्टेटस को देखकर बराबरी के लिए एलिमनी मांगती हैं। यह केवल उन मामलों में देखा जाता है जहां पति की आय अधिक होती है। परंतु जहां पति की आय कम होती है, वहां ऐसी मांगें नहीं उठाई जातीं। आय और सम्पत्ति के आधार पर दोहरा रवैया सही नहीं है। जस्टिस नागरत्ना ने तल्खी से कहा, हमें आश्चर्य है कि अगर पति तलाक के बाद कंगाल हो जाए, तो क्या पत्नी इस तरह की मांग करेगी? एलिमनी का उद्देश्य पति की वर्तमान सम्पत्ति पर समान दर्जा दिलाना नहीं है, बल्कि पत्नी को वैवाहिक जीवन में आदी जीवनशैली का अधिकार देना है।

जस्टिस नागरत्ना ने एलिमनी की सीमा पर भी बात की और कहा, हमें केवल पति की आय पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए। पत्नी की आय, उसकी जरूरतें, आवासीय अधिकार और अन्य फैक्टर्स को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। एलिमनी की मांग केवल पति की सम्पत्ति के आधार पर नहीं होनी चाहिए। हमारी प्राथमिकता कानून के तहत सामाजिक न्याय और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। पत्नी को उसकी वास्तविक जरूरतों के अनुसार गुजारा भत्ता मिलना चाहिए, न कि पति की सम्पत्ति या पहले दी गई एलिमनी की तुलना के आधार पर।

एक देश एक चुनाव विधेयक जेपीसी के हवाले

पीपी चौधरी बने जेपीसी के अध्यक्ष

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

एक देश एक चुनाव विधेयक संसद के पारित होने के बाद विस्तृत समीक्षा के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के हवाले कर दिया गया। भाजपा सांसद पीपी चौधरी को इस मामले में गठित जेपीसी का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

चौधरी ने कहा कि यह महसूस किया गया है कि बार-बार चुनाव होने से खर्च बहुत बढ़ जाता है और जनता पर बोझ पड़ता है। अलग-अलग चुनावों में समय-समय पर मशीनरी तैनात की जाती है। आचार संहिता के कारण विकास कार्य गति नहीं पकड़ पाते और इससे देश को नुकसान हो रहा है, इसलिए वन नेशन-वन इलेक्शन के लिए जेपीसी का गठन किया गया है। चौधरी ने बताया कि जेपीसी में लोकसभा के 27 सदस्य और राज्यसभा के 12 सदस्य शामिल किए गए हैं। संयुक्त संसदीय समिति समय-समय पर हितधारकों से मुलाकात करेगी और उसके बाद समिति निर्णय लेकर सरकार को अपनी सिफारिश देगी, सरकार उसके अनुसार अपना निर्णय लेगी।

एक देश एक चुनाव जैसे अहम मुद्दे के लिए बनी जेपीसी के अध्यक्ष के तौर पर नामित भाजपा सांसद पीपी चौधरी का राजनीतिक

कद बढ़ गया है। चौधरी का संबंध संघ से रहा है। 2014 में मोदी लहर में वह राजस्थान की पाली सीट से जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। इससे पहले वे सुप्रीम कोर्ट से लेकर राजस्थान हाई कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता थे। पीपी चौधरी को मोदी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री, कानून और न्याय मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के रूप में शामिल किया गया था, और 2019 तक इस पद पर रहे। भारत-पाकिस्तान के सीमावर्ती पाली जिले से ताल्लुक रखने वाले पीपी चौधरी ने जोधपुर के जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की और सर्वोच्च न्यायालय में जाने से पहले उच्च न्यायालय में वकालत की।

जेपीसी में पीपी चौधरी के साथ लोकसभा सदस्य सीएम रेशम, बांसुरी स्वराज, पुरुषोत्तम भाई रुपाला, अनुराग सिंह ठाकुर, विष्णु दयाल राम, भर्तृहरि महताब, संबित पात्रा, अनिल बालुनी, विष्णु दत्त शर्मा, बैजयंत पांडा, संजय जयसवाल, प्रियंका गांधी वाड्रा, मनीष तिवारी, सुखदेव भगत, धर्मेंद्र यादव, छोटेलाल, कल्याण बनर्जी, टी एम सेल्वागणपति, जीएम हरीश, अनिल यशवंत देसाई, सुप्रिया सुले, श्रीकांत एकनाथ शिंदे, शंभावी, के राधाकृष्णन, चंदन चौहान और बालशौरि वल्लभनेनी शामिल हैं। समिति में राज्यसभा सदस्य घनश्याम तिवारी, भुवनेश्वर कलिता, डॉ. के लक्ष्मण, कविता पाटीदार, संजय कुमार झा, रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल बालकृष्ण वासनिक, सांकेत गोखले, पी विल्सन, मानस रंजन और वी विजयसाई रेड्डी शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल के अस्पतालों से उठी मांग

बांग्लादेशियों का इलाज मत करो

कोलकाता, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा की खबरें हर दिन हैरान कर रही हैं। बीते दिन ही यह सामने आया था कि कैसे दो दिन में तीन मंदिरों में तोड़फोड़ करके उपद्रवियों ने 8 मूर्तियां तोड़ डालीं। इस हिंसा को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल में विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा की मांग है कि बंगाल के अस्पतालों में गैर-हिंदू बांग्लादेशियों का इलाज न किया जाए।

कोलकाता के मुकुंदपुर क्षेत्र में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं के एक गुट ने शनिवार को सैल्यूट तिरंगा नामक एक विरोध मंच की शुरुआत की, जिसमें मांग की गई कि क्षेत्र के एक निजी अस्पताल ने बांग्लादेश से आने वाले गैर-हिंदू मरीजों का इलाज करने से मना कर दें। भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन का यह कदम बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू आबादी पर कथित अत्याचारों को लेकर दोनों

देशों के बीच संबंधों में तनाव के बीच उठाया गया है। यह निजी अस्पताल कोलकाता के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में से एक है, जहां पड़ोसी देशों से बड़ी संख्या में मरीज आते हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने अस्पताल के जिम्मेदारों से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन वे नहीं मिले। प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल में एक प्रतिनिधिमंडल भेजा जिसमें कहा गया कि देश सबसे पहले आता है, हमारे भाइयों और बहनों को वहां (बांग्लादेश में) प्रताड़ित किया जा रहा है और मारा जा रहा है। इसलिए, गैर-हिंदू बांग्लादेशियों को कोई चिकित्सा उपचार प्रदान नहीं किया जाना चाहिए।

अपने विरोध प्रदर्शन में भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपने राष्ट्र, तिरंगे के सम्मान के लिए अपनी नैतिकता और व्यवसाय को एक तरफ रखें। इस दौरान सैल्यूट तिरंगा के सदस्य नारायण चटर्जी ने से कहा कि बांग्लादेश में हमारे अल्पसंख्यक हिंदू भाइयों और बहनों के साथ जो कुछ हो रहा है, उससे हम दुखी हैं। उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है और मारा जा रहा है। इसे रोका जाना चाहिए। राष्ट्र हमेशा पहले आता है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्होंने पहले ही एक अन्य निजी अस्पताल को इसी प्रकार का प्रतिनिधिमंडल भेजा है। भविष्य में गैर-हिंदू बांग्लादेशियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने वाले अन्य निजी अस्पतालों के बाहर विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं। बांग्लादेश से जुड़ी अन्य खबरों के लिए इस लिंक पर क्लिक करें।

पंजाब में नहीं थम रहे बम धमाके

गुरदासपुर में पुलिस चौकी के बाहर हुआ विस्फोट

28 दिनों में 8वीं बार हुआ धमाका

गुरदासपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

पंजाब में बम धमाकों का सिलसिला आज भी जारी रहा, आज यह कुल मिला कर पिछले 28 दिनों में 8वां बम विस्फोट है जो थानों के बाहर किया गया। पुलिस जिला गुरदासपुर के थाना कलानौर में बीते 48 घंटों में दूसरी बड़ी वारदात सामने आई है। चौकी बख्शीवाल पर हुए हमले के बाद शुक्रवार देर शाम को बंद पुलिस चौकी वडाला बांगर में धमाका हुआ। धमाके से आसपास के घरों के लोग सहम गए। धमाका इतना जबरदस्त था कि चौकी में लगे दरवाजे के शीशे टूट गए।

बताया जा रहा है कि इस चौकी को पुलिस कर्मचारियों की कमी के चलते बंद कर दिया गया था।

वहीं सूत्रों के अनुसार वडाला बांगर में हुए ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी खालिस्तान समर्थक संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल ने ली है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। रात को हुए धमाके के बाद फिलहाल पुलिस चौकी में फोरेंसिक जांच चल रही है।

पुलिस ने चौकी बख्शीवाल में हुए हमले के मामले में अज्ञात लोगों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 324 (4) और विस्फोटक अधिनियम 4,5 के तहत अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

गुरदासपुर में दूसरी बार पुलिस चौकी में धमाका हुआ है। बढ़ती वारदातों से राज्य की सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते दिख रहे है। पुलिस की कोशिशों के बावजूद लगातार हमले चिंता का विषय बन रहे हैं। इन सभी हमलों में सिर्फ पंजाब पुलिस को ही टारगेट किया जा रहा है। हालाकि यहां यह भी गौर रहे कि इन हमलों में कोई जानी नुक्सान नहीं हुआ है और निशाना बंद चौकियों को ही बनाया जा रहा है।

सुखविंदर सिंह निवासी जौड़ा ने बताया कि रात लगभग नौ बजकर 30 मिनट पर पुलिस चौकी वडाला बांगर में धमाके की आवाज सनाई दी।

उन्होंने बताया कि उनकी माता दिल की मरीज हैं, धमाके की आवाज से उनकी हालत बिगड़ गई। धमाके की सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटना स्थल का जायजा लेने पहुंचे एसएसपी हरीश दायमा ने कहा कि स्थानीय लोगों ने डीएसपी और कंट्रोल रुम पर काल करके हमले संबंधी सूचित किया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस अधिकारी पहुंचे। देखा गया कि शीशे का दरवाजा टूटा हुआ था। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

पार्सल में विस्फोट की साजिश का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

अहमदाबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद के एक घर में पार्सल में विस्फोट के मामले में रविवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस विस्फोट में दो लोग घायल हो गए थे। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी रूपेन राव (44 वर्षीय) ने इंटरनेट से बम और देसी पिस्तौल बनाने की तकनीक सीखी थी, ताकि वह अपनी पत्नी के ससुरालवालों से बदला ले सके।

राव के मुताबिक, उसके और उसकी पत्नी के बीच तलाक कारण ससुराल वाले थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी से दो और बम, एक देसी पिस्तौल, कारतूस और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की है। रूपेन राव की पत्नी का तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। अधिकारी के मुताबिक, राव ने इंटरनेट पर बम और हथियार बनाने की जानकारी तीन से चार महीने में सीखी थी। उसका मकसद अपने ससुराल वालों, खासकर अपनी पत्नी के दोस्त

बलदेव सुखाडिया, ससुरा और साले को मारना था। राव के मुताबिक, सुखाडिया ने उसके और उसकी पत्नी के बीच खटास डाली और उसे उसके बच्चों से दूर कर दिया।

यह विस्फोट शनिवार की सुबह करीब 10: 45 बजे अहमदाबाद के साबरमती इलाके में एक घर में हुआ था, जिसमें दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटनास्थल से गौरव गढ़वी को गिरफ्तार किया था और तकनीकी निगरानी के आधार पर रावर और उसके सहयोगी रोहन रावल (21 वर्षीय) को रात को पकड़ लिया।

पुलिस उपायुक्त भरत राठौड़ ने बताया कि पुलिस को दो सक्रिय बम मिले, जिन्हें सल्फर पाउडर, बारूद और इलेक्ट्रॉनिक सर्किट से बनाया गया था।

ये बम रिमोट कंट्रोल से सक्रिय हो सकते थे। साथ ही एक देसी पिस्तौल भी बरामद हुई, जिसे राव ने खुद बनाया था। उन्होंने कहा, राव ने यह सोचते हुए बम बनए थे कि सुखाडिया और उसके परिवार ने उसकी मानसिक स्थिति को कमजोर कर दिया है। उसने इन बमों और पिस्तौल को अपने ससुराल वालों को नुकसान पहुंचाने और अपनी पत्नी को उनके परिवार से अलग करने के लिए तैयार किया था।

पुलिस ने बताया कि राव और रावल ने साजिश रची, जिसमें राव ने बम बनाने की विधि इंटरनेट से सीखी और रावल ने बम को सुखाडिया के घर भेजा। शुक्रवार रात रावल यह पार्सल उस घर नहीं पहुंचे, जहां वह चाहते थे, तो पार्सल वापस लौट आए। फिर अगले दिन गढ़वी को भेजा गया, जिसने पार्सल को सौंपा और रावल ने रिमोट कंट्रोल से बम को उड़ा दिया। इसेक बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी की और एक कार से दो और सक्रिय बम और एक देसी पिस्तौल बरामद की।

बम निरोधक दस्ते और फोरेंसिक टीमों ने इन बमों को समय रहते निष्क्रिय कर दिया। इसके अलावा, पुलिस ने राव के घर से कई और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की।

इसमें पांच सक्रिय कारतूस, चार हाई-वोल्टेज बैटरी, तीन देसी पिस्तौल, दस पाइप, दो रिमोट, तीन मोबाइल फोन, नट बोल्ट, ब्लेड के बॉक्स, गैस सिलेंडर और ड्रिल मशीनें शामिल थीं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

दिल्ली पुलिस 175 अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान की

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए एक व्यापक सत्यापन अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत, बाहरी दिल्ली क्षेत्र में 175 ऐसे अवैध घुसपैठियों की पहचान की गई है, जो बिना किसी वैध दस्तावेज के रह रहे थे।

अभियान का नेतृत्व दिल्ली पुलिस की बाहरी जिला इकाई ने किया। पुलिस ने घर-घर जाकर तलाशी ली और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे प्रवासियों की बढ़ती संख्या चिंता का विषय है। ऐसे में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है।

दिल्ली पुलिस ने अभियान को अंजाम देने के लिए विशेष टीमों का गठन किया, जिसमें स्थानीय पुलिस, जिला विदेशी प्रकोष्ठ अधिकारी और अन्य विशेष इकाइयां शामिल थीं। इन टीमों ने

क्षेत्रीय खुफिया जानकारी जुटाई और स्थानीय स्तर पर समन्वय करते हुए संदिग्ध प्रवासियों के मूल स्थानों का सत्यापन शुरू किया।

अभियान के दौरान, 175 संदिग्ध व्यक्तियों से गहन पूछताछ की गई। उनके दस्तावेजों की जांच की गई और सत्यापन के लिए उनके मूल स्थानों पर भी जांच टीमों को भेजा गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि जांच के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और यदि ये लोग अवैध प्रवासी साबित होते हैं, तो उन्हें कानूनी प्रक्रिया के तहत देश से वापस भेजा जाएगा। दिल्ली पुलिस ने यह अभियान उपराज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर शुरू किया। इस अभियान का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी में अवैध प्रवासियों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करना और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। एक अधिकारी ने बताया, बिना दस्तावेज के प्रवासियों की संख्या में वृद्धि से कई सामाजिक और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे उत्पन्न हो रहे हैं। इसलिए यह जरूरी हो गया था कि उनकी पहचान कर कार्रवाई की जाए। पुलिस ने स्थानीय निवासियों से इस अभियान में सहयोग की अपील की है। पुलिस का कहना है कि यह अभियान न केवल सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि राजधानी में अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाई जा सके।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कल्कि विष्णु मंदिर का सर्वे हुआ
कई कूपों और तीर्थों की जांच हुई

संभल, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

लखनऊ से आई भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम ने दो दिन में संभल के छह तीर्थ और 20 कूपों को सर्वे किया। संभल के प्राचीन कल्कि विष्णु मंदिर में टीम शनिवार को पहुंची और करीब 30 मिनट रहकर हर बिंदु पर बारीकी से जांच की और साक्ष्य जुटाए। अब तक दो दिन के सर्वे में टीम ने सबसे ज्यादा समय कल्कि विष्णु मंदिर को दिया है। प्रशासन ने संभल के तीर्थों और कूपों की सही जानकारी के लिए पुरातत्व निदेशालय के निदेशक को पत्र लिखा था। जिसमें संभल के 19 कूप और पांच तीर्थों की सूची भेजकर सर्वे कराने का आग्रह किया था। लेकिन सूची में कल्कि विष्णु मंदिर और कृष्ण कूप शामिल नहीं थे।

शुक्रवार को एएसआई की टीम ने संभल और आसपास के 19 कूप और पांच तीर्थों का सर्वे किया था। शनिवार को प्रशासन को कल्कि मंदिर की याद आई तो एसडीएम वंदना मिश्रा टीम को लेकर मंदिर परिसर पहुंचीं। जिसके बाद टीम ने मंदिर और कृष्ण कूप की बारीकी जांच की और साक्ष्य जुटाए। पंडित महेंद्र शर्मा ने बताया कि कल्कि विष्णु मंदिर

की देखभाल उनके परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी करते आ रहे हैं। बताया कि वह अपने परिवार की दसवीं पीढ़ी हैं। बताया कि जो आकृतियां इस मंदिर में बनी है वह प्राचीन हैं। उनके पिता पंडित महेश प्रसाद शर्मा ने भी इसकी जानकारी दी थी। मंदिर अष्टकोणीय है और इसका बड़ा महत्व है।

पंडित महेंद्र शर्मा के बेटे अनुज शर्मा का कहना है कि कल्कि विष्णु मंदिर में पर्यटन विभाग की ओर से 86 लाख रुपए खर्च किए जाने हैं। पर्यटकों के ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। तीन कक्ष बन रहे हैं। यज्ञशाला की व्यवस्था की जा रही है। कहा कि करीब एक बीघा जमीन मंदिर की है। लेकिन मंदिर के आसपास परिक्रमा मार्ग पर कुछ अतिक्रमण है। कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन अतिक्रमण हटाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई।

कलियुग में भगवान कल्कि का अवतरण संभल में होगा। इसका उल्लेख पुराणों में मिलता है। हिंदू समुदाय की इससे जुड़ी बड़ी आस्था है। कल्कि विष्णु मंदिर के पंडित महेंद्र शर्मा ने बताया कि जैसा उल्लेख पुराणों में मिलता है वह सभी संकेत यहां हैं। कल्कि विष्णु मंदिर के परिसर में बने गुंबद की बनावट प्राचीन है, जो सुदर्शन चक्र की तरह है। इस गुंबद पर आकृतियां उभरी हुई हैं। जो देखने से ही प्रतीत होती है कि प्राचीनकाल में इनको उकेरा गया होगा। इन आकृतियों को बनाए रखने के लिए मंदिर के पुजारी पंडित महेंद्र शर्मा और उनके बेटे अनुज शर्मा ने कई बार मांग उठाई है लेकिन अभी तक पुरातत्व विभाग का संरक्षण नहीं मिला है। पंडित महेंद्र शर्मा ने बताया कि पुरातत्व विभाग की टीम पहले भी आई थी लेकिन अभी तक संरक्षण की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

संभल एक धार्मिक एवं ऐतिहासिक नगर रहा है। ऐसी पौराणिक है कि यहां पर 68 तीर्थ, 19 कूप, 36 पुरे व 52 सराय हैं।

जो ऐतिहासिक धरोहर हैं उनको संवारने का काम किया जाना है। एएसआई की टीम इन सभी का सर्वे कर काल का निर्धारण करेगी। जिससे इन धरोहर के संरक्षण को किया जा सके। 19 कूप की जानकारी तो प्रशासन के सामने आ चुकी है लेकिन अभी 68 तीर्थ में 54 विलुप्त हैं। 14 ही कूप की जानकारी सार्वजनिक है। इन तीर्थों की जानकारी के लिए भारतीय इतिहास संकलन समिति जुटी है।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी को आजीवन मिलेगा वेतन

अयोध्या, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

अयोध्या राम मंदिर में पिछले 34 साल से मुख्य पुजारी का जिम्मा संभाल रहे आचार्य सत्येंद्र दास को आजीवन ट्रस्ट वेतन देता रहेगा। हालांकि सत्येंद्र दास की बढ़ती उम्र और खराब स्वास्थ्य के चलते राममंदिर ट्रस्ट ने उनसे कार्य से मुक्ति का निवेदन भी किया है। मुख्य पुजारी पहले की तरह जब भी चाहेंगे, उनके राममंदिर में आने-जाने व पूजा-अर्चना करने पर कोई रोक नहीं रहेगी।

पिछले 25 नवंबर को हुई रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में यह निर्णय हुआ कि राममंदिर में पिछले 34 सालों से सेवा दे रहे आचार्य सत्येंद्र से कार्य से मुक्ति का निवेदन किया जाए। सत्येंद्र दास 87 साल के हो गए हैं। उनका स्वास्थ्य भी अब अनुकूल नहीं रहता, इसलिए उनसे सेवा से मुक्ति का निवेदन किया जाना चाहिए। यह भी निर्णय हुआ कि अभी उन्हें जो पारिश्रमिक यानी वेतन दिया जा रहा है, वह वेतन आजीवन दिया जाएगा। इस पर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों की सहमति भी मिल गई।

आचार्य सत्येंद्र दास 1 मार्च 1992 से राममंदिर में मुख्य अर्चक के रूप में सेवा दे रहे हैं। शुरुआत में उन्हें 100 रुपए प्रति माह वेतन दिया जाता था। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद उनका वेतन बढ़कर 38500 रुपए हो गया है। आचार्य सत्येंद्र दास को यही वेतन आजीवन दिया जाता रहेगा। इस समय राममंदिर में आचार्य सत्येंद्र दास सहित कुल 14 पुजारी सेवा दे रहे हैं। उनके साथ चार सहायक पुजारी भी लंबे समय से राममंदिर में कार्यरत हैं, जबकि नौ नए पुजारियों की नियुक्ति हाल ही में की गई है। रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास बाबरी विध्वंस से लेकर राममंदिर के निर्माण तक के साक्षी रहे हैं। रामलला की भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा भी उन्होंने अपनी आंखों से देखी है। आचार्य सत्येंद्र दास ने टेंट में रहे रामलला की 28 साल तक उपासना-पूजा की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद करीब चार साल तक अस्थायी मंदिर में विराजे रामलला की सेवा मुख्य पुजारी के रूप में की। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अभी तक वह मुख्य पुजारी के रूप में सेवा दे रहे हैं।

मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि राममंदिर के ट्रस्टी आश्रम पर आए थे। स्वास्थ्य व बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए कार्य से मुक्ति का निवेदन किया है। कहा गया है कि जब इच्छा हो मंदिर जाएं, न हो तो न जाएं। ट्रस्ट ने यह भी कहा है कि जितना वेतन अभी मिलता है आजीवन देते रहेंगे। ट्रस्ट ने तो कार्यमुक्त कर ही दिया है, फिलहाल मैं अभी मंदिर जाता हूं, कोई रोक नहीं है।

महाकुंभ-2025 : जीवंत हो उठा प्रयागराज का श्रृंगवेरपुर धाम

महाकुंभनगर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रयागराज सनातन संस्कृति की प्राचीनतम नगरियों में से एक है। प्रयागराज की महत्ता और प्राचीनता का विवरण हमें ऋगवेद से लेकर पुराणों और रामायण, महाभारत जैसे महाकाव्यों में मिलता है। सनातन मतावलंबियों के आराध्य प्रभु श्रीराम के जीवन और वनवास प्रसंग से प्रयागराज का विशेष संबंध है। रामायण में वर्णन मिलता है कि वनवास के लिए अयोध्या से निकल कर प्रभु श्रीराम प्रयागराज के श्रृंगवेरपुरधाम पहुंचे थे। जहां उन्होंने रात्रि निवास कर अपने बाल सखा निषादराज की मदद से गंगा नदी पार की थी और वहां से भरद्वाज मुनि के आश्रम पहुंचे थे। श्रृंगी ऋषि की तपस्थली होने कारण ही यह क्षेत्र श्रृंगवेरपुर कहलाता है, महाकुंभ 2025 में सीएम योगी के मार्गदर्शन में श्रृंगवेरपुर में भव्य कॉरिडोर, विशाल प्रतिमा और निषादराज पार्क का निर्माण हुआ है।

श्रृंगवेरपुर धाम और प्रभु श्रीराम का संबंध उनके जन्म के भी पहले का है। रामायण में वर्णन आता है कि पुत्रकामेष्टी यज्ञ के लिए राजा दशरथ ने वशिष्ठ मुनि के कहने पर श्रृंगी ऋषि को अयोध्या बुलाया था। श्रृंगी ऋषि के यज्ञ फल से ही राजा दशरथ को राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघन के रूप में चार पुत्रों की प्राप्ति हुई थी। ऋषि विभाण्डक के पुत्र श्रृंगी ऋषि की तपस्थली होने के कारण गंगा तट का यह क्षेत्र श्रृंगवेरपुर कहलाता है। रामायण की कथा में वर्णित है कि प्रभु श्रीराम की बहन शांता का विवाह श्रृंगी ऋषि के साथ ही हुआ था। आज भी श्रृंगवेरपुर में श्रृंगी ऋषि और शांता मां का मंदिर है, जहां श्रद्धालु संतान प्राप्ति की कामना और पूजन करते हैं। श्रृंगवेरपुर धाम ही वह स्थान है जहां प्रभु श्रीराम का मिलन अपने बाल सखा निषादराज से हुआ था।

बाल्मीकि रामायण और तुलसी कृत राम चरित मानस में वर्णन आता है कि जब प्रभु श्रीराम राजा दशरथ की आज्ञा का पालन कर वनवास के लिए अयोध्या से निकले थे तो सबसे पहले वो श्रृंगवेरपुर ही पहुंचे थे। यहां उनका मिलन अपने बाल सखा निषादराज से हुआ था, जिनके कहने पर उन्होंने यहां एक रात्रि निवास भी किया था। केवटों का वह गांव आज भी रामचौरा के नाम से जाना जाता है। गंगा जी के तट के पास राम शयन आश्रम भी है, मान्यता है प्रभु श्रीराम ने माता सीता और भ्राता लक्ष्मण के साथ यहां ही रात्रि निवास किया था। श्रृंगवेरपुर के घाट से ही निषादराज ने प्रभु श्रीराम को अपनी नौका में बैठा कर गंगा पार करवाई थी और भरद्वाज मुनि के आश्रम लेकर गये थे।

धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण श्रृंगवेरपुर धाम का मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने महाकुंभ 2025 में सौंदर्यीकरण और भव्य कॉरिडोर का निर्माण करवाया है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के दिशा निर्देश पर लगभग 14 करोड़ रुपए की लागत से श्रृंगवेरपुर धाम में भव्य कॉरिडोर का निर्माण हुआ। प्रभु श्रीराम और उनके अनन्य मित्र निषादराज के मिलन की 52 फीट की प्रतिमा और पार्क का निर्माण कराया गया है। जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रयागराज के पिछले दौरे में किया था। इसके साथ ही श्रृंगवेरपुर धाम में गंगा जी के तट पर संध्या और रामचौरा घाट तथा निषादराज पार्क में प्रभु श्रीराम के आगमन के दृश्यों के म्यूरल बनाये गये हैं। साथ ही पर्यटन विभाग श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए फैसिलिटी सेंटर और होम स्टे जैसी सुविधाएं भी चला रहा है।

संभल में मिली 250 फीट गहरी रानी की बावड़ी

संभल, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में हाल ही में एक ऐतिहासिक खुलासा हुआ है, जब राजस्व विभाग ने चंदौसी के लक्ष्मण गंज इलाके में खुदाई की और वहां 250 फीट गहरी एक विशाल रानी की बावड़ी का पता लगाया। यह बावड़ी अब मिट्टी के ढेर में दब गई थी लेकिन हाल ही में इसकी खुदाई के दौरान इसका अस्तित्व उभर कर सामने आया है।

लक्ष्मण गंज इलाका 1857 से पहले हिंदू बाहुल्य था, जहां सैनी समुदाय के लोग निवास करते थे। हालांकि, अब यहां मुस्लिम आबादी अधिक है। इस क्षेत्र में पहले बिलारी की रानी की बावड़ी होने का उल्लेख मिलता है, और इसके बारे में डीएम को एक शिकायत पत्र भी प्राप्त हुआ था। पत्र में बताया गया था कि इस ऐतिहासिक बावड़ी को मिट्टी से भर दिया गया था।

इस शिकायत के बाद, डीएम ने जांच के आदेश दिए और शनिवार को राजस्व विभाग के नायब तहसीलदार धीरेन्द्र सिंह की अगुवाई में एक टीम ने क्षेत्र का नक्शा लेकर खुदाई की। जैसे ही खुदाई की गई, वहां से एक प्राचीन दो मंजिला इमारत उभर आई, जिसमें बावड़ी का कुआं और तालाब भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे। अधिकारियों का कहना है कि यह बावड़ी काफी विशालकाय थी, जो पूरी तरह से मिट्टी के ढेर में दब गई थी। अब मिट्टी को हटाकर इसके बारे में और अधिक जानकारी इकट्ठा की जा रही है, और आगे भी नक्शे के आधार पर जांच जारी रहेगी।

साथ ही, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की एक टीम भी संभल में सक्रिय रही। शनिवार को एएसआई टीम ने संभल स्थित कल्कि मंदिर का दौरा किया और वहां मौजूद प्राचीन कृष्ण कूप का सर्वेक्षण किया। इस सर्वे में 19 कुएं और 5 तीर्थ स्थल भी शामिल थे। एएसआई टीम ने मंदिर के अंदर भी जाकर वहां के पुजारी के साथ सर्वे किया और मंदिर के गुंबद की तस्वीरें लीं। यह सर्वे सुरक्षा कारणों से गुपचुप तरीके से किया गया।

इससे पहले शुक्रवार को एएसआई की टीम ने संभल के लाडम सराय स्थित मंदिर में भी एक प्राचीन इमारत के अवशेषों का सर्वेक्षण किया था। इन घटनाओं से यह साफ होता है कि संभल में ऐतिहासिक धरोहरों की समृद्धि छिपी हुई है, जो अब धीरे-धीरे सामने आ रही है।

कानपुर में अवैध कब्जे का शिकार हैं सौ से अधिक मंदिर

कानपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

कानपुर के मुस्लिम बहुल इलाकों में मौजूद बंद पड़े हिंदू मंदिरों को कब्जा मुक्त करवाने की मुहिम अब कानपुर भी पहुंच गई है। यहां की मेयर कल पुलिस फ़ोर्स के साथ शहर के 5 अलग-अलग मंदिरों पर गईं। इन मंदिरों की दुर्दशा पर मेयर ने नाराजगी जताई जिसमें एक के पीछे तो बिरयानी बेची जा रही थी। अब यहां की साफ़-सफाई शुरू की जा चुकी है। यहां रोज पूजा-अर्चना का ऐलान हुआ है। ऐसे कुल कब्जा प्रभावित मंदिरों की तादाद 100 से अधिक बताई जा रही है। हालाँकि प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद मुस्लिम पक्ष खुद को कब्जेदार नहीं बल्कि मंदिरों का रखवाला बताने में जुट गया है।

बेकनगंज के राम जानकी मंदिर के पीछे रहने वाले नफीस कहते हैं, मंदिर को जैसे खोलना है, वैसे खोलें। हमको क्या लेना-देना है। मंदिर अलग है, घर अलग है। ये क्षेत्र पहले पुराना सर्राफा था। सारे हिंदू भाई यही रहते थे। फिर वो हिंदू बहुल क्षेत्रों में चले गए। मंदिर चारों तरफ से पैक है। हम लोग मंदिरों की देखभाल करते हैं। 92 के दंगों में हर जगह मंदिरों में तोड़फोड़ हुई। इसको हम लोगों ने बचाया।

शनिवार 21 दिसंबर को कानपुर की मेयर

प्रमिला पांडेय 7 थानों की पुलिस फ़ोर्स के साथ मुस्लिम बहुल इलाके बेकनगंज पहुंची। बेकनगंज वही इलाका है जहां जून 2022 में मुस्लिम भीड़ ने भाजपा नेत्री नूपुर शर्मा के बयान के विरोध में पुलिस पर हमला कर दिया था। प्रमिला पांडेय को यहां कई मंदिरों पर अवैध कब्जे की सूचना मिली थी। इसी सूचना पर लगभग आधे घंटे तक वो बेकनगंज में रहीं। प्रमिला पांडेय ने 30 मिनट के अंदर कुल 5 ऐसे मंदिरों को खोज निकाला जो अवैध कब्ज़े और बदहाली के शिकार हुए थे। इसमें पहले नंबर पर राम जानकी मंदिर है। इस मंदिर पर कानपुर 2022 हिंसा के मुख्य आरोपित मुख़्तार बाबा बिरयानी वाले का कब्जा था। मंदिर के पीछे बिरयानी बनाई जाती थी। स्थानीय लोगों की माना जाए तो लगभग 100 साल पहले वर्ग गज में फैले इस मंदिर का अब बेहद छोटा सा ही हिस्सा शेष बचा है।

वहीं दूसरा मंदिर राधा कृष्ण का है। यह मंदिर बेहद जर्जर हालत में पाया गया। इसी इलाके में तीसरा मंदिर महादेव शिव का मिला। मंदिर में शिवलिंग के अवशेष भर मौजूद मिले। मंदिर के पीछे रिहायशी बस्तियां हैं। शिव मंदिर के बाद मेयर व साथ चल रही प्रशासनिक टीम को एक अन्य राधा-कृष्ण मंदिर मिला। इस मंदिर का शटर बंद मिला। शटर खोलने पर अंदर कूड़ा भरा मिला। मेयर प्रमिला ने सभी अवैध कब्जेदारों को फ़ौरन कब्जा हटा लेने का आदेश दिया है। वो मंदिरों की ऐसी हालत देख कर काफी नाराज भी हुईं।

मेयर का कहना है कि खोजे जा रहे सभी मंदिरों के जीर्णोद्धार के बाद वहां पहले की तरह विधि-विधान से पूजा अर्चना शुरू करवाई जाएगी। मेयर प्रमिला पांडेय ने यह भी कहा कि मंदिर में स्थापित मूर्तियां कहां गई इसकी जाँच करवाई जाएगी। बताते चलें कि कानपुर नगर निगम के एक सर्वे के मुताबिक शहर के मुस्लिम क्षेत्रों में लगभग 120 मंदिर बंद पड़े हैं। वहीं प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद मुस्लिम पक्ष खुद को कब्जेदार के बजाय मंदिरों का रखवाला बताने में जुट गया है।

संपादकीय

पिघली अवरोध की बर्फ

यह हकीकत है कि चीन भौगोलिक रूप से हमारा पड़ोसी है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। ऐसे में जरूरी है कि तमाम विसंगतियों के बावजूद अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के साथ पड़ोसी से रिश्ते बेहतर बनाए जाएं। लंबी खटास व तनातनी के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई हालिया बैठक के सार्थक परिणाम सामने आए हैं। बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्तूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जतायी। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं। निर्विवाद रूप से सीमा विवाद एक संवेदनशील व जटिल मुद्दा बना है। जिसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आपसी विश्वास में व्याप्त कमी को दूर किया जाए। निश्चित रूप से व्यावहारिक कूटनीति के साथ विश्वास निर्माण के उपायों को कदम दर कदम बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि इन प्रतिबद्धताओं को अमलीजामा पहनाने के लिये सतर्कता के साथ और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होगी। बहरहाल, खट्टे-मीठे रिश्तों और लंबी कटुताओं के बावजूद इस बैठक के निहितार्थों को व्यापक संदर्भों में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निर्विवाद रूप से चीन आज दूसरी बड़ी वैश्विक शक्ति है। भारत ने भी आर्थिक व अन्य क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है। इसके बावजूद दोनों ही देश वैश्विक शक्ति की बदलती गतिशीलता से जूझ रहे हैं। खासकर अमेरिका में होने जा रहे राजनीतिक परिवर्तन से उबरने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर। ऐसे में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को दोनों देशों की एकजुटता प्रभावित करने की क्षमता रखती है। खासकर व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय प्लेटफॉर्मों में सहयोगात्मक पहल से क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। निस्संदेह, दोनों देशों की सीमा पर शांति की पहल एक शुरुआत मात्र है। इसके उपरांत दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क, व्यापार बाधाओं व असंतुलन को दूर करना वक्त की जरूरत है। हमें सांस्कृतिक सहयोग के जरिये दोनों देशों के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का लाभ उठाना चाहिए। विश्वास कायम करने और संघर्ष की छाया दूर करने के लिये ऐसे सकारात्मक कदम जरूरी हैं। निस्संदेह, रिश्तों को सामान्य बनाने का रास्ता लंबा है, लेकिन सार्थक संवाद से अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की आशा लगातार बनी रहती है। भारत और चीन के लिये शांति सिर्फ एक आदर्श मात्र नहीं बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता है। निस्संदेह, भारत और चीन के बीच हुई यह तेईसवीं मुलाकात नई उम्मीद जगाती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री के बीच यह बातचीत कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद लिए गए फैसले के अनुरूप ही हुई है। जिसमें सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द की बहाली और सीमा विवाद का उचित समाधान तलाशने पर सहमति बनी थी। उम्मीद की जानी चाहिये कि संक्रमण के दौर से गुजर रहे वैश्विक परिदृश्य में भारत व चीन एकजुट होकर निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यह स्थिति दोनों देशों के हित में ही कही जाएगी।

> बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्तूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जतायी। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं।

64 साल पुरानी ग्वालियर-चंबल संभाग की चंबल-नहर प्रणाली का उद्धार नए तरीके से किया जाएगा

नदियां लिखेंगी विकास की गाथा

प्रमोद भार्गव

> केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरूआत के बाद अब उपरोक्त नदियों को जोड़े जाने की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर में रख दी है। इसके प्रतीकस्वरूप तीनों नदियों के पानी को एक घड़े में भरा गया। तत्पश्चात भारत सरकार और राजस्थान एवं मध्यप्रदेश राज्य सरकारों के बीच एक त्रिपक्शीय समझौतों पर हस्ताक्शर किए गए। 72000 करोड़ रुपए इस परियोजना पर खर्च होंगे। इसमें 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी।

मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच पार्वती, कालीसिंध और चंबल का पानी एक बड़े जलस्रोत के रूप में बहता है। मध्यप्रदेश में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरूआत के बाद अब उपरोक्त नदियों को जोड़े जाने की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर में रख दी है। इसके प्रतीकस्वरूप तीनों नदियों के पानी को एक घड़े में भरा गया। तत्पश्चात भारत सरकार और राजस्थान एवं मध्यप्रदेश राज्य सरकारों के बीच एक त्रिपक्शीय समझौतों पर हस्ताक्शर किए गए। 72000 करोड़ रुपए इस परियोजना पर खर्च होंगे। इसमें 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी। इस रा में से 35000 करोड़ रुपए मध्यप्रदेश और 37000 करोड़. रुपए राजस्थान सरकार खर्च करेगी। इसमें मध्यप्रदेश के 13 जिलों के 3217 ग्रामों की सूरत बदल जाएगी। दोनों प्रदेशों में मिलाकर 27 नए बांध बनेंगे और 4 पुराने बांधों पर नहरों की जलग्रहण क्शमता बढ़ाई जाएगी। इसी के साथ 64 साल पुरानी ग्वालियर-चंबल संभाग की चंबल-नहर प्रणाली का उद्धार नए तरीके से किया जाएगा। तय है, ये नदियां निर्धारित अवधि में जुड़ जाती हैं, तो सिंचाईं के लिए कृशि भूमि का रकबा बढ़ने के साथ अन्न की पैदावार बढ़ेगी। किसान खुशहाल होंगे और उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। नदियों की धारा मोड़ने का दुनिया में पहला उदाहरण ऋग्वेद में मिलता है। इंद्र ने सिंचाई और पेयजल की सुविधा सुगम कराने की दृश्टि से सिंधु नदी की धारा को मोड़ा था। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र नदी की धारा को पहाड़ तोड़कर भगवान परशुराम ने मोड़ा था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपयी ने नदी जोड़ो अभियान की जो परिकल्पना की थी, उसे नरेंद्र मोदी ने साकार करने की शुरूआत केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के साथ कर दी थी। ये परिययोजनाएं जल-शक्ति अभियान 'कैच द रन' के तहत अमल में लाई जा रही हैं। बाढ़ और सूखे से परेशान देश में नदियों के संगम की परियोजना मूर्त रूप ले रही हैं, यह देशवासियों के लिए प्रसन्नता की बात है। इन परियोजनाओं को जोड़ने का अभियान सफल होता है तो भविष्य में 57 अन्य नदियों के मिलन का रास्ता खुल जाएगा। दरअसल बढ़ते वैश्विक तापमान, जलवायु परिवर्तन और बदलते वर्शा-चक्र के चलते जरूरी हो गया है कि नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्शेत्रों में नहरों के जरिए भेजा जाए। ऐसा संभव हो जाता है तो पेयजल की समस्या का निदान तो होगा ही, सिंचाई के लिए भी किसानों को पर्याप्त जल मिलने लग जाएगा। वैसे भी भारत में विश्व की कुल आबादी के करीब 18 प्रतिशत लोग रहते हैं और उपयोगी जल की उपलब्धता महज 4 प्रतिशत है। हालांकि पर्यावरणविद् इन परियोजनाओं को यह कहकर विरोध कर रहे हैं कि नदियों को जोड़ने से इनकी अविरलता खत्म होगी, नतीजतन नदियों के विलुप्त होने का संकट बढ़ जाएगा। कृत्रिम रूप से जीवनदायी नर्मदा और मोक्शदायिनी क्शिप्रा नदियों को जोड़ने का काम मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान पहले ही कर चुके थे। चूंकि ये दोनों नदियां मध्य-प्रदेश में बहती थीं, इसलिए इन्हें जोड़ा जाना संभव हो गया था। केन और बेतवा नदियों को जोड़ने की तैयारी में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें बहुत पहले से जुटी थीं। इस परियोजना को वर्श 2005 में मंजूरी भी मिल गई थी, लेकिन पानी के बंटवारे को लेकर विवाद बना हुआ था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि दोनों राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारें होने के कारण एकमत नहीं हुईं। कालांतर में केंद्र समेत उप्र और मप्र में भी भाजपा की सरकारें बन गईं। नतीजतन परियोजनाओं पर सहमति बन गई। केन नदी जबलपुर के पास कैमूर की पहाड़ियों से निकलकर 427 किमी उत्तर की और बहने के बाद बांदा जिले में यमुना नदी में जाकर गिरती है। वहीं बेतवा नदी मध्य-प्रदेश के रायसेन जिले से निकलकर 576 किमी बहने के बाद उत्तर-प्रदेश के हमीरपुर में यमुना में मिलती है। केन-बेतवा नदी जोड़ो योजना पर भूमि अधिग्रहण के साथ तेज गति से बांधों एवं नहरों का काम शुरू हो गया है। जीवनदायी नदियां हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। नदियों के किनारे ही ऐसी आधुनिकतम बढ़ी सभ्यताएं विकसित हुईं, जिन पर हम गर्व कर सकते हैं। सिंधु घाटी और सारस्वत (सरस्वती) सभ्यताएं इसके उदाहरण हैं। भारत के सांस्कृतिक उन्नयन के नायकों में भागीरथी, राम और कृश्ण का नदियों से गहरा संबंध रहा है। भारतीय वांगमय में इंद्र और कुबेर विपुल जलराशि के प्राचीनतम वैज्ञानिक-प्रबंधक रहे हैं। भारत भूखण्ड में आग, हवा और पानी को सर्वसुलभ नियामत माना गया है। हवा और पानी की शुद्धता और सहज उपलब्धता नदियों से है। दुनिया के महासागरों, हिमखण्ड़ों, नदियों और बड़े जलाशयों में अकूत जल भण्डार हैं। लेकिन मानव के लिए उपयोग जीवनदायी जल और बढ़ती आबादी के लिए जल की उपलब्धता का बिगड़ता अनुपात चिंता का बड़ा कारण बना हुआ है। ऐसे में भी बढ़ते तापमान के कारण हिमखण्डों के पिघलने और अवर्शा के चलते जल स्त्रोतों के सूखने का सिलसिला जारी है। वर्तमान में जल की खपत कृशि, उद्योग, विद्युत और पेयजल के रूप में सर्वाधिक हो रही है। हालांकि पेयजल की खपत मात्र आठ फीसदी है। जिसका मुख्य स्त्रोत नदियां और भू-जल हैं। औद्योगिकिकरण, शहरीकरण और बढ़ती आबादी के दबाव के चलते एक ओर नदियां सिकुड़ रही हैं, वहीं औद्योगिक कचरा और मल मूत्र बहाने का सिलसिला जारी रहने से गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां इतनी प्रदूशित हो गईं हैं कि यमुना नदी को तो एक पर्यावरण संस्था ने मरी हुई नदी तक घोशित कर दिया है। प्रस्तावित करीब 120 अरब डालर अनुमानित खर्च की नदी जोड़ों परियोजना को दो हिस्सों में बांटकर अमल में लाया जाएगा। एक प्रायद्वीप स्थित नदियों को जोड़ना और दूसरे, हिमालय से निकली नदियों को जोड़ना। प्रायद्वीप भाग में 16 नदियां हैं, जिन्हें दक्शिण जल क्शेत्र बनाकर जोड़ा जाना है। इसमें महानदी, गोदावरी, पेन्नार, कृश्णा, पार, तापी, नर्मदा, दमनगंगा, पिंजाल और कावेरी को जोड़ा जाएगा। पशिचम के तटीय हिस्से में बहने वाली नदियों को पूर्व की ओर मोड़ा जाएगा। इस तट से जुड़ी तापी नदी के दक्शिण भाग को मुंबई के उत्तरी भाग की नदियों से जोड़ा जाना प्रस्तावित है। केरल और कर्नाटक की पशिचम की ओर बहने वाली नदियों की जलधारा पूर्व दिशा में मोड़ी जाएगी। यमुना और दक्शिण की सहायक नदियों को भी आपस में जोड़ा जाना इस परियोजना का हिस्सा है। हिमालय क्शेत्र की नदियों के अतिरिक्त जल को संग्रह करने की दृश्टि से भारत और नेपाल में गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र तथा इनकी सहायक नदियों पर विशाल जलाशय बनाने के प्रावधान हैं। ताकि वर्शाजल इकट्ठा हो और उत्तर-प्रदेश, बिहार एवं असम को भंयकर बाढ़ का सामना करने से छुटकारा मिले। इन जलाशयों से बिजली भी उत्पादित की जाएगी। इसी क्शेत्र में कोसी, घांघरा, मेच, गंड़क, साबरमती, शारदा, फरक्का, सुन्दरवन, स्वर्णरेखा और दमोदर नदियों को गंगा, यमुना और महानदी से जोड़ा जाएगा।

दृष्टि कोण

संसद की कार्य उत्पादकता का लगातार कम होना संसदीय प्रणाली को विफल कराने की साजिश है

संसद का शीतकालीन सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष द्वारा एक दूसरे को अपनी अपनी ताकत दिखाने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। अडाणी मुद्दे को लेकर हंगामे के साथ शुरू हुआ संसद का सत्र अम्बेडकर मुद्दे पर हंगामे के साथ खत्म हुआ। सत्र के दौरान संविधान पर चर्चा जरूर हुई लेकिन संसदीय व्यवधान का नया रिकॉर्ड भी बना दिया गया। 20 दिनों के इस सत्र के रिपोर्ट कार्ड की बात करें तो आपको बता दें कि लोकसभा में कामकाज की उत्पादकता 57.87 प्रतिशत रही। लोकसभा इन 20 दिनों में चार विधेयक ही पारित कर पाई। राज्यसभा में तो 40.03 प्रतिशत ही कामकाज हो सका और पूरे सत्र में कुल दो विधेयक पारित हुए। बात सिर्फ विपक्ष के हंगामे की वजह से होने वाले व्यवधान की नहीं है, सरकार भी तब शर्मसार हो गयी जब एक देश एक चुनाव जैसा महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाते समय मत विभाजन के दौरान सत्ता पक्ष के ही दो दर्जन सांसद अनुपस्थित थे। क्या ऐसे ही चलेगा हमारा संसदीय लोकतंत्र? क्या इसीलिए छह महीने पहले देश की 140 करोड़ जनता ने 543 प्रतिनिधियों को निर्वाचित करके भेजा था? हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन संसद का महत्वपूर्ण समय और देश का कीमती धन बर्बाद कर रहे हैं? संसद के सत्र के दौरान भले सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने अपने राजनीतिक हित सध गये हों लेकिन देश की जनता का और संसद की छवि को तो नुकसान हो गया है। आखिर कैसे होगी इसकी भरपाई? बात सिर्फ विपक्ष के हंगामे की वजह से होने वाले व्यवधान की नहीं है, सरकार भी तब शर्मसार हो गयी जब एक देश एक चुनाव जैसा महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाते समय मत विभाजन के दौरान सत्ता पक्ष के ही दो दर्जन सांसद अनुपस्थित थे। क्या ऐसे ही चलेगा हमारा संसदीय लोकतंत्र? क्या इसीलिए छह महीने पहले देश की 140 करोड़ जनता ने 543 प्रतिनिधियों को निर्वाचित करके भेजा था? हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन संसद का महत्वपूर्ण समय और देश का कीमती धन बर्बाद कर रहे हैं? संसद के सत्र के दौरान भले सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने अपने राजनीतिक हित सध गये हों लेकिन देश की जनता का और संसद की छवि को तो नुकसान हो गया है। आखिर कैसे होगी इसकी भरपाई? देखा जाये तो वर्तमान संसद का पहला सत्र भी हंगामेदार रहा था। इससे पिछली लोकसभा के भी लगभग सभी सत्र हंगामेदार रहे थे। पिछले कुछ सत्रों की कार्य उत्पादकता पर गौर करें तो जो आंकड़े सामने आते हैं वह चिंताजनक स्थिति को दर्शाते हैं। सत्र की कार्य उत्पादकता का 45%, 35 प्रतिशत और 24 प्रतिशत के आसपास रहने से हमारी संसदीय प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हो रहे हैं। सदन में जो कामकाज होता है वो भी हंगामे के बीच होता है यानि शोरशराबे के बीच क्या नए कानून बन गए यह देश को पता ही नहीं चल पाता। साथ ही संसद के कामकाज का प्रतिशत लगातार कम होते जाने से एक सवाल और खड़ा होता है कि कौन हैं वो लोग जो हमारी संसद को विफल दर्शाना चाहते हैं? कहीं हमारी संसदीय प्रणाली को विफल कराने के लिए कोई साजिश तो नहीं की जा रही है? विपक्ष लोकतंत्र बचाओ और संविधान बचाओ का आह्वान तो कर रहा है लेकिन लोकतांत्रिक प्रणाली वाले देश भारत में जनता के जनादेश पर निर्णय लेने वाला जो सर्वोच्च सदन है उसको चलने नहीं देता। देखा जाये तो अब बात सिर्फ संसद के कीमती समय, देश की उम्मीदों और सरकारी खजाने से धन की बर्बादी की ही नहीं है, बात अब यह भी है कि यदि संसद में भी जनता की आवाज नहीं सुनी जायेगी तो कहां सुनी जायेगी? वक्त आ गया है कि संसद में सदन के संचालन संबंधी नियमों को कठोर बनाया जाये? वक्त आ गया है कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालने वाले सदस्यों के खिलाफ सख्त कदम उठाये जायें? बहरहाल, पिछले वर्ष संसदीय व्यवधान पर 'पीड़ा' व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 'लोकतंत्र के मंदिर' में ऐसे आचरण के विरुद्ध माहौल और जनमत तैयार करने के लिए जनांदोलन चलाने का जो आह्वान किया था।

कुछ अलग

नशे के खिलाफ कदम

देश में नासूर बनते नशे के खिलाफ अभियान में यदि 114 वर्षीय धावक फौजा सिंह प्रेरक पदयात्रा कर सकते हैं तो ऊर्जावान युवा-बुजुर्ग क्यों नहीं। 'नशा मुक्त-रंगला पंजाब' अभियान के अंतर्गत निकाले गए नशा विरोधी मार्च में मंगलवार को मैराथन धावक फौजा सिंह के साथ ही पंजाब के राज्यपाल अस्सी वर्षीय गुलाब चंद कटारिया की आठ किलोमीटर की पैदल यात्रा सुर्खियों में रही। निश्चित रूप से पंजाब सरकार की पहल अनुकरणीय है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी बड़ा सामाजिक बदलाव का आंदोलन व्यापक जन भागीदारी से ही सिरे चढ़ सकता है। आज पंजाब समेत देश के अन्य राज्यों में युवा पीढ़ी जिस भयावह तरीके से नशे के दलदल में धंसती जा रही है, वह राष्ट्र के लिये एक गंभीर चुनौती है। जिसका मुकाबला सरकारों के साथ आम आदमी के जुड़ाव से ही संभव है। निश्चित रूप से ऐसी पदयात्रा सिर्फ राजनीतिक निहितार्थों और प्रतीकात्मक रूप से आयोजित नहीं होनी चाहिए। ऐसे अभियान को आंदोलन का रूप देकर इस तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाना चाहिए। साथ ही इस तरह के अभियानों से हासिल उपलब्धियों का मूल्यांकन भी जरूरी है। निस्संदेह, औपचारिकताओं के निर्वहन और मीडिया में सुर्खियां बटोरना ऐसे आंदोलन का लक्ष्य तो कदापि नहीं हो सकता। राज्यपाल महोदय का यह कथन सोलह आने सच है कि इस मुद्दे पर बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही महिलाओं की इस आंदोलन में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। निस्संदेह, नशे के नश्तर से महिलाओं को मर्मांतक पीड़ा सहन करनी पड़ती है। अब चाहे पति हो या बेटा, नशे की लत लगने से पूरा परिवार ही संकट में आ जाता है। इसमें दो राय नहीं कि जब पंजाब की नारी शक्ति एकजुट होकर इस मुहिम का नेतृत्व करेगी तो पंजाब अपने स्वर्णिम दिनों की ओर लौट सकता है। निश्चित रूप से किसी राज्य या देश की जवानी का नशे के सैलाब में डूबना राष्ट्रीय क्षति ही है। इसके लिये नशे की आपूर्ति रोकने से लेकर प्रयोग तक पर नियंत्रण की राष्ट्रव्यापी मुहिम की जरूरत है। निस्संदेह, नशे के तेजी से बढ़ते शिकंजे से न केवल असामयिक मौतों, लाइलाज बीमारियों का खतरा बढ़ता है, बल्कि समाज में अपराधों का सिलसिला भी तेज हो जाता है। देखने में आया है कि बड़े अपराधों से लेकर चोरी छीनाझपटी की घटनाओं के मूल में नशाखोरी की भूमिका होती है। कई आपराधिक घटनाओं के मूल में उन कालेज जाने वाले छात्रों की भूमिका पायी गई है, जो नशे के लिये पैसा जुटाने के लिये अपराध की अंधी गलियों में उतर जाते हैं। यह जानते हुए भी यह रास्ता उनके जीवन को बर्बादी की राह पर ले जाता है। निश्चित रूप से समाज विज्ञानियों को भी व्यापक अध्ययन करना चाहिए कि क्यों नई पीढ़ी नशे की ओर तेजी से उन्मुख हो रही है। एक समय था कि पंजाब में आतंक फैलाने के खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये सीमा पार से नशे की बड़ी खेप पंजाब भेजी जाती रही है। चरमपंथियों को आर्थिक मदद पहुंचाने के लिये भी इस षड्यंत्र को सुनियोजित तरीके पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों ने अंजाम दिया। हाल के दिनों में बीएसएफ ने पाकिस्तान की सीमा से लगते भारतीय इलाकों में ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों को गिराने की साजिशों पर लगाम लगायी है। निश्चित रूप से पहले कदम के रूप में सीमाओं को नशे की तस्करी से निरापद बनाने की जरूरत है। वहीं हमारी सुरक्षा व्यवस्था में शामिल उन काली भेड़ों को भी बेनकाब करने की जरूरत है जो नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रही हैं। साथ ही नशे से पीड़ितों को इस दलदल से बाहर निकालने के लिये नशा मुक्ति केंद्रों की स्थापना और पीड़ितों को मनोवैज्ञानिक उपचार देने की भी जरूरत है। निश्चित रूप से नशा पंजाब के लिये बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

स्वामी श्रद्धानन्द के बलिदान दिवस पर

स्वामी श्रद्धानन्द का हत्यारा कौन?

1917 ई. में महात्मा मुंशीराम स्वामी श्रद्धानन्द बने। उन्होंने वानप्रस्थ त्याग संन्यास लिया। राष्ट्र सेवा से उठ विश्व सेवा करने बढ़े, वसुधैव कुटुम्बकम् की साधना करने के लिए काँगड़ी की कामना त्याग दिल्ली आ बैठे। तब दिल्ली राजधानी बन चुकी थी। दिल्ली को डॉ. अन्सारी, हकीम अजमल खाँ के साथ-साथ एक अच्छा नेता और मिला - स्वामी श्रद्धानन्द के रूप में। स्वामी श्रद्धानन्द तो आर्यसमाज द्वारा संसार का उपकार करने आये थे, इन नेताओं ने राष्ट्रीय समस्याएँ हल करने के लिए उन्हें मिला लिया कांग्रेस में। कांग्रेस उस समय एकमात्र बड़ी राजनीतिक पार्टी थी।

राष्ट्रीय कांग्रेस मृतप्राय हो चुकी थी, जलियांवालाबाग में हुए अंग्रेजी अत्याचार से उसके निष्प्राण शरीर में चेतना लाने के लिए कांग्रेस महासभा का अधिवेशन अमृतसर में करने का निश्चय हुआ। उसके आयोजन की जिम्मेदारी लेने के लिए देश का कोई नेता तैयार नहीं था तब सबकी निगाहें पड़ीं स्वामी श्रद्धानन्द पर। स्वामीजी को मना लिया उस समय के नेताओं ने। स्वामीजी के कारण 1919 में अमृतसर सेशन बड़ा ही सफल रहा। इसकी सफलता ने स्वामी श्रद्धानन्दजी को कांग्रेसियों का एक बड़ा नेता सिद्ध कर दिया।

खिलाफत आन्दोलन को कांग्रेस ने जोड़ लिया देश की आज़ादी की लड़ाई के साथ, हिन्दू-मुस्लिम एकता के नाम पर। उस समय दिल्ली स्वामी श्रद्धानन्दजी के हाथों में थी। इस आन्दोलन को अंग्रेज संगीनों से कुचलना चाह रहा था। तब सीना ताने सामने आये स्वामी श्रद्धानन्द। स्वामीजी के साहस व नेतृत्व को देख अंग्रेजों की संगीनें झुक गईं। चांदनी चौक की इस घटना ने चार चाँद लगा दिए स्वामी श्रद्धानन्दजी के यश और कीर्ति को। इससे देश का बैठा मनोबल उठा और अंग्रेजों का साहस टूटा। इससे लाभ पहुँचा मुसलमानों को। वे बड़े प्रसन्न हुए। वे अपने कंधों पर उठा स्वामीजी को जामा मस्जिद लाये और मिम्बर पर खड़ा कर उनके वेद प्रवचन बड़ी ही श्रद्धा व भक्तिभाव से सुने। उनकी जय-जयकार की। इस्लाम के इतिहास में यह पहली घटना थी, जबकि ईश्वर की वाणी को मस्जिद में बैठकर मुसलमानों ने सुना था।

राष्ट्रीय स्तर पर एक काम और किया स्वामीजी ने। वह था देश के उन लाखों करोड़ों मुसलमानों का, जिनके पूर्वज चंगेज, तैमूर, खिलजी, तुगलक, औरंगजेब आदि की तलवार के डर से मुसलमान बने थे। जब आतंक जाता रहा तो वे हिन्दू बनने का प्रयत्न करने लगे। इसमें खोजा, मैमन, मलकाने आदि मुसलमान ऐसे थे जो खान-पान, बेटी-व्यवहार, रीति-रिवाज, धर्म-कर्म से हिन्दू ही थे। हिन्दू समाज उन्हें वापिस लेने में हिचक रहा था। उन्होंने सुन रखा था कि आर्यसमाज के प्रवर्तक महर्षि दयानन्द ने जन्म के ईसाई मुसलमानों तक को अपने पवित्र हाथों से शुद्ध कर आर्य बनाया था। वे लोग यह भी जानते थे कि आर्य समाज ने उस काम को जारी रखा हुआ है। इसी ज्ञान के कारण वे आश्वस्त हुए। वे पहुंचे आर्य समाज के पास। स्वामी श्रद्धानंद और महात्मा हंसराजजी के कुशल नेतृत्व में इस काम को आरंभ किया गया। परिणामस्वरुप 8 लाख मुसलमान हिंदू समाज में घुल-मिल गये। इस काम को सतत जारी रखने के लिए शुद्धि सभा की स्थापना स्वामी जी ने की।

राष्ट्रीय स्तर की एक समस्या और भी थी। वह थी छूआछूत की। यह विदेशी शासकों द्वारा फैलाई गई बीमारी थी, जिससे करोड़ों व्यक्ति अछूत माने जाने लगे थे। आर्यसमाज जन्म के आधार पर छूत - अछूत नहीं मानता। आर्यसमाज की इस बात को देश स्वीकार करने को तैयार नहीं था, मौलाना मोहम्मद अली ने प्रधान के नाते कांग्रेस की ओर से हल बताया कि इन 7 करोड़ अछूतों को हिंदू और मुसलमान आधे-आधे बांट लें। इस बात का जोरदार विरोध किया स्वामी श्रद्धानंद ने। उन्होंने बताया कि अछूत समान दर्जे के अधिकारी हैं। उन्हें जालिमों ने दलित बना दिया है। उनके उत्थान के लिए काम होना चाहिए। स्वामीजी ने दलितोद्धार सभा बनाई और काम आरम्भ कर दिया। स्वामीजी के प्रयत्नों से अछूत कहे जाने वाले करोड़ों व्यक्ति विधर्मी बनाए जाने से बच गये और आज तक वे अपने पूर्वजों के धर्म पर टिके हुए हैं। स्वामी श्रद्धानन्द जी के कारण ही आज देशभक्ति, शुद्धि, दलितोद्धार आदि काम आर्यसमाज के प्रबल अंग बने हुए हैं।

कांग्रेस, ख़िलाफ़त, शुद्धि और दलितोद्धार के कामों से करोड़ों व्यक्तियों का विश्वास स्वामी श्रद्धानन्द पर जमा। देश ने स्वामीजी को सबसे बड़ा गौरव और सम्मान दिया। यह बातें हैं सन 1921-22 की। उस समय नेता समझे जाते थे महात्मा गांधी, अली ब्रदर्स, मोतीलाल नेहरू, अब्दुल कलाम आजाद आदि। अपने साहस, कुशलता, तप और त्याग द्वारा स्वामी श्रद्धानन्द का इस प्रकार राष्ट्रीय मैदान मारना इन नेताओं को नहीं भाया। यह नेता तिलक और जिन्ना को उग्रवादी तथा लाला लाजपतराय, एनी बेसेण्ट, मालवीयजी आदि को हिन्दूवादी कहकर पीछे ढकेल देते थे। वे उपाय करने लगे कि कैसे स्वामी श्रद्धानन्दजी के उभरते व्यक्तित्व को पीछे फेंका जाए।

उधर अंग्रेज भी चिंतित था कि आर्यसमाज की असन्दिग्ध देशभक्ति और बेजोड़ राष्ट्रीय सेवाओं से। आर्यसमाज के नेताओं को वह देख चुका था। लाला लाजपतराय को जलियांवालाबाग में, स्वामी श्रद्धानन्द को चांदनी चौक में, लाठियों, गोलियों और संगीनों के सामने सीना ताने देखा था। चौरीचौरा में उसके द्वारा हुई हिंसा का प्रतिकार भी वह देख चुका था। गांधी जी ने चौरीचौरा ग्राम के लोगों के प्रतिकार को हिंसा नाम दे, देशभर में चल रहे असहयोग आन्दोलन बन्द करने को कहा, युवकों ने गांधीजी की नहीं मानी और अंग्रेजों से सहयोग करने से इन्कार कर दिया। हिंसा का प्रतिकार हर सम्भव उपायों से किया जायेगा, ऐसा युवकों ने व्रत लिया। उनका नेतृत्व कर रहे थे आर्यसमाज के युवक रामप्रसाद बिस्मिल, चन्द्रशेखर आज़ाद, सरदार भगतसिंह आदि।

अंग्रेजों ने देखा कि देश छोड़ने के दिन समीप आ रहे हैं। उन्होंने यह भी देखा कि आर्यसमाज किसी भी मूल्य पर उनसे समझौता नहीं कर सकता। तब उन्होंने एक योजना बनाई। हिन्दू-मुसलमानों को लड़ाने की। उसने मुसलमानों को थपथपाया। फिर क्या था? देखते ही देखते देश भर में और विशेष कर मालाबार आदि में मुसलमान दंगे मचाने लगे। 1922-23 में इन दंगों से हिंदुओं को अपार क्षति पहुंची। स्वामी श्रद्धानन्द चाहते थे कि कांग्रेस अंग्रेज और दंगाइयों का भण्डा फोड़ें, ताकि जनता को सही ज्ञान हो। वह इनकी सहानुभूति न करें और दंगे समाप्त हों। स्वामी श्रद्धानन्दजी की बात बहरे कानों में पड़ी। गांधीजी ने कहा कि मालाबार के अत्याचारों के पीछे अंग्रेजों का हाथ था-मुसलमानों का क्या दोष ?

कांग्रेस ने एक समिति बनाई 1923 में हुए दंगों के कारणों को जानने के लिए। समिति के अध्यक्ष बने थे मोतीलाल नेहरू और उनके सदस्यों में एक थे मौलाना अब्दुल कलाम आजाद। मोतीलाल नेहरू ने रिपोर्ट दी कि हिन्दू-मुसलमानों के दंगों के कारण हैं-स्वामी श्रद्धानन्द।

इस रिपोर्ट को लेकर फ़सादी मुसलमान, सत्ता के भूखे नेता और अंग्रेज़ अधिकारी तीनों ने मिलकर शोर मचाना आरम्भ कर दिया। इनके निरन्तर गन्दे प्रचार से स्वामी श्रद्धानन्दजी की उभरती छवि विकृत बन गई। पागल अब्दुल रशीद ने उनकी हत्या कर दी। प्रकट रूप से अब्दुल रशीद को सज़ा दी गयी। परन्तु इसके पीछे कातिल दिमाग हत्यारा कौन? यह प्रश्न आज भी ज्यूं का त्यूं खड़ा है।

-पंडित गंगाराम वानप्रस्थी
स्वतंत्रता सेनानी

जर्मनी : क्रिसमस बाजार हमले में घायल लोगों में 7 भारतीय भी, नागरिकों के संपर्क में दूतावास

बर्लिन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

जर्मनी के एक शहर मैगडेबर्ग में बेकाबू कार के हमले में घायल हुए लोगों में सात भारतीय नागरिक भी हैं। भारतीय नागरिकों को गंभीर चोटें नहीं आई हैं और प्राथमिक इलाज के बाद इन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। भारतीय दूतावास ने कहा है कि वो घायल हुए सभी लोगों के संपर्क में है।

भारत ने जर्मनी के मैगडेबर्ग में हुई इस हमले की निंदा की है। भारतीय दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हम जर्मनी के मैगडेबर्ग में क्रिसमस बाजार में हुए भयानक और संवेदनहीन हमले की निंदा करते हैं।

कई बहुमूल्य जानें चली गईं और कई घायल हो गए। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों के साथ हैं। बयान में कहा गया है कि उनका मिशन घायल भारतीयों और उनके परिवारों के संपर्क में है और हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है।

बतादें कि जर्मनी की राजधानी बर्लिन से 150 किमी दूर एक शहर मैगडेबर्ग में शुक्रवार शाम क्रिसमस बाजार में एक बेकाबू कार ने लोगों को रौंदा था। इस घटना में दो लोगों की मौत हुई थी और 60 से ज्यादा घायल हुए थे। इस घटना के आरोपित सउदी अरब के निवासी तालेब ए. पेशे से एक डॉक्टर है और पिछले 18 साल से जर्मनी में रह रहा है। पुलिस आरोपित को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

टायर फटने से अनियंत्रित बस ट्रक से टकराई, 37 की मौत, कई घायल

साओ पाउलो। दक्षिण-पूर्वी ब्राजील के राज्य मिनास गेरैस में एक बस और ट्रक की टक्कर में 37 लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर अग्निशमन विभाग पहुंच गया। इस हादसे में कई लोग घायल हुए हैं और उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है कई की हालत गंभीर है। मीडिया रिपोर्ट में अग्निशमन विभाग ने बताया कि बस साओ पाउलो से रवाना हुई और इसमें 45 यात्री सवार थे। टायर फटने से बस अनियंत्रित हो गई और एक ट्रक से टकरा गई। बचाव दल के कर्मी दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव अभियान चलाया। कई घायलों को भर्ती कराया गया है।

वॉट्सऐप ने अमेरिका में जीता केस भारत में 300 लोगों की फोन टैपिंग के थे आरोप

वॉशिंगटन। वॉट्सऐप ने पेगासस स्पाइवेयर बनाने वाली कंपनी एनएसओ ग्रुप के खिलाफ दायर मुकदमे में जीत हासिल की है। अमेरिकी कोर्ट में चल रहे इस मामले में जज ने व्हाट्सएप के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि इस इजरायली कंपनी ने अमेरिकी हैकिंग कानूनों और वॉट्सऐप की सेवा शर्तों का उल्लंघन किया है। वॉट्सऐप की जीत के साथ ही उसका यह दावा साबित होता है कि 1400 लोगों के फोन हैक किए गए। इन 1400 लोगों में से 300 प्लस भारत के हैं। मेटा के मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप ने कहा था कि मई 2019 में पेगासस के जरिए फोन हैक किए गए। एनएसओ को मेटा को कितना जुर्माना देना होगा, यह अगले साल तय होगा। मगर इसी के साथ भारत में फोन टैपिंग पर फिर से बहस शुरू हो सकती है। 2021 में पेगासस का इस्तेमाल 300 से ज्यादा भारतीय मोबाइल नंबरों पर करने का दावा किया था जिसमें मोदी सरकार के दो मौजूदा मंत्री, तीन विपक्षी नेता, कई पत्रकार और कारोबारी शामिल थे. हालांकि सरकार ने इसका खंडन किया था। पेगासस बनाने वाली कंपनी का कहना है कि वह केवल सरकारों और सरकारी एजेंसियों से ही डील करता है। अब जब अमेरिकी कोर्ट में एनएसओ केस हार गया है तब एक बार फिर भारत में इसकी पुरानी फाइलें खोली जा सकती हैं। हालांकि 2021 में आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था, भारत के निगरानी कानून यह सुनिश्चित करते हैं कि अनऑथराइज सुपरविजन न हो और टैपिंग की बातें गलत हैं।

त्रिपक्षीय बैठक पर भड़का उत्तर कोरिया कहा- ये तो शांति का अपमान है

टोक्यो। हाल ही में टोक्यो में हुई त्रिपक्षीय हिंद-प्रशांत बैठक की उत्तर कोरिया ने तीखी आलोचना करते हुए कहा कि दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान हुई इस बैठक ने शांति का अपमान किया है। उत्तर कोरिया के आधिकारिक समाचार पत्र ने इस वार्ता को शांति का अपमान करार दिया और अमेरिका को शांति नष्ट करने वाला गैंगस्टर जैसा देश बताया। प्योंगयांग ने आरोप लगाया कि अमेरिका का इतिहास पूरी दुनिया में युद्धों और हस्तक्षेपों से भरा हुआ है, और उसकी विदेश नीति का मुख्य उद्देश्य शांति और सुरक्षा को खत्म करना है। त्रिपक्षीय बैठक के दौरान, तीनों देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा की। सोल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस वार्ता का उद्देश्य क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना और उत्तर कोरिया के परमाणु व मिसाइल खतरों के खिलाफ सुरक्षा रणनीति को सुदृढ़ करना था। जनवरी में हुए उद्घाटन सत्र के बाद यह बैठक अपने प्रकार की दूसरी त्रिपक्षीय वार्ता थी। उत्तर कोरिया ने इन वार्ताओं को अपने खिलाफ उकसावे की कार्रवाई बताया। उसका कहना है कि अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया का यह गठबंधन क्षेत्र में सैन्य तनाव को बढ़ाने का प्रयास है। प्योंगयांग ने इसे अपनी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा करार दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर कोरिया की आलोचना उसके बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अलगाव और आर्थिक दबाव का परिणाम है।

अमेरिकी फाइटर जेट पर किसने दाग दी मिसाइल, जेट के पायलट सुरक्षित निकले

वॉशिंगटन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी फाइटर जेट पर मिसाइल से हमला हुआ, लेकिन राहत की बात यह रही कि जेट के दोनों ही पायलट सुरक्षित बच निकले। सवाल यह हो रहा है कि आखिर अमेरिकी फाइटर जेट पर हमला किया किसने आखिर किसकी इतनी हिम्मत हो गई कि यूं हवा में हमले करने लगा है

ऐसे में जवाब के तौर पर खुलासा किया जा रहा, कि रविवार को अमेरिकी नौसेना की एक दुर्लभ गलती के चलते ही उसके ही एफ/ए-18 फाइटर जेट को निशाना बनाया गया है। यह घटना लाल सागर में यमन के हूती विद्रोहियों पर एयरस्ट्राइक के दौरान हुई। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। इनमें से एक को मामूली चोटें आई हैं।

इस घटना की जानकारी देते हुए अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया, कि यह हादसा गलती से हुआ। यूएसएस हैरी एस. ट्रूमन एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भरने वाले फाइटर जेट पर यूएसएस गेटिसबर्ग मिसाइल क्रूजर ने गलती से हमला कर दिया। यहां बताते चलें कि यूएसएस गेटिसबर्ग एक गाइडेड मिसाइल क्रूजर है, जिसे दुश्मन के विमानों और मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने के लिए तैनात किया गया है।

हूती विद्रोहियों पर अमेरिका की एयरस्ट्राइक

अमेरिकी सेना ने शनिवार देर रात यमन की राजधानी सना में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमला किया था। इन हमलों में विद्रोहियों के मिसाइल स्टोरेज और कमांड सेंटर को निशाना बनाया गया था। अमेरिकी नौसेना ने बताया कि ये हमले दक्षिणी लाल सागर, बाब अल-मन्देब और अदन की खाड़ी में अमेरिकी युद्धपोतों और कार्गो शिप्स पर हूती विद्रोहियों के हमलों को रोकने के लिए किए गए हैं। सेना ने यह भी जानकारी दी कि उन्होंने हूतियों के कई ड्रोन और एक क्रूज मिसाइल को मार गिराया है।

हमलों में आई तेजी से उठे सवाल

अमेरिका और ब्रिटेन ने हाल के महीनों में यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ अपने हमले तेज कर दिए हैं। अमेरिकी सेना ने पहले घोषणा की थी कि उनका एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस ट्रूमन 15 दिसंबर को मध्य-पूर्व पहुंच गया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया था कि उसे लाल सागर में तैनात किया गया है।

इसके बाद से हमलों में तेजी देखी गई है। इसलिए अमेरिका के हमलों को लेकर भी अब सवाल उठाए जा रहे हैं।

हमले की यह ताजा घटना अमेरिकी सेना के अभियानों में सावधानी और तकनीकी दक्षता की आवश्यकता को रेखांकित करती है। घटना की जांच जारी है।

पश्चिमी सूडान में संघर्ष 782 को उतारा मौत के घाट, हजारों लोग फंसे

जिनेवा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एलफशर में जारी संघर्ष और घेराबंदी ने मई 2024 से अब तक 782 लोगों की जान ले ली है, जबकि 1,143 से अधिक घायल हुए हैं। संघर्षरत पक्षों ने घरों और बाजारों को लड़ाई के लिए इस्तेमाल किया, जिससे आम नागरिक गोलियों और बमबारी की चपेट में आ गए। कई लोगों ने अपने घरों, बाजारों और अस्पतालों के आसपास जान गंवाई। हजारों लोग शहर में फंसे हुए हैं, जबकि सुरक्षित निकासी की कोई गारंटी नहीं है। अंधाधुंध हमलों के कारण स्थिति और भी गंभीर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने इस भयावह स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान आवासीय इलाकों में लड़ाई तेज हो गई, जिसमें बाजारों पर हमले और लूटपाट भी शामिल थी। उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने बयान में एल फशर की घेराबंदी समाप्त करने और नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमले रोकने की अपील की। उन्होंने संघर्षरत पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानूनी दायित्वों का पालन करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। तुर्क ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की, ताकि स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सके। सूडानी सेना और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच 18 महीने से अधिक समय से जारी इस संघर्ष ने एक गंभीर मानवीय संकट को जन्म दिया है।

गाजा में अस्पताल और स्कूल पर इजराइली हमला, 8 लोगों की मौत

गाजा। इजरायली सेना ने गाजा के उत्तरी क्षेत्र में बरेली फंक्शनिंग कमाल अदवान अस्पताल और अल-अवदा अस्पताल पर हमला किया है, जिससे वहां पहले से ही मौजूद मानवीय संकट और बढ़ गया है। इसके साथ ही, उत्तरी हिस्से में एक स्कूल पर भी हमला किया गया है। जिसमें कम से कम 8 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। ये हमले ऐसे समय पर हो रहे हैं जब संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में मानवीय स्थिति को दम घोंटने वाला बताया है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि गाजा में जारी घेराबंदी मानवीय राहत प्रयासों को बाधित कर रही है। अस्पतालों और स्कूलों जैसे नागरिक स्थलों पर हो रहे हमलों ने हालात को और बिगाड़ दिया है। कमाल अदवान अस्पताल में पहले से ही भारी दबाव था, लेकिन इजरायली सेना के आदेश पर वहां मौजूद लोगों को परिसर खाली करने को कहा गया।

तोड़ दिया अपना ही रिकार्ड

ताइवान में महिला भारोत्तोलक चेंग चेंग चिन ने 45 किलो वजन उठाकर अपना ही एक रिकार्ड तोड़ दिया।

बांग्लादेश ने तुर्की से खरीदा घातक यूएवी, कर दिया सीमा पर तैनात

ढाका, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के अंदरूनी हालात किसी से छिपे नहीं हैं। मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में बनी अंतरिम सरकार में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार हमले हो रहे हैं। लेकिन इस बीच बांग्लादेश ने पश्चिम बंगाल से लगती सीमा पर तुर्की में बने ड्रोन को तैनात कर दिया है। बांग्लादेश की तरफ से उठाए गए रणनीतिक कदमों के जवाब में, भारत ने भी बांग्लादेश सीमा के पास अपने मानव रहित हवाई वाहनों को तैनात किया है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब बांग्लादेश ने उसी क्षेत्र में तुर्की में बने बायराक्टर को तैनात किया है, जो दोनों देशों के बीच सीमा सर्विलांस और सिक्योरिटी के नए हालात को बयान करता है।

भारत द्वारा यूएवी की तैनाती को बांग्लादेश और अन्य क्षेत्रीय देशों के लिए एक रणनीतिक संकेत के रूप में भी देखा जा सकता है, जो भारत की किसी भी संभावित सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने की तैयारी और ताकत को दिखाता है। हालांकि, दोनों देशों ने सार्वजनिक रूप से अपनी बयानबाजी को नहीं बढ़ाया है, लेकिन ऐसे सैन्य कदम या तो तनाव बढ़ा सकते हैं या आपसी सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा करने के लिए कूटनीतिक वार्ताओं को प्रेरित कर सकते हैं। भारत के सशस्त्र बल, विशेष रूप से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), संभवतः ड्रोन विरोधी अभियानों को तेज करेंगे। इसमें एंटी-ड्रोन सिस्टम की तैनाती, रडार क्षमताओं को बढ़ाना, या यहां तक कि आक्रामक प्रतिकार के लिए अपने ड्रोन का उपयोग करना शामिल हो सकता है।

राहत सामग्री लेने की मची होड़ के दौरान भगदड़, बच्चों समेत 10 की मौत

अबूजा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

नाइजीरिया मैतामा जिला स्थित स्थानीय चर्च में राहत सामग्री वितरण के दौरान मची भगदड़ में चार बच्चों समेत कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। संघीय राजधानी क्षेत्र में पुलिस के प्रवक्ता जोसेफिन एडेह ने एक बयान में कहा कि क्रिसमस समारोह से पहले भोजन और कपड़ों सहित राहत सामग्री के वितरण के दौरान शनिवार को मैतामा में होली ट्रिनिटी कैथोलिक चर्च में अफरा-तफरी मच गई, जिसमें आठ अन्य लोग घायल हो गए। एडेह ने कहा, घायलों में से चार का इलाज किया गया और उन्हें छुट्टी दे दी गई, जबकि बाकि पीड़ितों को वर्तमान में चिकित्सा देखभाल मिल रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने एक हजार से अधिक की संख्या में भीड़ को सफलतापूर्वक हटा दिया। नाइजीरिया के कैथोलिक सचिवालय के प्रवक्ता पाद्रे माइक न्सिकक उमोह ने बताया कि

इस कार्यक्रम में आस-पास के गांवों और कम आय वाले उपनगरों से 3,000 से अधिक लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि इस दुखद घटना के बाद पैलिएटिव डिस्ट्रिब्यूशन (विशेष चिकित्सीय सुविधा जो गंभीर बीमारी के दर्द और अन्य लक्षणों से राहत प्रदान करने पर केंद्रित है) निलंबित कर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार्यक्रम शनिवार सुबह 7 बजे से 8 बजे के बीच शुरू होने वाला था, इसके बावजूद कई लोग स्थानीय समयानुसार सुबह 4 बजे ही पहुंच गए। एक अलग बयान में नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला टीनूबू ने दक्षिण-पूर्वी राज्य अनाम्ब्रा के एक शहर ओकिजा में शनिवार सुबह एक और भगदड़ की पुष्टि की, जहां स्थानीय लोगों को चावल वितरित करने की पहल घातक साबित हुई। पीड़ितों के सम्मान में अपने आधिकारिक कर्तव्यों को रद्द करते हुए टीनूबू ने कहा, दोनों त्रासदियों ने कई लोगों की जान ले ली और कई अन्य घायल हो गए।

दुबई हवाई अड्डे छुट्टियों की भीड़ से निपटने के लिए तैयार: मोहम्मद अल मरी

दुबई। दुनिया भर के पर्यटकों की पहली पसंद दुबई बनता जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात के शहर दुबई, भारत से हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है। 2023 में अकेले भारत से 60 लाख से अधिक पर्यटक दुबई पहुंचे थे। पर्यटकों की भीड़ से निपटने के लिए दुबई प्रशासन ने कमर कास की है। दुबई के जनरल डायरेक्टरेट ऑफ रेजिडेंसी एंड फॉरेन अफेयर्स (ज़ीडीआरएफ़ए) ने घोषणा की है कि छुट्टियों के मौसम में पर्यटकों की भारी भीड़ से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ज़ीडीआरएफ़ए के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद अल मरी ने दुबई हवाई अड्डों की कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिए निरीक्षण के दौरान यह जानकारी दी। निरिक्षण में उनके साथ मेजर जनरल तलाल अल शनकिती और कैप्टन जुम्मा बिन सुबिह भी मौजूद थे। यात्रियों के लिए विशेष प्रयास लेफ्टिनेंट जनरल अल मरी ने निरीक्षण के दौरान पासपोर्ट अधिकारियों के कार्यों की सराहना की और कहा कि यात्रियों की प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता सराहनीय है। उन्होंने कहा, दुबई रेजिडेंसी विभाग सभी यात्रियों की सेवा के लिए पूरी तरह तैयार है। निरिक्षण के दौरान एक विशेष पहल बच्चों के लिए भी की गई। बच्चों को एक विशेष पासपोर्ट प्लेटफॉर्म के जरिए अपने पासपोर्ट पर मुहर लगाने का अवसर दिया गया, जिससे उनका अनुभव और भी अनोखा और आकर्षक बना। दुबई के ये प्रयास इसे एक वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा हैं। दुबई हवाई अड्डे हर साल लाखों यात्रियों का स्वागत करते हैं, और छुट्टियों में यह आकड़ा बहुत बढ़ जाता है।

मेलबर्न टेस्ट में अहम भूमिका निभाएंगे विराट : बांगड़

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि मेलबर्न में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में विराट कोहली अहम भूमिका निभाएंगे। बांगड़ ने कहा कि विराट ने अतीत में भी मेलबर्न मैदान (एमसीजी) पर काफी रन बनाये हैं।

ऐसे में वह इस बार भी अवसर का इस्तेमाल करते हुए बड़ी पारी खेलेंगे। साथ ही कहा कि विराट के पास इस अवसर का उपयोग कर लय हासिल करना रहेगा। वह एक बार फिर अपने पर कायम भरोसे को बरकरार रखेंगे। इस सीरीज में अब तक कोहली का फॉर्म मिला-जुला रहा है। पर्थ में उनके शतक ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई पर इसके अलावा वह कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

6 पारियों में 30 की औसत से केवल 126 रन बनाने वाले कोहली निरंतरता के लिए जाने जाते हैं जिसमें वह विफल रहे। अपने पर्थ शतक को छोड़कर उन्होंने 5 पारियों में केवल 26 रन बनाए हैं।

टेस्ट सीरीज में कोहली एक बार फिर से ऑफ-स्टंप के बाहर की गेंदों पर विकेट गंवाते दिखे हैं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इस कमजोरी का पूरा लाभ उठाया है। बांगड़ का मानना है कि क्रीज पर धैर्य और शांत रवैया अपनाकर कोहली इस समस्या से बच सकते हैं। बांगड़ ने कहा कि कभी-कभी आपको एक बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति को थोड़ा नियंत्रण में रखने की आवश्यकता होती है।

जब आप खेल के प्रति थोड़ा समर्पण करते हैं, थोड़ा समय बिताते हैं, कुछ समय के लिए बीच में आराम करते हैं, गेंदबाज के आपके पास आने का इंतजार करते हैं, और खुद गेंदबाज के पास नहीं जाते हैं, यह एक बड़े खिलाड़ी की निशानी है।

एमसीजी का मैदान पर कोहली के लिए रन लेकर आता है। इस मैदान पर वो 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं। 2014 के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उन्होंने इसी मैदान पर 169 रन बनाए थे। मेलबर्न की पिच उछाल के लिए जानी जाती है, ऐसी परिस्थितियां अक्सर कोहली को रास आती हैं।

बांगड़ ने कहा कि कोहली को अपने फ्रंट पैड के करीब गेंदों को खेलने पर ध्यान देने की जरूरत है, एक ऐसा तरीका जो उन्हें लय और प्रवाह हासिल करने में मदद कर सकता है। जितनी संभव हो उतनी गेंदें अपने फ्रंट पैड के करीब खेलें और फिर रन बनेंगे।

न्यूज ब्रीफ

रोहित को अभ्यास सत्र में लगी चोट , टीम इंडिया की चिन्ताएं बढ़ीं

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को यहां शनिवार को हुए अभ्यास सत्र में चोट लग गयी। जिससे भारतीय खेमा चिन्तित हो गया। चौथा टेस्ट मैच 26 दिसंबर से एमसीजी में खेला जाएगा। इसके लिए अभ्यास के दौरान ही रोहित के घुटने में चोट लग गयी। भारतीय टीम के थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट दयानंद गरानी की फेंकी हुई गेंद रोहित के बांए घुटने में लगी। इससे रोहित शर्मा दर्द से परेशान दिखे। फीजियो ने तत्काल ही आईसपैक लगाया। रोहित चलने में परेशानी हो रही थी पर कुछ समय बाद ही वह ठीक नजर आये। ऐसे में उम्मीद है कि रोहित मेलबर्न टेस्ट तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। रोहित अगर किसी कारण से ये टेस्ट नहीं खेल पाते हैं तो एक बार फिर जसप्रीत बुमराह कप्तानी करते दिख सकते हैं। बुमराह ने पहले टेसट में भी कप्तानी की थी। रोहित का प्रदर्शन इस सीरीज में अच्छा नहीं रहा है। वह तीन पारियों में 6.33 के औसत से केवल 19 रन बना पाये हैं। रोहित पहले टेस्ट में टीम में नहीं थे जबकि दूसरे टेस्ट की दोनो पारियों को मिलाकर वह 9 रन ही बना पाये। वहीं तीसरे टेस्ट में भी वह विफल रहे और केवल 10 रन ही बना पाये थे। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह चौथे टेस्ट में बड़ी पारी खेलेंगे।

अर्जुन की शानदार गेंदबाजी से गोवा ने विजय हजारे ट्रॉफी में ओडिशा को हराया

मुम्बई। अर्जुन तेंदुलकर की शानदार गेंदबाजी से गोवा की टीम ने विजय हजारे ट्रॉफी में ओडिशा को हरा दिया। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने इस मैच में ओडिशा के खिलाफ 10 ओवर में ही 61 रन देकर 3 विकेट लिए। अर्जुन ने अपना पहला विकेट 41वें ओवर में अभिषेक राउत का लिया। अभिषेक केवल 7 रन ही बना पाये। वहीं अगले ओवर में उन्होंने कार्तिक बिस्वाली को आउट किया। कार्तिक ने 49 रन बनाये थे। अर्जुन ने राजेश मोहंती को 6 रन पर आउट कर अपना तीसरा विकेट लिया। अर्जुन के इस प्रदर्शन से गोवा ने ओडिशा को 344 रन पर ही समेट कर 27 रनों से मैच जीत लिया। इससे पहले अर्जुन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में विफल रहे थे और इसी कारण से उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। दर्शान मिसाल की कप्तानी वाली गोवा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 371 रन बनाये। गोवा की ओर से ईशान गाडेकर ने सबसे ज्यादा 93 रन बनाए। वहीं सुयश प्रभुदेसाई ने 22 गेंदों में नाबाद 74 रन बनाए।

पंजाब किंग्स को आईपीएल खिताब जिताने का प्रयास करेंगे श्रेयस अय्यर

मुम्बई। आईपीएल 2025 सत्र के लिए पंजाब किंग्स टीम के कप्तान बने श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह टीम को खिताब जिताने का पूरा प्रयास करेंगे। अय्यर को मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। श्रेयस की कप्तानी में ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने साल 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में उनका प्रयास लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतकर रिकार्ड बनाना रहेगा। इस साल 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने से भी श्रेयस के हौंसले बुलंद हैं। कि उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्ग को खिताब दिलाना है। वह नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। अब तक खिताब नहीं जीत पायी पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में इसी कारण उन्हें खरीदा है। श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक शानदार वर्ष रहा है, उनकी कप्तानी में टीमों ने 4 ट्रॉफियां जीतीं। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टीम ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों को लेकर अय्यर आगामी आईपीएल सत्र को लेकर उत्साहित हैं। अय्यर ने एक वीडियो में कहा कि सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने के बाद यह एक अवास्तविक एहसास है। पर्दे के पीछे बहुत मेहनत की गई, और लड़कों ने अपने प्रदर्शन में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब, हम हैं इस हिस्से के साथ काम पूरा हो चुका है और अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

भारतीय टीम ने जीता महिला अंडर 19 एशिया कप 2024 का खिताब, फाइनल में बांग्लादेश को दी मात

कुआलालम्पुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला अंडर 19 टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार आयोजित महिला अंडर 19 एशिया कप 2024 का खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को मलेशिया के कुआलालम्पुर में खेले गए फाइनल मैच में भारतीय टीम ने बांग्लादेश महिला अंडर 19 टीम को 41 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया।

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 117 रन का स्कोर बनाया। इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम सिर्फ 76 रन के स्कोर पर ढेर हो गई। इस तरह भारतीय टीम ने पहले संस्करण का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश महिला अंडर 19 टीम ने टॉस जीता और गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 117 रन बनाए। भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन सलामी बल्लेबाज गोंगाडी त्रिशा ने बनाए। उन्होंने 47 गेंदों पर 52 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। त्रिशा के अलावा मिथिला विनोद ने 17 रन, कप्तान निकी प्रसाद ने 12 रन, आयुषी शुक्ला ने 10 रन और जी कमालिनी ने 5 रन का योगदान दिया।

बांग्लादेश की तरफ से फरजाना इस्मिन ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए, जबकि निशिता अक्तेर निशि को दो और हबीबा इस्लाम को एक विकेट मिला।

इसके बाद 118 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश महिला अंडर 19 टीम 18.3 ओवर में 76 रनों पर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए जुएरिया फिरदौस ने 30 गेंदों पर सबसे ज्यादा 22 रन बनाए और सलामी बल्लेबाज फहोमिदा चोया ने 18 रन बनाए। इनके अलावा बाकी की कोई बल्लेबाज दोहरे अंकों तक भी नहीं पहुंच सकीं।

भारतीय टीम की ओर से स्पिनर आयुषि शुक्ला ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। सोनम यादव और परुणिका सिसोदिया ने दो-दो विकेट लिए, जबकि वीजे जोशिथा को एक विकेट मिला।

पंड्या विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबलों में खेलेंगे : मोरे

मुम्बई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबलों में शामिल किया जाएगा। पंड्या को त्रिपुरा के खिलाफ पहले मैच में नहीं उतारा गया था इससे कई सवाल उठ रहे थे। इसी को देखते हुए बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन की क्रिकेट इंप्रूवमेंट कमेटी के सदस्य किरण मोरे ने पंड्या के नहीं खेलने का कारण बताया। हार्दिक ने करीब 14 महीने से कोई एकदिवसीय मैच नहीं खेला है। उन्होंने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच 19 अक्टूबर 2023 को बांग्लादेश के खिलाफ पुणे में खेला था। उस मैच में उनका टखना चोटिल हो गया था। जिसके बाद से ही वह फिटनेस के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। मोरे ने कहा, ' उन्होंने हमें बताया है कि वह नॉकआउट स्तर से खेलेंगे।' वहीं बीसीसीआई चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने पहले ही खिलाड़ियों को साफ कर दिया था कि जो भी खिलाड़ी टीम से बाहर हैं और फिट हैं उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। इसी कारण हार्दिक हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा की ओर से खेलने के लिए उतरे थे। उसमें पंड्या ने 7 मैचों में 246 रन बनाने के साथ साथ 6 विकेट भी लिए थे।

धवन, कार्तिक और अश्विन सहित 9 भारतीय खिलाड़ियों ने इस साल सभी प्रारुपों से संन्यास लिया

मुम्बई। इस साल भारतीय टीम के करीब एक दर्जन खिलाड़ियों ने संन्यास लिया। इसमें शिखर धवन और दिनेश कार्तिक से लेकर कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविन्द्र जडेजा और अंत में आर अश्विन हैं। धवन, कार्तिक और अश्विन सहित 9 खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास लिया है। वहीं रोहित , विराट और जडेजा ने टी20 प्रारुप को अलविदा कहा है ये एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप खेलते रहेंगे। इसके अलावा इस सूची में वह खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम मैच खेलने को मिले हैं।

प्रीमियर लीग फुटबॉल

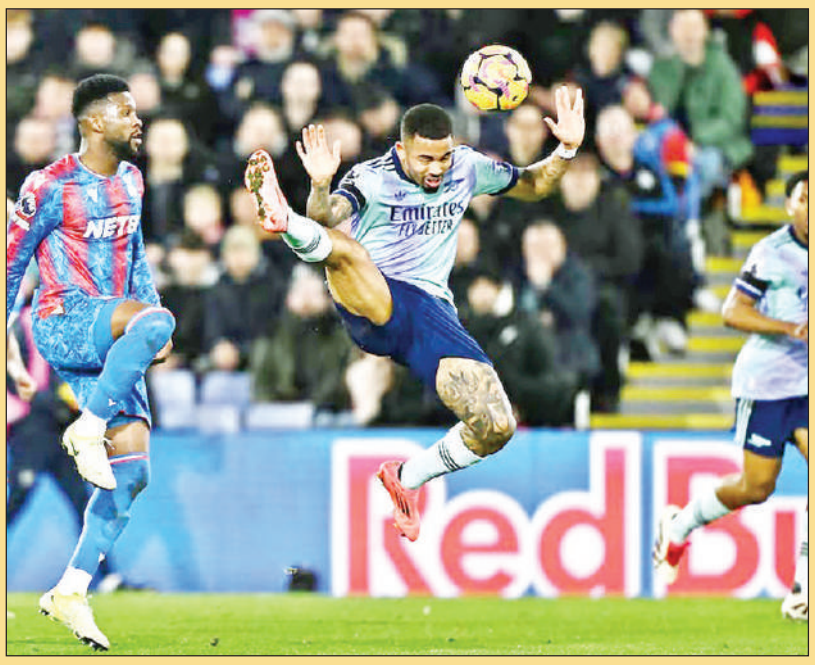

लंदन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए क्रिस्टल पैलेस और आर्सेनल के खिलाड़ी।

अश्विन के सामने नहीं टिक पाने से शर्मिंदा महसूस नहीं करता : एबेल

लंदन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

इंग्लैंड की काउंटी टीम समरसेट के क्रिकेटर टॉम एबेल ने भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनकी गेंद पर आउट होने में शर्म की कोई बात नहीं होती। एबेल ने कहा कि अश्विन महानतम गेंदबाज है। और उनका सामना करना बेहद कठिन होता है। इस क्रिकेटर ने काउंटी क्रिकेट में खेले गए एक मुकाबले को याद किया है। साल 2019 में समरसेट और नॉटिंघमशायर के बीच एक मैच उनका सामना अश्विन से हुआ था। काउंटी में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी वह अश्विन की गेंदों के सामने टिक नहीं पाए।

अश्विन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद एबेल ने अश्विन के साथ अपने उस मुकाबले को याद किया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें अश्विन से मुकाबले में अपना विकेट खोने में कोई शर्म नहीं है। एबेल ने कहा कि मैंने टीवी पर अश्विन को भारतीय टीम के लिए गेंदबाजी करते हुए देखा है। वह अब तक खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से एक है। वह महान ऑफ-स्पिन गेंदबाज है। उनके सामने कोई भी बल्लेबाज अपने को परख सकता है। मुझे अश्विन जैसी गुणवत्ता वाले खिलाड़ी के खिलाफ खेलने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात रही है। इसलिए आउट होने का कोई मलाल नहीं है।

अश्विन ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया, जिससे रेड-बॉल क्रिकेट में एक शानदार करियर की शुरुआत हुई। उन्होंने 106 टेस्ट मैचों में शानदार 537 विकेट लिए। वह 37 बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं जबकि उन्होंने 3,503 रन भी बनाये हैं। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 टेस्ट खेले, जिसमें 2.71 की प्रभावशाली इकॉनमी रेट से 115 विकेट लिए।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर पीसीबी की मुश्किलें बढ़ीं, न्यूजीलैंड ने सुरक्षा हालातों पर सवाल उठाये

लाहौर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।

अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने जहां सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को पाक भेजने से इंकार कर दिया था। वहीं अब न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भी पाक में सुरक्षा हालातों पर सवाल उठाये हैं। कीवी बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि वह अपने सुरक्षा विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर ही टीम भेजने पर फैसला करेगा। पीसीबी 1996 के विश्व कप के बाद पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाला है। अब इस प्रकार के हालातों से उसकी मेजबानी खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अन्य टीमें भी हालातों पर सवाल उठा सकती हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने अभी पाक में सुरक्षा का जायजा लेने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजा है। ये प्रतिनिधिमण्डल घरेलू टीम और दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाली त्रिकोणीय सीरीज से पहले सुरक्षा व्यवस्था की जांच करेगा। इस टीम में सुरक्षा विशेषज्ञ रेग डिकासन और न्यूजीलैंड प्लेयर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि ब्रैड रॉडेन शामिल हैं। वे कराची और लाहौर में सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा आईसीसी का एक और प्रतिनिधिमंडल भी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा करने के लिए पाकिस्तान में है। आईसीसी ने कहा है कि 2024-27 चक्र में भारत और पाकिस्तान सभी आईसीसी इवेंट्स में हाइब्रिड मॉडल में खेलेंग। भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाक नहीं जाएगी। वहीं पाक भी 2025 में महिला एकदिवसीय विश्व वर्ल्ड कप और 2026 में टी20 विश्व कप के लिए भारत नहीं जाएगा

ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर होने से हताश हैं मैकस्वीनी

गाबा। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी बॉर्डर गावस्कर सीरीज के अंतिम दो मैचों के लिए टीम में जगह हासिल नहीं कर पाने से बेहद निराश हैं। मैकस्वीनी ने कहा है कि वह बेहद दुखी है पर अपना हौंसला बनाये रखते हुए दोबारा मेहनत कर टीम में जगह बनाएंगे। मैकस्वीनी सीरीज में मिले तीन टेस्ट मैचों में अवसरों का लाभ नहीं उठा पाने के कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अंतिम दो मैचों के लिए जगह नहीं देते हुए युवा सैम कोंटास को अवसर दिया है। मैकस्वीनी ने माना है कि टीम से बाहर होने से वह टूट चुके हैं। मैकस्वीनी ने कहा कि, हां मैं टूट गया हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा सपना सच हुआ पर उस तरह से नहीं, जैसे मैं चाहता था। खेल में ऐसा होता है। मैं कड़ी मेहनत करके अगले अवसरों के लिए अपने को तैयार करूंगा। मैकस्वीनी ने पर्थ में भारतीय टीम के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया पर पिछली 6 पारियों में वह एक बार फिर 39 रनों से ज्यादा नहीं बना पाये। उन्हें सीरीज में चार बार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आउट किया। ऐसे में देखा जाये तो उनके टीम से बाहर जाने में बुमराह का सबसे बड़ा हाथ रहा है। मैकस्वीनी ने कहा कि, क्रिकेट में ऐसा ही है। अवसर मिलने पर अच्छा नहीं खेलने से जगह हाथ से निकल जाती है।

इस साल आईपीओ बाजार में 90 कंपनियों ने रिकॉर्ड 1.6 लाख करोड़ जुटाए

मुंबई,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

आर्थिक वृद्धि की रफ्तार और अनुकूल बाजार परिस्थितियों के साथ, 2024 में आईपीओ के बाजार में भारी चल रही है। इस साल कंपनियों ने आईपीओ के माध्यम से भारी राशि जुटाई है। इस वृद्धि में निवेशकों का भरोसा और नियामकीय ढांचे में सुधार का महत्वपूर्ण योगदान है। साल के दौरान कंपनियों ने आईपीओ के जरिये रिकॉर्ड 1.6 लाख करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। एक्सचेंज के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2024 में 90 आईपीओ आए जिनके जरिये सामूहिक रूप से 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए। माना जा रहा है कि अगला साल भी आईपीओ के लिए काफी अच्छा रहेगा। आईपीओ के लिए असाधारण रहा यह साल न केवल निर्गम लाने वाली कंपनियों के भरोसे को दर्शाता है, बल्कि इससे निवेशकों के विश्वास का भी पता चलता है। आईपीओ ने न केवल निगमों के भरोसे को बल्कि निवेशकों के विश्वास को भी प्रमाणित किया है। निवेशकों ने सिर्फ लाभ कमाने के लिए नहीं बल्कि दीर्घकालिक निवेश के लिए भी कंपनियों में विश्वास जताया है। हुंदै मोटर इंडिया का ऐतिहासिक 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ हुआ है। छोटी, मझोली और बड़ी कंपनियों ने साझेदारी जुटाते हुए धन जुटाया है। निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के साथ आईपीओ के बाजार में आने वाले साल में भी तेजी की संभावना है। साल के तैयारी में हैं कंपनियां, जो आईपीओ के माध्यम से और अधिक धन जुटाने की सोच रही हैं। जब बाजार विश्लेषकों का यह मानना है कि 2025 में आईपीओ से जुटने वाली राशि अब कि आंकड़ों को पार कर सकती है, तो निवेशकों की उम्मीदें और भी ऊंचाई पर चढ़ गई हैं। आगामी साल में भी आईपीओ बाजार ऐसे ही गतिविधियों में आगे बढ़ते रहने की संभावना है।

निवेशकों ने दीर्घकालिक निवेश के लिए भी कंपनियों में विश्वास जताया

न्यूज ब्रीफ

गरीबों की मदद के लिए चावल पर जीएसटी घटायाः निर्मला सीतारमण चावल पर कर दर को 18 से 5 प्रतिशत कम किया जाएगा

जैसलमेर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद बड़े फैसले किए। उन्होंने घोषित किया कि चावल पर कर दर को 18 से 5 प्रतिशत कम किया जाएगा। इसके साथ ही, जीवन रक्षक जीन थेरेपी और एसएएम मिसाइलों के लिए उपयोग होने वाले पुर्जों पर जीएसटी छूट की अवधि भी बढ़ा दी गई है। सभी एसएएम मिसाइलों के निर्माण में उपयुक्त पुर्जों को जीएसटी से छूट दी जाएगी। उन्होंने छोटे व्यवसायों की मदद के लिए कई और कदम उठाए, जैसे 2,000 रुपये से कम के लेन-देन के लिए छूट देना। वित्त मंत्री ने महसूस किया कि ई-कॉमर्स कंपनियों और खाद्य पदार्थों की डिलीवरी सेवाओं पर जीएसटी को लेकर और चर्चा होनी चाहिए। इसके साथ ही, बैठक में और विस्तृत चर्चा की जाएगी। वित्त मंत्री ने उधारकर्ताओं के लिए भी शुल्कों में कई बदलाव की घोषणा की। उन्होंने संशोधन के लिए एक अवधारणा नोट को मंजूरी दी और वस्तुओं की परिभाषा को स्पष्ट करने के उद्देश्य के साथ खुदरा बि के लिए पहले से पैक और लेबल वाली वस्तुओं की परिभाषा में संशोधन किया। इन सभी निर्णयों से सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार करने का निशाना साबित किया है।

घरेलू प्रवासियों की संख्या में कमी आने का अनुमानः ईएसी-पीएम 2023 में घरेलू प्रवासियों की संख्या 40.20 करोड़ रही

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति (ईएसी) की एक रिपोर्ट ने देश में घरेलू प्रवासियों की संख्या में 2011 से 2023 तक 12 प्रतिशत की कमी का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में घरेलू प्रवासियों की संख्या 40.20 करोड़ रही, जो 2011 की जनगणना के अनुसार 11.78 प्रतिशत कम है। ईएसी-पीएम के खास पत्र में इस विषय पर ध्यान दिया गया है। एक पूर्व चेयरमैन ने लिखा है कि यह घटती प्रवासन दर वृद्धि की ओर एक सकारात्मक कदम है। यह बेहतर आर्थिक अवसरों के कारण हो रहा है और इससे देश को आर्थिक वृद्धि में सामर्थ्य मिलेगा। जनगणना 2011 के अनुसार केवल पांच राज्यों में ही कुल प्रवासियों का 48 प्रतिशत हिस्सा है, जिसमें राज्य के भीतरी प्रवासी भी शामिल हैं। प्रवासी संख्या में कमी का अनुमान देश में ला-गई अच्छी सेवाओं और शिक्षा के साथ-साथ उच्च आवृत्ति डेटा का उपयोग करने का परिणाम है। इस स्थिति में, देश को और भी अधिक उन्नति के लिए घरेलू प्रवासियों की सेवाएं सुधारने में महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है। इससे वे अपने परिवारों को सुधारित जीवन प्रदान करके देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दें।

एलआईसी के पास लावारिस पड़े 880 करोड़ रुपए, अब तक लगभग 3,72,282 बीमा पॉलिसियां ली गईं, लेकिन मैच्योरिटी पर पैसे निकलवाए नहीं

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिना दावा किए पड़ी परिपक्वता राशि जो मिली थी, वह 880.93 करोड़ रुपये थी। इस समय तक लगभग 3,72,282 पॉलिसीधारकों ने बीमा पॉलिसियां ली थीं, लेकिन मैच्योरिटी पर पैसे निकलवाए नहीं। अगर किसी पॉलिसीधारक ने तीन साल से अधिक समय तक कोई लाभ नहीं प्राप्त किया तो वो राशि बिना दावा की गई मानी जाती है और अगर पैसा 10 साल से अधिक समय तक बिना दावा के रह जाता है, तो वह पूरी राशि सरकार के सीनियर सिटिजन वेलफेयर फंड में स्थानांतरित कर दी जाती है। लेकिन अनक्लेम्ड राशि होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। एलआईसी अपने पॉलिसीधारकों तक पहुँचने और अनक्लेम्ड राशियों का निपटारा करने के लिए जागरूकता अभियानों और डिजिटल माध्यमों का सहारा ले रही है। अगर आपके भी किसी एलआईसी पॉलिसी पर अनक्लेम्ड पैसा है, तो आपको एलआईसीकार्यालय जाकर आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

गृहयुद्ध छेड़ना...

राहुल ने कहा, हम पहले पिछड़ी जातियों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अल्पसंख्यकों और अन्य वर्गों की सही जनसंख्या और उनकी स्थिति जानने के लिए जातिगत जन-गणना करेंगे। फिर भारत की सम्पत्ति, नौकरियां और अन्य कल्याणकारी योजनाएं इन वर्गों की जनसंख्या के अनुपात में बांटी जाएंगी।

राहुल गांधी ने सरकारी और बड़े उद्योगों में पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों की कम भागीदारी को लेकर भी चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था, देश की 90 प्रतिशत जनसंख्या अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों की है, लेकिन इनका सरकारी नौकरियों और संसाधनों में हिस्सा नहीं है। राहुल गांधी के इस बयान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह कहते थे कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है, खासतौर से मुस्लिमों का। लेकिन अब कांग्रेस कह रही है कि आबादी तय करेगी कि किसे पहले अधिकार मिलेंगे। क्या कांग्रेस अब अल्पसंख्यकों के अधिकार घटाना चाहती है?

दूसरी तरफ इंडी गठबंधन में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने भी कहा है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भारत विरोधी और इस्लामिक कट्टरपंथी संगठनों से साठगांठ कर केरल की वायनाड सीट जीती। सीपीआई (एम) के नेता ए विजयराघवन ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वायनाड सीट से अल्पसंख्यक सांप्रदायिक ताकतों के समर्थन से जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं। विजयराघवन ने वायनाड जिला सम्मेलन में कहा, क्या मुस्लिम सांप्रदायिक गठबंधन के बिना राहुल गांधी दिल्ली पहुंच सकते थे? विजयराघवन ने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी की रैलियों में अल्पसंख्यक चरमपंथी ताकतें सक्रिय रूप से शामिल थीं। उनका दावा है कि कांग्रेस इन संगठनों के सहयोग से अपनी सियासी ताकत बढ़ा रही है। इससे पहले केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भी प्रियंका गांधी पर जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठन के समर्थन से चुनाव लड़ने का आरोप लगाया था।

सुल्तान बाथरी में माकपा के वायनाड जिला सम्मेलन में विजयराघवन ने कहा, वायनाड से दो लोग गए हैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी। वह किसके समर्थन से गए हैं? सांप्रदायिक मुस्लिम गठबंधन के मजबूत समर्थन से। उनके समर्थन के बिना राहुल गांधी का दिल्ली पहुंचना असंभव था। वह विपक्ष के नेता हैं। प्रियंका गांधी के जुलूसों की अगली और पिछली लाइन में कौन थे? अल्पसंख्यकों में सबसे खराब चरमपंथी तत्व उनमें शामिल थे। वे कांग्रेस नेतृत्व के साथ थे। विजयराघवन ने सवाल पूछा कि क्या सांप्रदायिक मुस्लिम गठबंधन के समर्थन के बिना राहुल गांधी या प्रियंका गांधी का दिल्ली पहुंचना संभव था?

सीपीआई का यही रुख पलक्कड़, चेलाक्कारा विधानसभा सीटों और वायनाड लोकसभा सीट पर हुए हालिया उपचुनावों में भी बिल्कुल क्लियर था। सीपीआईएम ने मुस्लिम राजनीतिक संगठनों पर हमला बोला। सीएम पिनाराई विजयन ने आईयूएमएल के राज्य अध्यक्ष सादिक अली शिहाब थंगल को जमात-ए-इस्लामी का कार्यकर्ता बताते हुए कहा था कि जमात-ए-इस्लामी इस्लामी शासन के लिए खड़ी है और चरमपंथी वर्ग इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग में असर डालने की कोशिश कर रहा है। आईयूएमएल केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट का हिस्सा है और राष्ट्रीय स्तर पर इंडी अलायंस का एक हिस्सा है। पिछले महीने वायनाड लोकसभा सीट पर वोटिंग होने से पहले पिनाराई विजयन ने जमात-ए-इस्लामी को कांग्रेस से जोड़ने की कोशिश की थी और कहा था कि इसकी अब सांसद प्रियंका जमात-ए-इस्लामी के समर्थन से चुनाव लड़ रही हैं। वह लोकतंत्र के पक्ष में नहीं है।

द ऑर्डर ऑफ...

सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कारों समेत संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। पीएम मोदी को साल 2016 में अफगानिस्तान द्वारा स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान, फरवरी 2018 में फिलिस्तीन द्वारा ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन, अक्टूबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा यूएन चैंपियन ऑफ द अर्थ अवार्ड दिया गया था। वहीं, अप्रैल 2019 में यूएई द्वारा ऑर्डर ऑफ जायद और अप्रैल 2019 में ही रूस द्वारा ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू अवार्ड से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, पीएम मोदी को जून 2019 में मालदीव से ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ इज़ुद्दीन, अगस्त 2019 में बहरीन द्वारा किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां, दिसंबर 2020 में अमेरिका द्वारा लीजन ऑफ मेरिट, दिसंबर 2021 में भूटान द्वारा ऑर्डर ऑफ द ड्रैगन किंग और इस साल मई में फिजी द्वारा ऑर्डर ऑफ फिजी और पापुआ न्यू गिनी द्वारा ऑर्डर ऑफ लोगोहू से सम्मानित किया गया था।

पिछले साल जून में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने प्रधानमंत्री मोदी को ऑर्डर ऑफ द नाइल पुरस्कार से सम्मानित किया। यह मिस्र का सर्वोच्च राजकीय सम्मान है। मई 2023 में पापुआ न्यू गिनी द्वारा कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू, मई 2023 में कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी, मई 2023 में पलाऊ गणराज्य द्वारा एबाकल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

जुलाई 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फ्रांस ने लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया। यह फ्रांस का सर्वोच्च सम्मान है। पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। लीजन ऑफ ऑनर दुनिया भर के चुनिंदा प्रमुख नेताओं और प्रतिष्ठित हस्तियों को दिया गया है। इनमें दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला, वेल्स के तत्कालीन राजकुमार किंग चार्ल्स, जर्मनी की पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल, संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बुट्रोस बुट्रोस-घाली समेत अन्य शामिल हैं। बीते जुलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू एपोस्टल से सम्मानित किया गया था।

हमारे मामलों ...

लेकिन उसे अपनी भारतीयता खोए बिना ऐसा करना होगा। तभी हम बहुध्रुवीय विश्व में वास्तव में अग्रणी शक्ति के रूप में उभर पाएंगे। जयशंकर को 27वें एसआईईएस श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती नेशनल एमिनेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पुरस्कार का नाम कांची कामकोटि पीठम के 68वें द्रष्टा दिवंगत श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती के नाम पर रखा गया है। विदेश मंत्री इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। जयशंकर ने कहा कि भारत आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। एक तरफ, पिछले दशक ने दिखाया है कि उसके पास क्षमताएं, आत्मविश्वास और सबसे महत्वपूर्ण बात, व्यापक मोर्चों पर विकास को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता है।

जयशंकर ने कहा, लंबे समय से हमारी प्रगति और हमारी परंपराओं की अस्वीकृति के रूप में देखने की शिक्षा दी गई। लेकिन अब, जैसे-जैसे लोकतंत्र मजबूत हुआ है, देश अपनी पहचान फिर से खोज रहा है। भारत एक असाधारण राष्ट्र है, क्योंकि यह एक सभ्यता वाला देश है। इसकी सांस्कृतिक ताकत को पूरी तरह से इस्तेमाल करने से ही यह वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाल सकेगा। भारत आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां इसे विकास की नई संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। हालांकि, कुछ पुरानी समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं, जिन्हें सुलझाना जरूरी है

जयशंकर ने कहा कि वैश्वीकरण के युग में प्रौद्योगिकी और परंपरा को एक साथ चलना होगा। उन्होंने कहा, भारत अवश्य ही प्रगति करेगा, लेकिन उसे अपनी भारतीयता खोए बिना ऐसा करना होगा। तभी हम बहुध्रुवीय विश्व में वास्तव में अग्रणी शक्ति के रूप में उभर पाएंगे। भारत ने पिछले दशक में सभी को दिखा दिया है कि उसके पास सभी मोर्चों पर विकास को आगे बढ़ाने की क्षमता, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता है।

जासूसी के शिकार...

देशों में सत्ताधारी सरकारों की पार्टियों ने हैकिंग और जासूसी के लिए किया। साल 2021 में एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया था कि पेगासस का उपयोग 300 से अधिक भारतीय मोबाइल नंबरों पर भी किया गया था। इनमें नरेंद्र मोदी सरकार के दो मंत्री, तीन विपक्षी नेता, एक संवैधानिक प्राधिकरण, कई पत्रकार और व्यवसायी शामिल थे। इस खुलासे ने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों पर सवाल खड़े कर दिए थे।

केंद्र की मोदी सरकार और राज्यों की सरकारों पर आरोप इसलिए भी लगाए गए क्योंकि एनएसओ ग्रुप ने बार-बार स्पष्ट तौर पर यह कहा कि वह केवल सरकारों और सरकारी एजेंसियों से ही डील करता है। हालांकि यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि व्हाट्सऐप बनाम एनएसओ ग्रुप मामले के हिस्से के रूप में बिना सील किए गए दस्तावेजों से पता चला है कि एनएसओ ग्रुप ने सालों तक पेगासस की तैनाती में अपनी भूमिका को कम करके आंका था।

2021 की मीडिया रिपोर्ट्स के बाद भारत सरकार ने पेगासस के इस्तेमाल के दावों का खंडन किया था और कहा था कि वह किसी भी तरह की जासूसी में शामिल नहीं है। उस समय संसद में दिए गए एक बयान में आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि रिपोर्टों में कोई तथ्य नहीं है। आईटी मंत्री ने कहा था कि भारत के निगरानी कानून यह सुनिश्चित करते हैं कि अनधिकृत निगरानी नहीं हो सकती है।

उस दौरान एनएसओ समूह ने यह भी दावा किया था कि जासूसी के आरोप झूठे और भ्रामक थे। एनएसओ समूह ने एक बयान में कहा था कि रिपोर्ट गलत धारणाओं और अपुष्ट सिद्धांतों से भरी हुई है, जो स्रोतों की विश्वसनीयता और हितों के बारे में गंभीर संदेह पैदा करती है। ऐसा लगता है कि अज्ञात स्रोतों ने ऐसी जानकारी दी है जिसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है और जो वास्तविकता से बहुत दूर है।

भारत में नागरिकों की जासूसी करने के आरोपों के बाद जांच की मांग को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में कई याचिकाएं दायर की गईं। 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने पेगासस सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके अनधिकृत निगरानी के आरोपों की जांच करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की एक समिति बनाई थी। अगस्त 2022 में तकनीकी विशेषज्ञों की समिति को अपने द्वारा जांचे गए फ़ोन में स्पाइवेयर के उपयोग पर कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला, लेकिन उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पैनल के साथ सहयोग नहीं किया। रिपोर्ट सीलबंद है और तब से इसे सार्वजनिक रूप से जारी नहीं किया गया है।

जांच पैनल की निगरानी कर रहे सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति आरवी रवींद्रन ने बताया था कि रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी गई है, इसलिए कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। भारतीय नागरिकों पर पेगासस का उपयोग करने में केंद्र सरकार की संलिप्तता संदिग्ध बनी हुई है लेकिन स्पाइवेयर कम से कम दो राज्यों, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में एक गरमागरम चर्चा का विषय बन गया है। 2021 में पश्चिम बंगाल सरकार ने पेगासस का उपयोग करके फोन की कथित निगरानी की जांच के लिए एक जांच आयोग का गठन किया। पश्चिम बंगाल सरकार का इस गठन के पीछे उद्देश्य रिपोर्ट की गई इंटरसेप्शन और इस तरह के इंटरसेप्शन के माध्यम से एकत्रित की गई ऐसी सूचनाओं के राज्य और गैर-राज्य अभिनेताओं के हाथों में होने, भंडारण और उपयोग की जांच करना और रिपोर्ट करना था। हालांकि, आयोग का काम जल्दी ही खत्म हो गया क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इसकी कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

आंध्र प्रदेश में पेगासस के कथित इस्तेमाल का मामला वाईएसआरसीपी और टीडीपी के बीच राजनीतिक मुद्दा बन गया था। 2022 में राज्य की विधानसभा ने एक समिति गठित करने का प्रस्ताव पारित किया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पिछली तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सरकार ने पेगासस खरीदा और उसका इस्तेमाल किया था। अब जब अमेरिकी कोर्ट ने इस मामले में एनएसओ ग्रुप को नाम सीधे तौर पर लिया है और पेगासस को लेकर सख्त बयान दिया है, तो इसके बाद एक बार फिर पेगासस को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। पेगासस भारतीय राजनीति में एक बड़ा मुद्दा रहा था और अब एक बार फिर विवाद हो सकता है।

महिला के कपड़े...

इससे मुस्लिम पक्ष अत्यंत नाराज था। पीड़िता किराने की दुकान चला कर अपने परिवार का गुजारा करती है। इसी दुकान पर शुक्रवार 20 दिसंबर को सुबह कट्टरपंथियों ने हमला कर दिया। हमलावरों के पास डंडे, लोहे की रॉड, चाकू, कैंची जैसे घातक हथियार थे। हमलावरों ने महिला को गंदी-गंदी गालियां दीं और दो सीसीटीवी कैमरे तोड़ डाले। खुद को बचाने के लिए महिला ने दुकान का शटर बंद कर लिया। हिंसक भीड़ ने महिला के घर और दुकान में तोड़फोड़ करना शुरू कर दिया। आखिरकार हमलावर महिला के घर के दरवाजे तोड़ कर अंदर घुसने में कामयाब हो गए। उन लोगों ने महिला को बेरहमी से पीटा। उसके बाल नोंच डाले और कपड़े फाड़ डाले। महिला के एक पैर पर चाकू घोंप दिया। महिला को अर्धनग्न हालत में ही सड़क पर घुमाया। हमलावरों ने अपनी इन करतूतों के वीडियो भी बनाए। हमलावरों ने पीड़िता की दुकान से किराने का सामान और कैश लूट लिया। काफी जद्दोजहद के बाद महिला को बचाया जा सका।

इस मामले में पुलिस ने भी अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है। महिला के बचाव में तृणमूल कांग्रेस भी आगे नहीं आई है। अब पीड़िता की मदद विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठन कर रहे हैं। सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस में मौजूद हिंदुओं से कहा है कि केवल भाजपा ही उनकी रक्षा कर सकती है।

इसी साल जून में उत्तर दिनाजपुर में तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने एक महिला को तालिबानी अंदाज में पीटा था। तब इस घटना का वीडियो वामपंथी पार्टी के नेता मोहम्मद सलीम ने शेयर किया था। उन्होंने बाहुबली माने जाने वाले एक स्थानीय टीएमसी नेता तजेमुल को इस घटना का गुनहगार बताया था। तजेमुल को लोग जेसीबी कह कर बुलाते हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी क्षेत्र के फुलबारी में एक महिला ने सार्वजानिक पिटाई के बाद सदमे में आकर आत्महत्या कर ली थी।

हैदराबाद में फिल्म...

उस्मानिया यूनिवर्सिटी ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) के कुछ सदस्यों ने रविवार शाम अभिनेता अल्लू अर्जुन के घर पर विरोध प्रदर्शन किया। जेएसी सदस्यों ने मांग की कि फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन पीड़ित परिवार को एक करोड़ का मुआवजा दें। आज शाम हुई तोड़फोड़ के वक्त अभिनेता अल्लू अर्जुन अपने घर पर नहीं थे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए 8 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और एक्टर के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है।

विदेशी धन पर...

भारत सरकार ने 2030 तक 30% इलेक्ट्रिक वाहनों का लक्ष्य रखा है, जिससे तांबे की मांग में भारी वृद्धि होगी।

तेजी से हो रहे शहरीकरण और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स के तहत भी बिजली और तांबे की मांग बढ़ेगी। भारत 2030 तक अपने पावर ग्रिड को 20% तक बढ़ाने की योजना बना रहा है। बिजली के कुशल ट्रांसमिशन में तांबे की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत में प्रति व्यक्ति तांबे की खपत अभी 1 किलोग्राम है, जो 2047 तक बढ़कर 3.2 किलोग्राम हो सकती है। अनुमान है कि भारत को हर 4 साल में एक नया कॉपर स्मेल्टर चाहिए। स्टरलाइट जैसे प्लांट्स को फिर से शुरू करना बहुत जरूरी है। प्लांट के बंद होने से भारत का तांबा उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ। 2018-19 में तांबा निर्यात 90% गिर गया। 2017-18 में 3.78 लाख टन निर्यात होता था, जो 2018-19 में घटकर मात्र 48,000 टन रह गया।

कंज्यूमर यूनिटी एंड ट्रस्ट सोसाइटी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्लांट के बंद होने से भारत को 14,749 करोड़ का नुकसान हुआ, जिससे न केवल अर्थव्यवस्था बल्कि तांबे की आपूर्ति पर भी असर पड़ा। स्टरलाइट कॉपर प्लांट के बंद होने के कारण भारत की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। कॉपर उत्पादन एक उच्च लाभ वाला निवेश है, जिसमें लगभग 400% तक का रिटर्न मिलता है। अगर देश में कॉपर का उत्पादन जारी रहता, तो यह आर्थिक विकास में बड़ा योगदान देता। लेकिन प्लांट के बंद होने से भारत को कॉपर आयात करना पड़ रहा है, जिससे अन्य देशों को लाभ हो रहा है।

भारत में कॉपर की मांग को पूरा करने के लिए अब बड़े पैमाने पर आयात करना पड़ रहा है। इसमें सबसे अधिक आयात चीन से हो रहा है। 2023 में चीन से भारत के कॉपर आयात की कीमत डॉलर 340.12 मिलियन थी। 2023-24 में भारत ने 363,000 टन परिष्कृत कॉपर आयात किया, जो पिछले दो वर्षों में 13% की वृद्धि दर्शाता है। भारत के निर्यात से बाहर होने से वैश्विक कॉपर आपूर्ति कम हो गई, जिसका फायदा चीनी कंपनियों ने उठाया। चीन ने अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता के जरिए बेहतर कीमत और शर्तें हासिल कीं।इस बीच, पाकिस्तान जैसे देशों ने भारत की जगह ले ली। 2023 में पाकिस्तान का चीन को कॉपर निर्यात लगभग डॉलर 752 मिलियन का था। इसके अलावा, सऊदी अरब भी बड़ा लाभार्थी बना, क्योंकि वेदांता समूह ने वहां डॉलर 2 बिलियन का निवेश करने का फैसला किया है। यह निवेश 400 केटीपीए ग्रीनफील्ड कॉपर स्मेल्टर और रिफाइनरी तथा 300 केटीपीए कॉपर रॉड प्रोजेक्ट पर किया जाएगा।

स्टरलाइट प्लांट विरोध प्रदर्शन के पीछे विदेशी फंडिंग का आरोप लगा है। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने पिछले साल इन प्रदर्शनों के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ बताया था। कहा जाता है कि चीनी कंपनियों ने जिनका भारतीय कॉपर आयात में आर्थिक हित था, इन विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित और वित्त पोषित किया। वेदांता ने मद्रास हाईकोर्ट में बताया कि चीनी कंपनियों ने इन प्रदर्शनों का समर्थन किया। इसके अलावा कई एनजीओ पर भी विदेशी धन के नियमों का उल्लंघन कर फंड लेने का आरोप लगा। इसमें चर्च समूह, टुटिकोरिन डायोसिस एसोसिएशन और मोहन सी. लाजरस जैसे ईसाई मिशनरी शामिल हैं। इनका एफसीआरए पंजीकरण 2015 में खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया था, लेकिन कहा जाता है कि इसके बाद भी उन्होंने विदेशी धन प्राप्त किया।

वार्षिक राशिफल 2025

4.कर्क राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2025 आपको बड़ी समस्याओं से राहत दिलाने का काम कर सकता है। विशेषकर मार्च के बाद आपको पिछली समस्याओं से निजात मिल सकती है और आपके भीतर एक नई ऊर्जा तथा नई स्फूर्ति देखने को मिल सकती है। बड़े बुजुर्गों के मार्गदर्शन से आप बेहतर करते हुए देखे जा सकेंगे। समस्याएं अभी पूरी तरह से दूर होती हुई नहीं नजर आ रही है लेकिन समस्याओं के कम होने से आप राहत की सांस ले सकेंगे। मई तक अच्छे लाभ के योग निर्मित हो रहे हैं। वहीं मई के बाद खर्च भी बढ़ सकते हैं। हालांकि विदेश या जन्म स्थान से दूर रहने वाले लोगों को मई के बाद भी अच्छे परिणाम मिल सकते हैं लेकिन अन्य लोगों को आर्थिक और पारिवारिक मामलों में मई के बाद एक्स्ट्रा समझदारी और जागरूकता दिखाने की आवश्यकता रहेगी। राहु का गोचर भी मई के बाद तुलनात्मक रूप से कमजोर हो सकता है। अतः बीच–बीच में अप्रत्याशित रूप से कुछ परेशानियां रह सकती हैं। प्रेम विवाह और दांपत्य संबंधी मामलों के लिए मई तक का समय तुलनात्मक रूप से बेहतर कहा जाएगा। विद्यार्थीगण भी मई के पहले ही अपनी पढ़ाई की गति को मेंटेन कर लेंगे तो आगे आने वाले समय में भी अनुकूल परिणाम मिलते रहेंगे। मार्च से शनि आपके नवम भाव में गोचर करेंगे जिसके चलते आपका आपका मित्रों से मेल मिलाप बढ़ेगा। आपके वैवाहिक जीवन में आपसी प्रेम और सम्मान बढ़ेगा। आपके जीवनसाथी आपका हर कदम पर साथ देंगे। सिंगल लोगों के जीवन में शादी की शहनाई बज सकती है। लव बर्ड्स एक दूसरे के प्यार में खोए रहेंगे। बिजनेस की दुनिया में आपका नाम बनेगा। आपको विदेशी भूमि से व्यापार करना फायदे का सौदा साबित होगा। बिजनेस ट्रिप्स आपके लिए फायदेमंद साबित होंगी। आप अच्छी मात्रा में धन कमाओगे। आमदनी में निरंतरता के लिए यह समय सही है। आप इस अवधि में प्रॉपर्टी, वाहन या अपने घर के कार्यों के लिए खूब धन खर्च करोगे। लेकिन आपको अपने खर्चों को लेकर कुछ सावधान रहना चाहिए क्योंकि मई से राहू आपके अष्टम और केतु आपके द्वितीय भाव से गोचर करेंगे। ग्रहों की यह दशा आपके लिए नकारात्मक प्रभाव ला सकती है। आपके जीवन में अनावश्यक खर्चे बढ़ते चले जाएंगे। आपको लगेगा आप खूब धन कमा रहे हैं लेकिन बचत के नाम पर आप कुछ भी नहीं जोड़ पाओगे। शेयर मार्किट में या किसी भी लुभावनी योजना में निवेश करने से बचें। इस अवधि में किए गए निवेश आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकते हैं। आपको अपना पैसा बहुत ही सोच समझकर खर्च करना चाहिए। आपके निजी रिश्तों में कुछ उतार चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। वर्ष के अंतिम महीने आपके जीवन के सबसे कठिन समय से एक रह सकते हैं। आपकी वैवाहिक ज़िंदगी में कुछ मनमुटाव हो सकते हैं। आपको लगेगा की आपके पार्टनर आपको नहीं समझते। आपको इस मनमुटाव को दूर करने के लिए दोनों तरफ़ से प्रयास करने चाहिए। कुल मिलाकर कर्क राशि वालों के लिए यह वर्ष एक रोलर कॉस्टर की तरह रहेगा।

कैरियर– यह वर्ष आपके लिए ज्यादा फायदेमंद नहीं रहेगा। आपको सफलता का स्वाद चखने के लिए कई तरह के पापड़ बेलने पड़ सकते हैं। साल के दूसरे भाग में चीजें और बेहतर होती चली जाएंगी। व्यवसाय की दृष्टि से यह समय इतना अनुकूल नहीं है आपको निरंतर प्रयास करने पड़ेंगे तभी कुछ कामयाबी हासिल हो पाएगी। इस दौरान आपको अपने कार्यस्थल पर भी चौकस होकर काम करना होगा किसी शत्रु की नजर आप पर रहेगी इस समय की गई छोटी से छोटी गलती के भी बड़े परिणाम आपको भुगतने होंगे। आपकी लापरवाही के कारण आपको अपनी नौकरी से भी हाथ धोना पड़ सकता है इसलिए काम के प्रति सच्ची लगन बनाए रखें। नौकरी के दृष्टिकोण से यह साल तुलनात्मक रूप से काफी हद तक अनुकूल रह सकता है। अर्थात पिछले साल रही परेशानियां इस वर्ष दूर होने लग जाएंगी। विशेषकर मार्च के बाद आप पिछली समस्याओं से निजात पा लेंगे और नई ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समर्पण के साथ लग जाएंगे। आपकी बातचीत का तौर तरीका तुलनात्मक रूप से और अच्छा हो सकेगा। फलस्वरूप वो लोग अपनी जॉब में और अच्छा कर सकेंगे जिनका काम बातचीत से संबंधित है या जो लोग किसी भी तरह की डीलिंग करते हैं जिसमें अच्छी बातें महत्वपूर्ण योगदान रखती हैं। मार्केटिंग इत्यादि से जुड़े लोग भी अच्छा कर सकेंगे। इस बीच में अप्रैल और मई के महीने काफी शानदार रह सकते हैं। मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति का गोचर द्वादश भाव में हो जाएगा, अतः भाग दौड़ की अधिकता रह सकती है लेकिन भाग दौड़ के बाद परिणाम सार्थक और अनुकूल रहेंगे। हो सकता है कार्यालय का माहौल या सहकर्मियों का बर्ताव आपके मन के अनुकूल न रहे लेकिन इसके बावजूद भी आप उस स्थिति में काम करने के लिए स्वयं को तैयार कर सकेंगे। नौकरी में बदलाव इत्यादि के लिए भी यह साल अनुकूल रह सकता है। इस तरह से हम कह सकते हैं कि पिछले साल की तुलना में यह साल नौकरी की दृष्टिकोण से काफी हद तक अच्छा रह सकता है और आप राहत भरी नौकरी का आनंद उठा सकेंगे।

आर्थिक स्थिति – इस वर्ष आपको अपने जीवन में कई उतार–चढ़ाव देखने को मिलेंगे। वर्ष की शुरुआत आपके लिए बहुत ही शानदार रहेगी। आपको धन कमाने के कई सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। आपको अलग–अलग साधनों से धन कमाने का मौका मिलेगा। देवगुरु बृहस्पति की शुभ दृष्टि आपके कारोबार को दिन दुगनी रात चौगुनी सफलता दिलाएगी। आपके आगे धन कमाने के नए–नए रास्ते बनते चले जाएंगे। आप फ्रीलांस या पार्ट–टाइम वर्क के जरिए भी धन कमा सकते हो। बिजनेस से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ मिलेगा। यदि अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की सोच रहे हैं तो वर्ष के शुरुआती अवधि आपके लिए लाभदायक रहेगी। मई के बाद परिस्थितियां कुछ बदल सकती है। आपको आर्थिक हानि हो सकती है। शेयर मार्किट में निवेश कर रहे लोगों के लिए समय कुछ ख़ास अच्छा नहीं है, इस समय किसी बदलाव की इच्छा न रखे। आप किसी प्रकार का जोखिम न लें अपने कार्यस्थल में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें कहीं ऐसा न हो की आपको नौकरी से ही हाथ धोना पड़ जाए। आप धन की तंगी महसूस कर सकते हैं। व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको निरंतर प्रयास करते रहने होंगे तभी आपको सफलता मिलेगी। एक ओर जहां मार्च के महीने के बाद धन भाव से शनि का नकारात्मक प्रभाव दूर हो रहा है, तो वहीं मई महीने के बाद दूसरे भाव में केतु का प्रभाव शुरू हो जाएगा। हालांकि तुलना करें तो यह स्थिति बेहतर ही कही जाएगी। अर्थात पिछले साल या पिछले सालों की तुलना में यह साल आर्थिक रूप से बेहतर रहेगा। फिर भी छोटी–मोटी विसंगतियां कभी कभार देखने को मिल सकती हैं। धन का कारक बृहस्पति साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य तक आपके लाभ भाव में बना हुआ है जो आपको आपकी मेहनत की अनुरूप अच्छा लाभ करवाने का संकेत कर रहा है। इस तरह से हम पाते हैं कि अप्रैल और मई मध्य तक का समय कुछ अच्छी आर्थिक उपलब्धियां दे सकता है। मई महीने के मध्य के बाद खर्च बढ़ सकते हैं, जिन्हें रोकने की कोशिश जरूरी रहेगी। हालांकि अनुकूल बात यह रहेगी कि यदि इस वर्ष यदि आप लोन लेना चाह रहे हैं तो उसे मामले में की गई भाग दौड़ सार्थक परिणाम दे सकेगी।

परिवार – पारिवारिक मामलों में इस वर्ष सावधानी पूर्वक निर्वाह करने की आवश्यकता रहेगी। क्योंकि साल की शुरुआत से लेकर मार्च के महीने तक शनि ग्रह का प्रभाव दूसरे भाव पर रहेगा, जो परिजनों के साथ संबंधों में कमजोरी देने का काम कर सकता है। आपकी बातचीत का तौर तरीका थोड़ा सा कड़क रह सकता है। इसका प्रभाव भी संबंधों पर पड़ सकता है, वहीं मार्च के बाद शनि का प्रभाव दूसरे भाव से समाप्त हो जाएगा। अतः पारिवारिक संबंधों में बेहतरी देखने को मिलेगी लेकिन मई मध्य के बाद राहु केतु का प्रभाव दूसरे भाव पर शुरू हो जाएगा। अतः कुछ पारिवारिक सदस्य गलतफहमी में आकर एक दूसरे से दूरी बनाकर रखने की कोशिश कर सकते हैं। फिर भी तुलना करें तो पिछली समस्याओं के दूर होने से आप राहत की सांस ले सकेंगे। यदि आप आपसी गलतफहमियों से बचेंगे तो नए सिरे से कोई पारिवारिक समस्या नहीं आएगी। गृहस्थ जीवन से संबंधित मामलों में इस वर्ष सामान्य तौर पर अनुकूल परिणाम मिलने चाहिए। आप घर गृहस्थी को सुधारने संवारने और बेहतर करने की कोशिश करके अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। वर्ष के अंत में जाकर आपको घर परिवार के सुख में थोड़ी कमी महसूस हो सकती है। नए रिश्ते बनाने के चक्कर में पुराने रिश्तों को अनदेखा न करें। आपकी पर्सनल लाइफ़ में तनाव हो सकता है। इससे बचने के लिए कोशिश करें की आप अपने जीवनसाथी से कुछ भी न छुपाएं और न ही उन्हें धोखा दें। वर्ष कर्क राशि वालों के लिए रिश्तों के बनते और बिगड़ते समीकरण लाएगा। आपको अपने जीवन के हर रिश्ते को अहमियत देनी होगी तभी आप एक अच्छा जीवन बिताने में सफल रहोगे।

प्रेम – रोमांस – यह वर्ष आपके जीवन में प्यार की खट्टी–मीठी नोंक झोंक भरा रहेगा। वर्ष की शुरुआत ही आपके निजी रिश्तों के लिए थोड़ी कठिन रहने वाली है। क्रोध और अहंकार आपके निजी प्रेम संबंधों में खटास पैदा कर सकता है। साल की शुरुआत में ही आपके और आपके जीवनसाथी के संबंधों में कुछ कड़वाहट आने की प्रबल आशंका है, लेकिन फिर भी आपका जीवनसाथी आपका भरपूर साथ देगा। मार्च महीने के बाद शनि का प्रभाव पंचम भाव से दूर हो जाएगा। स्वाभाविक है कि इससे आपकी लव लाइफ में बेहतरी आएगी क्योंकि पुरानी समस्याएं या छोटी–छोटी बातों पर होने वाली नाराजगी अब नहीं हुआ करेगी या बहुत कम हुआ करेगी। हालांकि बृहस्पति का गोचर मई महीने के मध्य तक अनुकूल बना हुआ है, अतः इसके पहले का समय नए–नए युवा हो रहे लोगों को लव पार्टनर या मित्र बनाने में मददगार बनेगा। इस साल आपको अपनी लव लाइफ़ को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने होंगे नहीं तो ज़रा सी लापरवाही आपके रिश्तों पर भारी पड़ सकती है। कर्क राशि वालों की मैरिड लाइफ़ के लिए यह समय कुछ खास अच्छा नहीं हैं। आपकी शादीशुदा ज़िंदगी में यह समय बोरियत और मनमुटाव लेकर आएगा। आप दोनों के बीच बेवजह झगड़े, तनाव और कलह बढ़ सकता हैं इसलिए आपको सलाह दी जाती है की इस समय आप एक दूसरे को प्रेमपूर्वक समझने की कोशिश करें। आप एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान नहीं कर पा रहे और इसी के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच मनमुटाव बढ़ सकता है। आपको एक दूसरे के लिए समय निकालना होगा और एक दूसरे की भावनाओं को समझने की कोशिश करने होगी तभी आगे चल कर यह रिश्ता कामयाब हो सकेगा। वहीं बात करें कर्क राशि के लव बर्ड्स की तो उनके लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा।

शिक्षा – साल सामान्य तौर पर बेहतर या काफी हद तक अनुकूल परिणाम दे सकता है। इस वर्ष साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य तक उच्च शिक्षा का कारक बृहस्पति आपके पंचम तथा सप्तम भाव को देखकर न केवल सामान्य शिक्षा लेने वाले विद्यार्थियों को बल्कि व्यावसायिक शिक्षा लेने वाले विद्यार्थियों को भी अच्छे परिणाम देना चाहेंगे। मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति का गोचर आपके द्वादश भाव में हो जाएगा। हालांकि सामान्य तौर पर यह कमजोर स्थिति कही जाएगी लेकिन विदेश में रहकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को तब भी अच्छे परिणाम मिलते रहेंगे। साथ ही साथ ऐसे विद्यार्थी जो जन्म स्थान से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, विशेषकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी वो भी अनुकूल परिणाम प्राप्त करते रहेंगे। क्योंकि बृहस्पति द्वादश भाव में बैठकर आपके चतुर्थ भाव को देखेंगे। हालांकि साल के शुरुआती कुछ महीने एक्स्ट्रा मेहनत की डिमांड कर सकते हैं लेकिन बाद का समय सामान्य तौर पर अच्छे परिणाम दे सकता है। हालांकि इन सब के बीच सिर्फ एक छोटी सी नकारात्मक बात रह सकती है कि मई के बाद दूसरे भाव में केतु के प्रभाव के चलते घर परिवार का माहौल थोड़ा सा बिगड़ा हुआ रह सकता है। ऐसे में पढ़ाई के लायक माहौल बनाने के लिए आपको कुछ एक्स्ट्रा यत्न प्रयत्न करने पड़ सकते हैं। यदि आपने अपने आसपास के माहौल को अनुकूल बना लिया अथवा ऐसे माहौल में होने के बावजूद भी आप अपने सब्जेक्ट पर फोकस कर पाए तो, सामान्य तौर पर इस वर्ष आप अपनी शिक्षा के मामले में अच्छा करते रहेंगे। इस समय आप अपनी कड़ी मेहनत से अपने कठिन समय को एक उज्जवल भविष्य में बदलने में कामयाबी हासिल करोगे। आपको अपने करियर में किसी भी प्रकार का आलस्य नहीं करना हैं। आलस्य की भावना आपकी सफलता की राह में बाधा पैदा कर सकती है। इस साल एजुकेशन, इंजीनियरिंग, चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े जॉब करने वालों के लिए अनेक अच्छी संभावनाएं आएंगी और आपके करियर को गति मिलेगी। अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोग भी अपनी एजुकेशन के हिसाब से जॉब पाने में सफल होंगे। इस साल आपको नई नौकरी भी मिल सकती है या आपके कार्यस्थल में स्थान परिवर्तन का योग बनता दिख रहा है।

स्वास्थ्य – स्वास्थ्य के दृष्टि से यह वर्ष मिश्रित फलदायी है। शीत जनित रोग और श्वांस का रोग थोड़ा परेशान कर सकता है। साल की शुरुआत से लेकर मार्च के महीने तक शनि का गोचर आठवें भाव में रहेगा जो स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा नहीं कहा जाएगा। विशेषकर यदि आपको कमर, जननांगों या मुख से संबंधित कोई परेशानी पहले से है तो इस अवधि तक अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण जागरूक रहना ज्यादा उचित रहेगा। मार्च के बाद शनि का गोचर अष्टम भाव से दूर हो जाएगा और आपकी पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं धीरे–धीरे करके दूर होने लग जाएंगी। हालांकि मई महीने के मध्य से बृहस्पति का गोचर द्वादश भाव में हो जाएगा, जो पेट और कमर से संबंधित कुछ परेशानियां दे सकता है। हालांकि यह परेशानियां नए सिरे से आ सकती हैं अर्थात पुरानी परेशानियों के होने की स्थिति में उनका सही ढंग से इलाज और उचित आहार विहार पुरानी परेशानियों को दूर करने में मददगार बनेंगे जबकि लापरवाही की स्थिति में नए सिरे से पेट या कमर की तकलीफें हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहते हुए आप स्वास्थ्य को मेंटेंन करने की कोशिश करते हुए बेहतर स्वास्थ्य का आनंद ले सकेंगे। वर्ष 2025 की मध्य अवधि आपके लिए थकावट से भरी रहेगी। आप पर काम का अधिक प्रेशर होने के कारण आपको स्ट्रेस हो सकता है। आपकी निजी जिंदगी में चल रहे तनाव आपकी सेहत को प्रभावित करेंगे। आपको इस समय अत्यधिक क्रोध करने बचना है। आपकी सेहत के लिए सबसे बड़ी दिक्कत आपकी ओवर थिंकिंग की आदत है। आपको अपनी इस आदत से पीछा छुड़ाना होगा नहीं तो ये आपकी मेंटल हेल्थ पर भी असर करेगा। आपको अपनी जीवनशैली में योग और मेडिटेशन को शामिल करना चाहिए। मेडिटेशन आपको अपने जीवन के नेगेटिव हालातों से लड़ने की समझ देगा और आप कैसे भी हालात को आसानी से कंट्रोल कर सकोगे। योग हर व्यक्ति को जीवन में बेहतर बनने और बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है।

ज्योतिष उपाय – भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा.अनीष व्यास ने बताया कि रोज सुबह सूर्य को जल अर्पित करें। इस जल में थोड़ा सा गुड़ मिला लें। भगवान शिव को अक्षत अर्पित करें और शिवलिंग का अभिषेक करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर–जोधपुर
मो.9460872809

सोमवार को पूजा के समय करें इन मंत्रों का जप, नए साल से पहले सपने होंगे पूरे

वैदिक पंचांग के अनुसार, सोमवार 23 दिसंबर को पौष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी एवं नवमी तिथि है। सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है। इसके लिए सोमवार 23 दिसंबर के दिन देवों के देव महादेव और मां पार्वती की विशेष पूजा की जाएगी। साथ ही सोमवार का व्रत रखा जाएगा। साधक मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए सोमवार का व्रत रखते हैं। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। ज्योतिषियों की मानें तो पौष सोमवार पर एक साथ कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाएंगे। अगर आप भी भगवान शिव की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन भक्ति भाव से शिव–शक्ति की पूजा करें। वहीं, पूजा के समय इन मंत्रों का पाठ या जप अवश्य करें।

शिव मंत्र

ॐ नमो हिरण्यबाहवे हिरण्यवर्णाय हिरण्यरूपाय हिरण्यपतए

अंबिका पतए उमा पतए पशूपतए नमो नमः
ईशान सर्वविद्यानाम् ईश्वर सर्व भूतानाम्
ब्रह्मादीपते ब्रह्मनोदिपते ब्रह्मा शिवो अस्तु सदा शिवोहम
तत्पुरुषाय विद्महे वागविशुद्धाय धिमहे तन्नो शिव प्रचोदयात्
महादेवाय विद्महे रुद्रमूर्तये धिमहे तन्नों शिव प्रचोदयात्
नमस्ते अस्तु भगवान विश्वेश्वराय महादेवाय त्र्यंबकाय त्रिपुरान्तकाय त्रिकाग्नी कालाय कालाग्नी
रुद्राय नीलकंठाय मृत्युंजयाय सर्वेश्वराय सदशिवाय श्रीमान महादेवाय नमः

शिव आह्वान मंत्र

ॐ मृत्युंजय परेशान जगदाभयनाशन ।
तव ध्यानेन देवेश मृत्युप्राप्नोति जीवती ।।
वन्दे ईशान देवाय नमस्तस्मै पिनाकिने ।
नमस्तस्मै भगवते कैलासाचल वासिने ।
आदिमध्यांत रूपाय मृत्युनाशं करोतु मे ।।
त्र्यंबकाय नमस्तुभ्यं पंचस्याय नमोनमः ।
नमोब्रह्मेन्द्र रूपाय मृत्युनाशं करोतु मे ।।
नमो दोर्दण्डचापाय मम मृत्युम् विनाशय ।।
देवं मृत्युविनाशनं भयहरं साम्राज्य मुक्ति प्रदम् ।
नमोर्धेन्दु स्वरूपाय नमो दिग्वसनाय च ।
नमो भक्तार्ति हन्त्रे च मम मृत्युं विनाशय ।।
अज्ञानान्धकनाशनं शुभकरं विध्यासु सौख्य प्रदम् ।
नाना भूतगणान्वितं दिवि पदैः देवैः सदा सेवितम् ।।
सर्व सर्वपति महेश्वर हरं मृत्युंजय भावये ।।

शिव प्रार्थना मंत्र

करचरणकृतं वाक् कायजं कर्मजं श्रावण वाणंजं वा मानसंवापराधं ।
विहितं विहितं वा सर्व मेतत् क्षमस्व जय जय करुणाब्धे श्री महादेव शम्भो ।।

शिव नमस्कार मंत्र

शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च मयस्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च।।
ईशानः सर्वविध्यानामीश्वरः सर्वभूतानां ब्रम्हाधिपति महिर्बम्हणोध पतिर्बम्हा शिवो मे अस्तु सदाशिवोम।।

शिव बिल्वाष्टकम्

त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रियायुधं।
त्रिजन्म पापसंहारम् ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।
त्रिशाखैः बिल्वपत्रैश्च अच्चिद्रैः कोमलैः शुभैः।
तवपूजां करिष्यामि ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।
कोटि कन्या महादानं तिलपर्वत कोटयः।
काञ्चनं क्षीलदानेन ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।
काशीक्षेत्र निवासं च कालभैरव दर्शनं।
प्रयागे माधवं दृष्ट्वा ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।
इन्दुवारे व्रतं स्थित्वा निराहारो महेश्वराः।
नक्तं हौष्यामि देवेश ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।
रामलिङ्ग प्रतिष्ठा च वैवाहिक कृतं तथा।
तटाकानिच सन्धानम् ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।
अखण्ड बिल्वपत्रं च आयुतं शिवपूजनं।।
कृतं नाम सहस्रेण ऐकबिल्वं शिवार्पणं।
उमया सहदेवेश नन्दि वाहनमेव च।।
भस्मलेपन सर्वाङ्गम् ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।
सालग्रामेषु विप्राणां तटाकं दशकूपयोः।

यज्नकोटि सहस्रस्च ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।
दन्ति कोटि सहस्रेषु अश्वमेध शतक्रतौ।
कोटिकन्या महादानम् ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।
बिल्वाणां दर्शनं पुण्यं स्पर्शनं पापनाशनं।
अघोर पापसंहारम् ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।
सहस्रवेद पाटेषु ब्रह्मस्तापन मुच्यते।
अनेकव्रत कोटीनाम् ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।
अन्नदान सहस्रेषु सहस्रोप नयनं तथा।
अनेक जन्मपापानि ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।
बिल्वस्तोत्रमिदं पुण्यं यः पठेश्शिव सन्निधौ।
शिवलोकमवाप्नोति ऐकबिल्वं शिवार्पणं।।

सौराष्ट्रे सोमनाथं च श्रीशैले मल्लिकार्जुनम्।
उज्जयिन्यां महाकालं ओम्कारम् अमलेश्वरम्।।
परल्यां वैद्यनाथं च डाकिन्यां भीमशङ्करम्।
सेतुबन्धे तु रामेशं नागेशं दारुकावने।।
वाराणस्यां तु विश्वेशं त्र्यम्बकं गौतमीतटे।
हिमालये तु केदारं घुश्मेशं च शिवालये।।
एतानि ज्योतिर्लिङ्गानि सायं प्रातः पठेन्नरः।।

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।
नमामिशमीशान निर्वाण रूपं विभुं व्यापकं ब्रह्म वेद स्वरूपं।।
ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्।।
ॐ सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्रयम्बके गौरी नारायणी नमोस्तुते।।

शिवजी की आरती

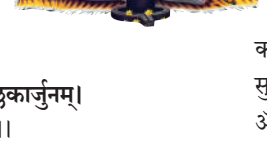

ॐ जय शिव ओंकारा,स्वामी जय शिव ओंकारा।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव,अर्द्धांगी धारा।।
ॐ जय शिव ओंकारा...
एकानन चतुराननपञ्चानन राजे।
हंसासन गरूड़ासनवृषवाहन साजे।।
ॐ जय शिव ओंकारा...
दो भुज चार चतुर्भुजदसभुज अति सोहे।
त्रिगुण रूप निरखतेत्रिभुवन जन मोहे।।
ॐ जय शिव ओंकारा...
अक्षमाला वनमालामुण्डमाला धारी।
त्रिपुरारी कंसारीकर माला धारी।।
ॐ जय शिव ओंकारा...
श्वेताम्बर पीताम्बरबाघम्बर अंगे।
सनकादिक गरुणादिकभूतादिक संगे।।
ॐ जय शिव ओंकारा...
कर के मध्य कमण्डलुचक्र त्रिशूलधारी।
सुखकारी दुखहारीजगपालन कारी।।
ॐ जय शिव ओंकारा...
ब्रह्मा विष्णु सदाशिवजानत अविवेका।
प्रणवाक्षर मध्ये ये तीनों एका।।
ॐ जय शिव ओंकारा...
लक्ष्मी व सावित्रीपार्वती संगा।
पार्वती अर्द्धांगी,शिवलहरी गंगा।।
ॐ जय शिव ओंकारा...
पर्वत सोहैं पार्वती,शंकर कैलासा।
भांग धतूर का भोजन,भस्मी में वासा।।
ॐ जय शिव ओंकारा...

जटा में गंगा बहत है,गल मुण्डन माला।
शेष नाग लिपटावत,ओढ़त मृगछाला।।
ॐ जय शिव ओंकारा...
काशी में विराजे विश्वनाथ,नन्दी ब्रह्मचारी।
नित उठ दर्शन पावत,महिमा अति भारी।।
ॐ जय शिव ओंकारा...
त्रिगुणस्वामी जी की आरतीजो कोइ नर गावे।
कहत शिवानन्द स्वामी,मनवान्छित फल पावे।।
ॐ जय शिव ओंकारा...

तमन्ना भाटिया के जन्मदिन पर प्रशंसकों को मिला तोहफा

ओडेला 2 का नया पोस्टर जारी

तमन्ना भाटिया वर्तमान में ओडेला 2 में अभिनय कर रही हैं, जो 2021 की हिट ओडेला रेलवे स्टेशन की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी है। अशोक तेजा द्वारा निर्देशित, फिल्म ने पहले ही महत्वपूर्ण रुचि जगा दी है। तमन्ना ने नागा साधु की भूमिका निभाई है, एक ऐसा किरदार जिसने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाया हुआ है। इसी बीच तमन्ना के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म से उनका खतरनाक लुक जारी कर दिया गया है। तमन्ना भाटिया को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए, ओडेला 2 के निर्माताओं ने एक नए पोस्टर का अनावरण किया, जिसमें अभिनेत्री को एक खतरनाक नागा साधु अवतार में दिखाया गया है। पोस्टर में उन्हें खोपडिय़ों के एक मैदान में साहसपूर्वक चलते हुए दिखाया गया है, जिसके ऊपर उड़ते हुए गिद्ध एक तनावपूर्ण माहौल बना रहे हैं। यह पोस्टर फिल्म में उनके किरदार की गहन और शक्तिशाली प्रकृति का संकेत देता है। तमन्ना भाटिया ने अपनी भूमिका के लिए कठोर प्रशिक्षण लिया है, जिसमें दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाले लुभावने स्टंट को परफेक्ट करने के लिए व्यापक रिहर्सल भी शामिल हैं। ओडेला 2 एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव का वादा करती है, जो तमन्ना द्वारा चित्रित अच्छाई और वशिष्ठ द्वारा चित्रित बुराई के बीच तीव्र टकराव पर केंद्रित है। फिल्म की कहानी एक गांव के आसपास केंद्रित है, और कैसे इसके सच्चे रक्षक ओडेला मल्लन्ना स्वामी हमेशा अपने गांव को बुरी ताकतों से बचाते हैं। फिल्म के लिए संगीत अजनीश लोकनाथ द्वारा तैयार किया गया है, जो कंतारा में अपने काम के लिए मशहूर हैं। छायांकन प्रतिभाशाली साउंडराजन एस द्वारा किया जा रहा है। कला निर्देशन राजीव नायर के नेतृत्व में है। ऐसी कुशल और गतिशील तकनीकी टीम के साथ, ओडेला 2 एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव का वादा करती है।

गोविंदा के बेटे यशवर्धन अभिनय की दुनिया में कदम रखने को तैयार

साई राजेश से मिलाया हाथ

भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता गोविंदा को किसी परिचय की जरूरत नहीं है। अपने डांस, स्टाइल और कॉमेडी से उन्होंने लाखों दिलों पर राज किया है। गोविंदा ने हिंदी सिनेमा को कई सुपरहिट फिल्में दी हैं।अब खबर आ रही है कि गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं।उन्होंने अपनी पहली फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक साई राजेश से हाथ मिलाया है, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, साई दर्शकों के बीच एक दिलचस्प फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसकी कहानी रोमांस और कॉमेडी से भरपूर होगी।फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने यशवर्धन से संपर्क किया है और उन्होंने इसके लिए हामी भर दी है।फिल्म की शूटिंग अगले साल यानी 2025 में शुरू हो जाएगी और यह 2026 तक सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।इस खबर का आधिकारिक ऐलान जल्द ही किया जा सकता है।यशवर्धन ने साजिद नाडियावाला के अधीन रहकर बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया है।उन्होंने ढिशूम, किक 2 और तड़प जैसी फिल्मों को असिस्ट किया है। असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में उनका अनुभव एक्टिंग में काम आ सकता है।गोविंदा की एक बेटी टीना आहूजा भी हैं। उन्होंने 2015 में स्मीप कांग की फिल्म सेकेंड हैंड हसबैंड के साथ अभिनय की शुरुआत की थी।

सलमान के भाई सोहेल खान की साउथ सिनेमा में एंट्री

नंदमुरी कल्याण राम फिल्म एनकेआर21 से करेंगे धमाल

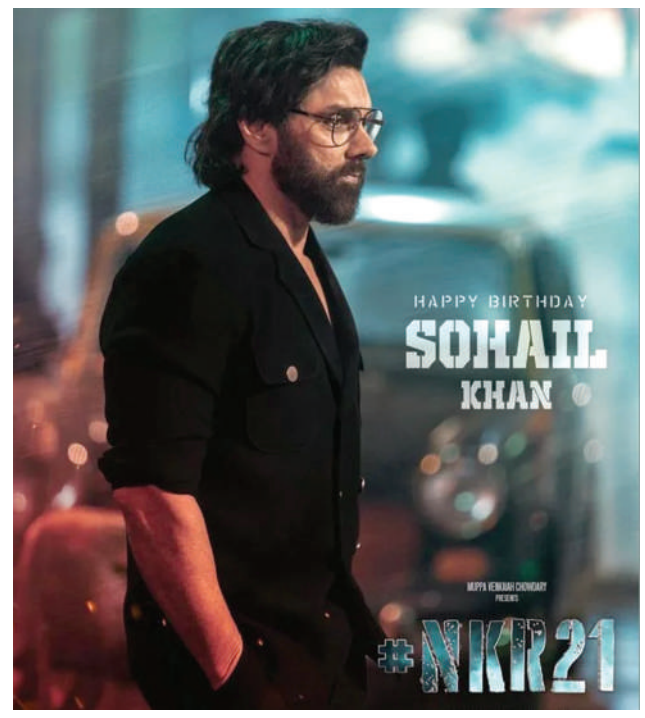

सलमान खान के छोटे भाई-एक्टर सोहेल खान अपने 54वां जन्मदिन के इस खास अवसर पर एक्टर के फैंस को बड़ा तोफहा दिया। लंबे समय के बाद सोहेल खान बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, वे अपने नए प्रोजेक्ट से तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं।नंदमुरी कल्याण राम स्टारर एनकेआर 21 की शूटिंग शुरू हो गई है। इसकी शूटिंग हैदराबाद से शुरू हुई है। कल्याण राम भी शूटिंग में भाग ले रहे हैं। इस बीच, फिल्म के खलनायक सोहेल खान को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला लुक जारी किया है।एनकेआर 21 से सोहेल का फर्स्ट लुक जारी करते हुए मेकर्स ने उनका तेलुगू सिनेमा में स्वागत किया। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, एनकेआर 21 के खलनायक सोहेल खान को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। तेलुगू सिनेमा में आपका स्वागत है, सर। हमें आपका साथ पाकर बहुत खुशी हुई। पोस्टर में सोहेल खान ब्लैक आउटफिट में शांत किसी विषय पर चिंतन करते दिख रहे हैं।सोहेल खान को आखिरी बार सलमान खान की सुपरहिट फिल्म दबंग 3 (2019) में देखा गया था। इस फिल्म में वह कैमियो की भूमिका निभाते नजर आए थे। वहीं, 2021 की फिल्म राधे के लिए उन्हें आखिरी बार प्रोड्यूसर की कुर्सी पर देखा गया था।एनकेआर प्रदीप चिलुकुरी के निर्देशन में बन रही हैं। विजयशांति, सई मांजरेकर, श्रीकांत और पृथ्वी वीर राज अहम भूमिका में नजर आएंगे।

गुम है किसी के प्यार में को अंकिता खरे ने कहा अलविदा!

सवी की भाभी बन मचाई थी धूम

अनुपमा से रातोंरात बाहर हुई अलीशा परवीन के बाद अब टीवी के एक और पॉपुलर शो की एक्ट्रेस के फैंस को झटका लगने वाला है। जी हां, भाविका शर्मा और हितेश भारद्वाज स्टारर गुम है किसी के प्यार में हरिणी का किरदार निभा रहीं एक्ट्रेस अंकिता खरे अब इस शो में नजर नहीं आएंगी। क्या टीआरपी की रेस में सबसे आगे रहने वाले इस शो में नया मोड़ आने वाला है या फिर कुछ नया देखने को मिलने वाला है। सोशल मीडिया पर कई दिनों से एक्ट्रेस के शो छोडऩे की खबर चल रही थी।हितेश भारद्वाज और भाविका शर्मा अभिनीत शो गुम है किसी के प्यार में 20 साल के लीप के बाद से ही अपने दर्शकों का मनोरंजन करने में लगा हुआ है। कुछ समय पहले ही इस डेली सोप की कहानी में बड़ा बदलाव देखने को मिला था। अब एक बार फिर से अंकिता खरे के शो छोडऩे के बाद बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है क्योंकि हरिणी की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस अंकिता खरे सवी और रजती की कहानी का अब हिस्सा नहीं होंगी। अंकिता खरे के शो से चले जाने के बाद दर्शक एक्ट्रेस की स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी को जरूर मिस करेंगे। उन्होंने इस शो में भाविका शर्मा उर्फ सवी की भाभी का किरदार निभा कर पहचान बनाई है।यह खबर टीवी एक्ट्रेस अंकिता खरे के फैंस के लिए हैरान करने वाली बात है क्योंकि उनके किरदार और कहानी के लिए उन्हें लोगों के खूब प्यार मिला है। अंकिता शो को अलविदा कहने की तैयारी कर रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस ने अपने फैसले के बारे में प्रोडक्शन हाउस को पहले ही अपटेड कर दिया है। हालांकि, ये शो कई सालों से रेटिंग चार्ट के टॉप 5 में रहा है। लेकिन, उसके इस किरदार के जाने से टीआरपी में थोड़ी गिरावट देखी जा सकती है।

तेजस्वी प्रकाश के लिए भोजन प्रेम की भाषा

लोकप्रिय कुकिंग-आधारित शो मास्टर शेफ इंडिया में टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश भाग लेने को तैयार हैं। उत्सुक अभिनेत्री ने भोजन को एक प्रेम भाषा बताया।शो में शामिल होने के बारे में बात करते हुए तेजस्वी ने कहा, रियलिटी टीवी शो ने मुझे निडर होना सिखाया है, लेकिन नेशनल टेलीविजन पर खाना बनाने को लेकर थोड़ी घबराहट है। मेरा वास्तव में मानना है कि भोजन एक प्रेम की भाषा है, इसलिए मैंने दर्शकों को प्रभावित करने के लिए अपना दिल (पाक कौशल) दांव पर लगाने का फैसला किया और मुझे उम्मीद है कि यह सफलता की वजह बनेगा।लोकप्रिय टीवी शो मास्टरशेफ इंडिया का नया सीजन सेलिब्रिटी मास्टर शेफ-अब उन सबकी सीटी बजेगी सेलिब्रिटी प्रतियोगियों के साथ दर्शकों के सामने आने को तैयार है। इस शो में हस्तियां अपने पाक कौशल का प्रदर्शन करते और रसोई में अपनी योग्यता दिखाते नजर आएंगे।

दिलचस्प बात यह है कि पहली बार मास्टर शेफ इंडिया में लोकप्रिय टेलीविजन और इंटरनेट की हस्तियां प्रतियोगियों के रूप में शामिल होंगी। सेलिब्रिटी मास्टर शेफ इंडिया 2024 के लिए पुष्टि किए गए प्रतियोगियों में गौरव खन्ना, उषा नादकर्णी, दीपिका कक्कड़, राजीव अदातिया और कॉमेडियन चंदन प्रभाकर जैसे लोकप्रिय टेलीविजन के चेहरे शामिल हैं। शो में बिग बॉस फेम एल्विश यादव और रुबीना दिलैक जैसी हस्तियों के भी शामिल होने की चर्चा है।सेलिब्रिटी मास्टर शेफ इंडिया सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाला शो है। नौवें सीजन को फराह खान होस्ट करेंगी। शेफ विकास खन्ना और रणवीर बरार जज के रूप में वापसी करने को तैयार हैं। हालांकि, शो कब से शुरू होगा इसकी आधिकारिक तारीख अभी तक सामने नहीं आई है।मास्टर शेफ इंडिया के अलावा, मास्टर शेफ तमिल और मास्टर शेफ तेलुगू भी लोकप्रिय है। शो का पिछला सीजन सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर मुफासा की अच्छी ओपनिंग

मुफासा: द लायन किंग का रिलीज से पहले काफी बज बन हुआ था। फाइनली ये मूवी सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म को रिलीज के पहले दिन दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और इसी के साथ इसकी भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत हुई है। चलिए यहां जानते हैं मुफासा: द लायन किंग ने रिलीज के पहले दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है?द लायन किंग की रिलीज के पांच साल बाद अब मुफासा: द लायन किंग दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी एक्साइटमेंट इसलिए बनी हुई है क्योंकि इसके हिंदी वर्जन को जहां शाहरुख खान और उनके दोनों बेटों अबराम और आर्यन के अलावा श्रेयस तलपड़े और संजय मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। वहीं फिल्म के तेलुगु वर्जन में मुफासा के किरदार को महेश बाबू ने आवाज दी है।बता दें कि डिज्नी की इस एनिमेटिड सीरीज का नाना पाटेकर की वनवास के साथ क्लैश हुआ है वहीं बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा 2 पहले ही धमाल मचा रही है। इन सबके बावजूद मुफासा: द लायन किंग की ओपनिंग अच्छी हुई है। वहीं अब फिल्म की रिलीज के पहले दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मुफासा: द लायन किंग ने रिलीज के पहले दिन भारत में 8।80 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसमें पहले दिन फिल्म ने इंग्लिश में 3।5 करोड़, हिंदी में 2।6 करोड़, तेलुगु में 1।7 करोड़ और तमिल भाषा में 1 करोड़ की कमाई की है।

मुफासा: द लायन किंग की कहानी एक अनाथ शेर के बच्चे मुफासा की लाइफ के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म में शाहरुख खान ने मुफासा, आर्यन खान ने मुफासा के बेटे सिंबा और सबसे छोटे बेटे अबराम ने बेबी मुफासा को अपनी आवाज दी है। अब देखने वाली बात होगी कि वीकेंड पर शाहरुख खान के स्टारडम के चलते ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म करती है।

नाना पाटेकर की वनवास का हाल बेहाल

अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित और नाना पाटेकर, उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर स्टारर वनवास का रिलीज से पहले काफी बज बना हुआ था। वहीं 20 दिसंबर को इस फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी। फिल्म की क्रिटिक्स ने काफी सराहना की है लेकिन ये मूवी दर्शकों को इम्प्रेस नहीं कप पाई और इसकी ओपनिंग काफी खराब रही है। चलिए यहां जानते हैं वनवासळ ने रिलीज के पहले दिन कितना कलेक्शन किया है?वनवास को रिलीज के पहले दिन मुफासा: द लायन किंग के साथ क्लैश करना पड़ा है। वहीं अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 अभी भी ज्यादा स्क्रीनों के साथ बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है ऐसे में नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा की वनवासळ रिलीज के पहले ही दिन दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आईं। इसी के साथ इस फिल्म की शुरुआत काफी निराशाजनक हुई है। वहीं अब वनवासळ की रिलीज के पहले दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक वनवासळ ने रिलीज के पहले दिन महज 0.60 लाख की कमाई की है। हालांकि ये शुरुआती आंकड़े हैं ऑफिशियल

नंबर्स आने के बाद इनमें थोड़ा बहुत बदलाव हो सकता है।वनवास की ओपनिंग काफी ठंडी रही है और ये रिलीज के पहले दिन एक करोड़ की भी कमाई नहीं कर पाई है। फिल्म ने बमुश्किल चंद लाखों में कलेक्शन किया है। फिल्म का पहले ही दिन ये हाल है तो इसका आगे का भविष्य भी अधर में ही नजर आ रहा है। वैसे भी पुष्पा 2 के आगे वनवास का टिकना नामुमकिन है। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में फैमिली ड्रामा को दर्शक मिल पाते हैं या नहीं। वैसे ये आसान काम नहीं होगा क्योंकि क्रिसमस के दिन वरुण धवन की बेबी जॉन के आने से कंप्टीशन और ज्यादा बढ़ जाएगा। वनवास नाना पाटेकर, उत्कर्ष शर्मा, सिमरन कौर ने लीड रोल प्ले किया है। वहीं सपोर्टिंग कलाकारों में खुशबू सुंदर, सिमरत कौर, राजपाल यादव अश्विनी कलसेकर, परितोष त्रिपाठी, मनीष वाधवा और राजेश शर्मा शामिल हैं। इस फिल्म को अनिल शर्मा ने डायरेक्ट किया है और इसे सुमन शर्मा ने प्रोड्यूस किया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। दिन के पहले भाग में ख़ुद को थोड़ा अलसाहट भरा महसूस कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाएँ तो काफ़ी काम किया जा सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा। अपने घर से बाहर निकलते समय अपने जरुरी सामान को एक बार जरुर देख लें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है,आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जो बात सच्ची होती हैं उन्हें कहने में आपके शब्द भी कम जाया होते हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आपके मानसिक तनाव को कम करने में दवा की तरह असरदार साबित होगी। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आप-को इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है। इससे बचाव न करने की स्थिति में इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की ज़रूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब बातें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को ख़राब कर सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आप अपने प्रिय से अपने जज़्बात का इज़हार करने में मुश्किल महसूस करेंगे। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आज ख़ाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। बिना किसी का साथ पाये भी आजके दिन का आप भरपूर आनंद उठा पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। शाम को दोस्तों के साथ घूमें-फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियों में जाएगा। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है और इससे कुछ हासिल नहीं होता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। रोमांस के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन नहीं है,समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। मुमकिन है कि आपका जीवनसाथी आज आपके लिए पर्याप्त समय न निकाल पाए। आज का दिन किसी भी धार्मिक स्थल के लिए समर्पित करना अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ साधन हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएँ। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। जीवन में सरलता तभी रहती है जब आपका व्यवहार सरल रहता है। आपको भी अपने व्यवहार में सरलता लाने की जरुरत है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 23 दिसंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पौष , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी सायं 05:10 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी प्रातः 09:09 तक
योग : सौभाग्य रात्रि 07:53 तक
करण : कौलव सायं 05:10 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:42 , सूर्यास्त 05:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 05:59 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:31 , सूर्यास्त 05:51 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:32, सूर्यास्त 05:41 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- धनुर्मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राष्ट्र भूभाग नहीं सनातन मूल्य से जुड़ा विचार और संस्कृति : बागडे

जयपुर,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राष्ट्र कोई भूभाग भर नहीं होता है, यह संस्कृति और सनातन मूल्य से जुड़ा विचार है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम है और बाद में सब है, इस मानसिकता का प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूल में जो संस्कार मिलते हैं, उसी से भविष्य का विचार बनता है। उन्होंने देश में मैकाले द्वारा प्रारंभ शिक्षा पद्धति की चर्चा करते हुए कहा कि इसके जरिए भारतीय संस्कृति को जड़ों से उखाड़ने के निरंतर प्रयास हुए हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को कभी कोई मिटा नहीं सकता क्योंकि यह हमारे रक्त में घुला है।

बागडे रविवार को एक होटल में नवोत्कर्ष विक्रम संवत 2081 कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को मिटाने का निरंतर प्रयोग होता रहा, पर यह जीवंत संस्कृति है। उन्होंने प्राचीन भारतीय आविष्कारों की चर्चा करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने आजादी से पहले गजट में लिखा है कि भारत में जितने गुरुकुल हैं, उतने ब्रिटेन में भी नहीं है। उन्होंने प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत, दशमलव के प्रयोग आदि की चर्चा करते हुए कहा कि वैदिक काल से हमने उन सिद्धांतों को स्थापित कर दिया जो बाद में पश्चिम ने अपने नाम किए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र का गौरवमय इतिहास शिक्षा पद्धति से ही पता चलता है। भारतीयता के विचार से ही देश में नई शिक्षा नीति बनाकर लागू की गई है। इसे सभी प्रभावी रूप में क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि जिस देश के लोग अपने इतिहास को भूल जाते हैं, उनका भूगोल भी कम होता जाता है। इसलिए सनातन भारतीय मूल्यों के लिए सभी मिलकर कार्य करें। भारत को विकसित राष्ट्र बनाएं।

इस अवसर पर पूर्व सांसद रामचरण बोहरा ने सभी का आभार जताया। राज्यपाल ने आरंभ में नवोत्कर्ष फाउंडेशन द्वारा प्राचीन भारत के गौरवमय शासकों, सनातन संस्कृति से जुड़ी चित्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे के काफिले में पलटी जीप, कई पुलिसकर्मी घायल

पाली,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे के काफिले में एक गंभीर हादसा हुआ, जब काफिले के पीछे चल रही पुलिस की जीप बाली में पलट गई। इस हादसे में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें रूपाराम, भाग चंद, सूरज, नवीन और जितेंद्र शामिल हैं। हादसा उस समय हुआ जब वसुन्धरा राजे मंत्री ओटा राम देवासी की माता के निधन पर संवेदना व्यक्त कर उनके गांव मुंडारा से जोधपुर लौट रही थीं। घायलों के बारे में जानकारी मिलने के बाद, पूर्व सीएम खुद मौके पर पहुंचीं और घायलों को एम्बुलेंस में बैठाकर राजकीय चिकित्सालय बाली भेजा।

इसके साथ ही, बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह को भी घायलों के साथ अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया और बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई। यह घटना घटनास्थल पर तीव्र प्रतिक्रिया का कारण बनी, और प्रशासन ने पूरी स्थिति का तुरंत संज्ञान लिया।

अमित शाह के बयान पर मेघवाल समाज का विरोध, राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

बहरोड़,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 17 दिसंबर को राज्यसभा में भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के नाम से दिए गए विवादित बयान के खिलाफ मेघवाल समाज ने विरोध जताते हुए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देने का निर्णय लिया है। यह ज्ञापन सोमवार सुबह 11:30 बजे बहरोड़ के उपखंड अधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

मेघवाल विकास समिति बहरोड़ ब्लॉक के अध्यक्ष हीरालाल आर्य ने बताया कि इस विरोध में डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर समिति, मिशन अंबेडकर, अजाक, भीमसेना, भीम आर्मी, राजस्थान मेघवाल समाज, अंबेडकर अनुयाई कल्याण समिति, अंबेडकर विचार मंच और अन्य अंबेडकरवादी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

ज्ञापन से पहले, सुबह 11:30 बजे बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास (जिला अस्पताल, बहरोड़) सभी प्रतिभागी एकत्रित होंगे। वहां से एक शांतिपूर्ण आक्रोश रैली निकाली जाएगी, जो बाबा साहब के आदर्शों और उनके प्रति सम्मान का प्रतीक होगी। यह रैली प्रतिमा स्थल से शुरू होकर उपखंड अधिकारी कार्यालय तक पहुंचेगी, जहां ज्ञापन सौंपा जाएगा। हीरालाल आर्य ने बताया कि यह विरोध प्रदर्शन पूर्णतः शांतिपूर्ण रहेगा और इसका उद्देश्य बाबा साहब के सम्मान की रक्षा के लिए समाज की एकजुटता और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना है। संगठनों ने गृह मंत्री के बयान को बाबा साहब के व्यक्तित्व और कृतित्व का अपमान बताते हुए, इसे समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला करार दिया। उन्होंने इस बयान की निंदा करते हुए राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग की है।

वन नेशन वन इलेक्शन क्षेत्रीय दलों को कमजोर करने की कोशिश : उमर अब्दुल्ला

जोधपुर,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वन नेशन वन इलेक्शन बिल को क्षेत्रीय दलों को कमजोर करने की साजिश करार दिया है। जीएसटी काउंसिल में हिस्सा लेने राजस्थान पहुंचे उमर अब्दुल्ला ने ये बात कही।

रविवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन बिल पार्लियामेंट के सामने है। पार्लियामेंट इस पर बहस करे फिर किसी नतीजे पर आए। कुछ राज्यों में भी इसको पास करना होगा। हमें तो नहीं लगता कि इससे किसी को फायदा होगा। मुझे लगता है कि यह क्षेत्रीय दलों को कमजोर करने की कोशिश है।

जीएसटी काउंसिल के हिस्सा लेने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अच्छा माहौल

रहा। अच्छे फैसले हुए। इसके साथ ही प्री-बजट चर्चा भी हुई। उम्मीद है कि जो बातें हमने वित्त मंत्री के सामने रखी है, उस पर अमल किया जाएगा। खुद गाड़ी चला के आयोजन स्थल पर पहुंचने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि बचपन में मैंने देखा था कि राजीव गांधी भी गाड़ी चलाते थे। मुझे शौक है इसलिए मैं गाड़ी चलाता हूं। आपको बताते चलें, 'वन नेशन वन इलेक्शन' विधेयक पर विचार के लिए संसद ने 39 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद पीपी चौधरी करेंगे। समिति के 39 सदस्यों में भाजपा के 16, कांग्रेस के पांच, सपा, तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक के दो-दो तथा शिवसेना, तेदेपा, जदयू, रालोद, लोजपा (रामविलास), जन सेना पार्टी, शिवसेना-यूबीटी, राकांपा-(सपा), माकपा, आप, बीजद और वाईएसआरसीपी के एक-एक सदस्य शामिल हैं। इससे पहले केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने निचले सदन में लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के विचार के लिए भेजे जाने का प्रस्ताव रखा था।

कांग्रेस के अलावा दूसरी पार्टी सरकार नहीं चला सकती

कांग्रेस के इस भ्रम को अटल जी ने तोड़ा : बड़ौली

गुरुग्राम,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में रविवार को अटल काव्यांजलि का आयोजन हुआ। पार्टी कार्यालय गुरुकमल में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम शुरू करने से पहले प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली और कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, जिला अध्यक्ष कमल यादव व भाजपा नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित कर अटल जी को याद किया। इस मौके पर सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने दो

मिनट का मौन रखा और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी व पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला की आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। कार्यक्रम में आए कवियों ने अटल जी की स्मृति में कविताओं का पाठ कर खूब तालियां बटोरी।

अटल जी के जन्म शताब्दी दिवस पर उनको याद करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश में राजनीति का एक नया अध्याय लिखा। कांग्रेस पार्टी ने झूठा प्रचार किया हुआ था कि देश में कांग्रेस के अलावा कोई दूसरी पार्टी सरकार नहीं चला सकती। उन्होंने कहा कि वाजपेयी ने कांग्रेस के भ्रम को तोड़ने का काम किया। अटल जी जैसा व्यक्तित्व विरले ही जन्म लेते हैं। भारत का संसदीय इतिहास सदैव उनका गुणगान करेगा। बड़ौली ने कहा कि भाजपा का मजबूत संगठन सरकार चलाने के साथ-साथ विकास के काम कर रहा है। अटल जी की प्रेरणा से भाजपा विजन के साथ भय, भूख और भ्रष्टाचार को खत्म करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया के बहुत से देश भारत की ताकत को नहीं जानते थे, लेकिन जब अटल जी ने पोखरण में परमाणु परीक्षण कराया तब दुनिया में भारत की ताकत का मैसेज गया और लोगों को पता लगा कि भारत जैसा शक्तिशाली और संपन्न देश भी विश्व में है।

नॉन स्टॉप रफ्तार से भारत वर्ष 2047 तक बनेगा विकसित राष्ट्र : सैनी

चंडीगढ़,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जिस गति से देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नॉन स्टॉप रफ्तार से विकास कार्य किए जा रहे हैं तो निश्चित रूप से भारत देश वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा। इस देश में हर योजना को आम लोगों की सहुलियत को ध्यान में रखते हुए अमलीजामा पहनाने का काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को लाडवा में लोगों की समस्याएं सुनने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष हल्का के लोगों ने पुलिस विभाग से सम्बन्धित, जनस्वास्थ्य विभाग, खंड विकास एवं पंचायत विभाग के साथ-साथ गांव और शहर में विकास कार्यों को करवाने से सम्बन्धित विषय रखे। मुख्यमंत्री ने एक-एक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता के साथ सुना और उनका समाधान करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने शहर के नागरिकों द्वारा राजकीय सीनियर सेंकेडरी स्कूल को बीडीपीओ कार्यालय के पास खाली पड़ी जमीन में शिफ्ट करने की मांग पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूल को शिफ्ट करने का प्रस्ताव तैयार किया जाए, अगर स्कूल के हिसाब से जगह ठीक पाई गई तो स्कूल को शिफ्ट करने की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों द्वारा पीने के गंदे पानी से सम्बन्धित शिकायत पर एसडीएम को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द लोगों की समस्या का समाधान करके पीने के लिए शुद्ध पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। हल्का के नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बाबैन से शाहबाद सडक़ निर्माण कार्य की गुणवत्ता से सम्बन्धित रखी गई शिकायत पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस सडक़ की गुणवत्ता को चैक किया जाए। अगर गुणवत्ता में कमी पाई गई तो सम्बंधित के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का नॉन स्टॉप रफ्तार से चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। देश में तेज रफ्तार से हो रहे विकास कार्यों से स्पष्ट नजर आ रहा है कि वर्ष 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने एक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि वन नेशन वन इलैक्शन देश और नागरिकों के लिए एक सराहनीय निर्णय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि देश में एक साथ चुनाव हो ताकि चुनावों के दौरान होने वाले खर्चों और समय की बचत की जा सके। उन्होंने विपक्षी दलों द्वारा किए गए टवीट पर बोलते हुए कहा कि आज विपक्ष के पास ना कोई मुद्दा है, ना नीति है और ना ही नेता है। इसलिए खाली बैठे विपक्ष के लोगों का काम केवल अच्छे कार्यों का विरोध करना मात्र है।

कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक सीधे पहुँच रहा

चंडीगढ़,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को सीधे उनके घर द्वार पर पहुँचाना सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति से संपर्क कर उसकी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी पात्र पीछे न छूटे।

मुख्यमंत्री रविवार को पिहोवा के गांव चनालहेड़ी में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के आवास पर कार्यकर्ताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजना का लाभ घर तक पहुँचाने के संकल्प को पूरा करने का काम किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से सुनते हुए उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्य कर रही है। सैनी ने कहा कि सरकार अन्तोदय की भावना से आमजन के कल्याण के लिए समर्पित है और विभिन्न कल्याणकारी पहलों के माध्यम से उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गाँव तलहेडी में नागरिकों से मिलने के लिए अपने काफिले को रूकवाया। यहाँ वे ग्रामीणों से मिले और बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद भी दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा, जिसे मुख्यमंत्री ने क्रमबद्ध तरीके से पूरा करने का आश्वाशन दिया।

अब सभी 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का फैसला

चंडीगढ़,22 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार ने किसानों के हित में एक अन्य महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 24 फसलों की खरीद के लिए अधिसूचना जारी की है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा जारी की गई इस अधिसूचना का उद्देश्य किसानों की उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करना है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा किसानों के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए एमएसपी के तहत दस अतिरिक्त फसलों की खरीद की घोषणा की गई थी। इन फसलों में रागी, सोयाबीन, नाइजरसीड, कुसुम, जौ, मक्का, ज्वार, जूट, खोपरा और ग्रीष्मकालीन मूंग शामिल हैं।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

निवेशकों की सहूलियत के लिए बिहार सरकार ने की खास तैयारी

हर पांच से 10 एमओयू पर होगा एक नोडल अधिकारी

पटना (एजेंसियां)।

पिछले साल ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में 300 कंपनियों के निवेश प्रस्ताव आए थे, लेकिन उनमें से कुछ ही कंपनियों ने निर्माण कार्य शुरू किया था। मतलब, काम हुआ।

इस बार यह गति तेज हो और विधानसभा चुनाव तक उद्योग और रोजगार के मामले में दिखाने के लिए राज्य की नीतीश कुमार सरकार के पास कुछ अच्छा हो, इसकी तैयारी अभी से ही शुरू हो गई है। राज्य के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने निवेश समझौतों के बाद सरकारी प्रक्रिया को सहज बनाने के लिए हर पांच से 10 एमओयू पर राज्य सरकार की ओर से एक नोडल पदाधिकारी बनाए जाने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि

नोडल अधिकारी निवेशकों को हर स्तर पर मदद देंगे, ताकि प्रोजेक्ट जमीन पर सहजता से आ जाए।

मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा की ओर से कहा गया है कि निवेशकों के साथ समन्वय और सुविधा प्रदान करना हमारी पहली प्राथमिकता है। नोडल अधिकारी निवेशकों के लिए जमीन और सभी मंजूरियां हासिल करने में व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करेंगे। कहा कि राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड के स्तर पर इसकी समय-समय पर समीक्षा की जायेगी। हमारा प्रयास एक वर्ष में सभी एमओयू को निवेश में तब्दील करना सुनिश्चित करना है।

दो दिवसीय ग्लोबल बिजनेस इनवेस्टर्स समिट में देश-विदेश की कंपनियों के 850 प्रतिनिधि आए हैं। आज 350 से ज्यादा कंपनी बिहार सरकार के साथ एमओयू साइन करने जा रही। इस सबमिट के जरिए बिहार में करीब एक लाख 80 हजार करोड़ से अधिक का निवेश हुआ है। यह पिछले साल की तुलना में तीन गुना है। इनमें सीमेंट, फुटवियर, टेक, इथेनॉल समेत अन्य सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं। ग्लोबल इन-वेस्टर समिट में 40 से अधिक कंपनियों ने आईटी क्षेत्र में 4000 करोड़ रुपए निवेश करने की रुचि दिखाई है। सन पेट्रोकेमिकल्स 36400 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट में निवेश करेगी। यह अब तक सबसे बड़ा निवेश है। कंपनी का दावा है कि इस बड़े प्रोजेक्ट से 30 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं भारत सरकार की पीएसयू एनएचपीसी और एसजेवीएन 5500 करोड़ के प्रोजेक्ट में निवेश करेगी। इधर, आईफोन को असेंबल करने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने भी बिहार में निवेश की दिलचस्पी जताई है। यह कंपनी आज एमओयू साइन कर सकती है।

बियाडा इंडस्ट्रियल एरिया की बैटरी फैक्ट्री में लगी भीषण आग

लाखों की संपत्ति जलकर खाक

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया के मरंगा स्थित बियाडा इंडस्ट्रियल एरिया में रविवार को एक बैटरी फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। आग से फैक्ट्री का बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया, हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार, आग फैक्ट्री के गैस चैंबर में वेल्डिंग के दौरान लगी। चिंगारी ने चैंबर को अपनी चपेट में ले लिया और कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। फैक्ट्री के कर्मचारियों ने तत्काल बाहर भागकर अपनी जान बचाई।

घटना की सूचना मिलते ही फैक्ट्री संचालक ने फायर ब्रिगेड को बुलाया। दमकल की चार गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। स्थानीय पुलिस और दमकल कर्मियों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया।

फैक्ट्री संचालक रूपेश सिंह ने बताया कि आग लगने से बैटरी फैक्ट्री में लाखों रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। हालांकि, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, वेल्डिंग के दौरान निकली चिंगारी ने आग को जन्म दिया।

आग लगने के बाद बियाडा इंडस्ट्रियल एरिया में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग फैक्ट्री के बाहर जमा हो गए और दमकल कर्मियों की कार्रवाई को देखते रहे। आग के कारण पूरे क्षेत्र में काले धुएं का गुबार छा गया था।

मरंगा स्थित बियाडा इंडस्ट्रियल एरिया में सैकड़ों फैक्ट्रियां और कार्यालय हैं। हाल में ही इस बैटरी फैक्ट्री का निर्माण हुआ था। घटना के बाद फैक्ट्री संचालकों ने औद्योगिक सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। फिलहाल पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। फैक्ट्री में हुए नुकसान का आंकलन भी किया जा रहा है।

नौकरी देने के नाम पर ठगी करने वाले पांच साइबर अपराधी गिरफ्तार

एक महिला भी शामिल

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली में साइबर थाना पुलिस ने नौकरी देने के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश कर पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला भी शामिल है, जो पश्चिम बंगाल की निवासी बताई जा रही है। पुलिस ने इनके पास से नौ मोबाइल, 13 सिम कार्ड, दो पासबुक, दो पैन कार्ड, आठ एटीएम कार्ड, दो आधार कार्ड और एक वोटर आईडी कार्ड बरामद किया है।

साइबर डीएसपी चांदनी सुमन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से जानकारी मिली कि मोबाइल नंबर 9546123544 और 91199427967 पर नौकरी देने के नाम पर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। तकनीकी जांच से यह नंबर वैशाली जिले के औद्योगिक क्षेत्र थाना क्षेत्र में सक्रिय पाए गए। पुलिस ने एसपी वैशाली के

निर्देशन में डीएसपी चांदनी सुमन के नेतृत्व में एक टीम बनाई। तकनीकी अनुसंधान और टावर लोकेशन के आधार पर छापामारी की गई। किराए के मकान में रह रहे चार पुरुष और एक महिला को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में वे ठोस जवाब नहीं दे सके, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरोह के सदस्यों ने पूछताछ में बताया कि वे नौकरी के नाम पर वाट्सएप के जरिए लोगों से सर्टिफिकेट और अन्य दस्तावेज मंगवाते थे। इसके बाद रजिस्ट्रेशन चार्ज, प्रोसेसिंग फी और कुरियर चार्ज के नाम पर पैसे वसूलते थे। उन्होंने बताया कि जडद पर फर्जी नौकरी के विज्ञापन डालकर लोगों को आकर्षित किया जाता था। महिला के खाते में पैसे मंगवाए जाते थे और वाट्सएप पर ऑफर लेटर और जॉइनिंग लेटर भेजा जाता था। आखिर में पैसे मिलने के बाद पीड़ितों के नंबर ब्लॉक कर दिए जाते थे।

पुलिस को अपराधियों के मोबाइल की जांच में कई सबूत मिले हैं, जिनमें वाट्सएप चैट्स, दस्तावेज, पेमेंट के ठठ कोड और स्कैनर शामिल हैं। गिरोह बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में सक्रिय था। दरअसल, महिला गिरोह का अहम हिस्सा थी, जिसका खाता पैसे के लेन-देन के लिए इस्तेमाल होता था। वह वाट्सएप पर कॉल कर नौकरी का झांसा देती थी।

पुलिस ने साइबर थाना में आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर सभी अपराधियों को जेल भेज दिया है। डीएसपी चांदनी सुमन ने कहा कि यह गिरोह कई राज्यों के लोगों को ठगी का शिकार बना चुका है और इसके अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

बिहार के बड़े सरकारी अस्पताल में नौकरी के नाम पर ठगी का खेल

40 डेटा ऑपरेटर की बहाली का लिस्ट

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। डीएमसीएच अधीक्षक के नाम पर बदमाश ठगी कर रहे थे। बदमाशों ने डीएमसीएच अधीक्षक के नाम परफर्जी डेटा ऑपरेटर की बहाली लिस्ट वायरल हो रहा है। इस लिस्ट में चालीस अभ्यर्थियों का नाम अंकित है। शामिल अभ्यर्थियों का दावा ही कि डेटा ऑपरेटर की बहाली के लिए डेढ़ लाख रुपये का डिमांड किया जा रहा है।

हैरान करने वाली बात यह है कि डीएमसीएच अधीक्षक के नाम से बहाली के लिए निकाली गई लिस्ट में एक भी अभ्यर्थी दरभंगा जिले का शामिल नहीं है। साथ ही यह बहाली डीएमसीएच को छोड़कर प्रखंड स्तर के अस्पतालों

के लिए डेटा ऑपरेटर के लिए हो रही है। इस पत्र के मिलते ही डीएमसीएच की अधीक्षक डॉ अलका झा ने दरभंगा पुलिस को लिस्ट देकर कार्रवाई करने को कहा है।

बताया जा रहा है कि बदमाशों ने डीएमसीएच अधीक्षक के लेटर पैड का इस्तेमाल किया है। आ-वेदकों से नौकरी के बदले डेढ़-डेढ़ लाख रुपये की डिमांड की हो रही थी। लोग ठगी के इस जाल में फंसते कि उससे पहले इसकी जानकारी डीएमसीएच प्रशासन को मिल गई। इसके बाद अधीक्षक डॉ. अलका झा ने इसकी सूचना पुलिस को दी है। इधर, कुछ लोग इसमें मामले का तार डीएमसीएच अधीक्षक कार्यालय के सफेदपोशों से भी जोड़ रहे हैं। अधीक्षक कार्यालय के कई कर्मी नौकरी, ट्रांसफर-पोस्टिंग, टेंडर मैनेज आदि के नाम पर अवैध उगाही कर रहे।

कुछ समय पहले ऐसा ही मामला डीएमसीएच में आया था। इसमें लहेरियासराय थाना क्षेत्र के सैदनगर की एक महिला से भी डाटा आपरेटर की नौकरी का फार्म भरने के नाम पर सात हजार रुपये की ठगी कर ली गई थी। इस मामले के सामने आने के बाद भी अस्पताल में कर्मियों और अधिकारियों के बीच खलबली मच गई थी।

लेकिन, कुछ दिनों बाद यह मामला शांत हो गया था। अब एक और मामला के सामने आते ही एक बार फिर अस्पताल में यह वायरल पत्र मिलते ही खलबली मच गई है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. अलका झा ने कहा कि यह पत्र पूरी तरीके से फर्जी है। पत्र को सामने आते ही मैंने दरभंगा पुलिस को जांच कर कार्रवाई की अपील की है।

बेगूसराय में महिला की निर्मम हत्या

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय में एक महिला की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। अपराधियों ने शव को बोरे में बंद कर पानी भरे गड्ढे में फेंक दिया। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैली गई। वहीं मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के सीतारामपुर दियारा की है। मृत महिला की पहचान सीतारामपुर गांव के रहने वाले जुगी महतो की पत्नी सीता देवी के रूप में की गई है।

मृतका के पति जुगी महतो ने बताया है कि पिछले 15 दिन पहले अचानक घर से लापता हो गई। उन्होंने बताया है कि अपने स्तर से काफी खोजबीन की। लेकिन, कोई अता-पता नहीं चल सका। उन्होंने बताया कि थकहार कर मटिहानी थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज कारण। इसके बावजूद भी उसका कोई अता-पता नहीं चल सका नहीं। पुलिस सही तरीके से ढूंढ पाए। उन्होंने बताया कि शनिवार की देर शाम महिला का शव सीतारामपुर स्थित दियारा में बोरे में बंद पानी भरे गड्ढे

से शव पुलिस ने बरामद किया। उन्होंने बताया है कि जब पता चला कि एक बोरे में बंद पानी भरे गड्ढे में महिला का शव मिला है।

परिजनों का कहना है कि इसी सूचना के आधार पर जब हम अस्पताल आए तो इसकी पहचान मेरी पत्नी सीता देवी के रूप में हुई है। गांव के ही रहने वाले एक व्यक्ति से जमीन विवाद को लेकर दुश्मनी चल रही थी। उसने ही इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच चल रही है। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच चल रही है।

करोड़ों की सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण का खेल जारी

भू-माफियाओं की स्थानीय प्रशासन से मिलीभगत के आरोप

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी में बेतिया राज की बहुमूल्य जमीनों पर अवैध कब्जे का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में बेतिया राज संपत्ति विधेयक 2024 के गजट के प्रकाशन के बाद 15,221 एकड़ जमीन पर राज्य सरकार का स्वामित्व स्थापित हो चुका है। इसके बावजूद मोतिहारी के सीमावर्ती क्षेत्र, खासकर घोड़ासहन में भू-माफिया जमीन पर कब्जा करने में जुटे हैं। स्थानीय प्रशासन की उदासीनता से अतिक्रमण का यह खेल लगातार बढ़ता जा रहा है।

मोतिहारी के घोड़ासहन बाजार के आसपास की जमीन जो बेतिया राज की संपत्ति मानी जाती है, खाता संख्या 28 और खेसरा 121 में अंकित है। यह जमीन करोड़ों रुपये मूल्य की बताई जाती है। भू-माफियाओं ने इस जमीन पर अवैध निर्माण और कब्जे का काम तेज कर दिया है।

पूर्व में घोड़ासहन के तत्कालीन अंचलाधिकारी शिवशंकर गुप्ता ने इस अवैध गतिविधि को रोकने के लिए नोटिस जारी किया था। घोड़ासहन थाना को भी इस संबंध

में सूचित किया गया था। इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन की कथित 'सेटिंग' के चलते भू-माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और जमीन का बंटवारा जारी है।

बेतिया राज की संपत्ति पर राज्य सरकार के कानूनी अधिकार की घोषणा के बाद से भू-माफियाओं में खलबली मच गई है। राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जयसवाल द्वारा प्रस्तुत इस विधेयक के माध्यम से राज्य सरकार ने संपत्ति पर अपने स्वामित्व की मुहर लगा दी है। इसके बावजूद, सीमावर्ती इलाकों में बेतिया राज की जमीन पर अवैध अतिक्रमण के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं।

घोड़ासहन के वर्तमान अंचलाधिकारी आनंद कुमार ने अमर उजाला को बताया कि पूर्व में भू-माफियाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

इसके बावजूद अगर अवैध निर्माण और कब्जा जारी है, तो स्थानीय थाना के साथ मिलकर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

घोड़ासहन के स्थानीय नागरिक प्रशासन की निष्क्रियता से नाराज हैं। बेतिया राज की इस बहुमूल्य जमीन पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा संपत्ति पर स्वामित्व स्थापित करने के बाद भी, अगर भू-माफिया सक्रिय हैं, तो यह प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है।

नलकूप की रखवाली करते वक्त किसान की तेज धारदार हथियार से हत्या

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा जिले के कमतौल थाना क्षेत्र के कुम्हरौली गांव में एक बुजुर्ग किसान की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान कुलदीप यादव के रूप में हुई है, जिनका शव उनके ही खेत में बरामद हुआ। घटना के बाद परिजनों ने स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर हंगामा किया और अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस और प्रशासन ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और जांच शुरू कर दी। मृतक कुलदीप यादव के भांजे विश्वनाथ यादव ने बताया कि उसके मामा के शरीर पर धारदार हथियार से कई जख्म के निशान थे। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं की खेती का मौसम है और इलाके में नलकूपों की चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं। इन घटनाओं को देखते हुए कुलदीप यादव रात को खेत में बने दालान पर सोने जाते थे, ताकि वह नलकूप की सुरक्षा कर सकें। विश्वनाथ ने आगे बताया कि कुलदीप ने अपनी पत्नी को बताया था कि वह सुबह खेत में पटवन करने के लिए जाएंगे और दिन में देर से वापस आएंगे। लेकिन आज दिनभर जब कुलदीप यादव घर नहीं पहुंचे, तो उनका बेटा खेत पर गया। वहां उसने अपने पिता का शव पड़ा देखा, जो धारदार हथियार से हत्या किए जाने के बाद खेत में पड़ा था। इस घटना की जानकारी गांववालों और परिजनों को दी गई और पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस को शक है कि घटना के पीछे नलकूप की चोरी से जुड़ा एक प्रतिशोधी कारण हो सकता है। आशंका जताई जा रही है कि रात को जब चोर नलकूप की चोरी करने आए होंगे तो कुलदीप ने उन्हें पहचान लिया होगा और अपराधियों ने प्रतिशोध में उसकी हत्या कर दी। इस मामले की जानकारी मिलते ही कमतौल थाना पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। कमतौल डीएसपी ज्योति कुमारी और सिटी एसपी अशोक कुमार चौधरी ने घटनास्थल पर पहुंचकर हंगामा कर रहे लोगों को समझाया और स्थिति को शांत कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया गया है और पुलिस द्वारा सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com